खण्ड-396, अंक-1
बृहस्पतिवार, 24 ज्येष्ठ, शक संवत् 1912
(14 जून, 1990 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(दसवीं विधान सभा, तृतीय सत्र 1990)

खण्ड 396 में 10 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:

निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)

1990

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |

वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 12 रुपये |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
विधान सभा के सदस्य, राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल	क—ज
उपस्थित सदस्य	झ
प्रश्नोत्तर	1—78
विधान सभा सदस्य श्री सुरेन्द्र सिंह एवं श्री गेंदन लाल गंगवार के निधन पर शोकोद्गार	79—82
उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सभापति श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित के निधन पर शोकोद्गार	83—92
नत्थियां	93—96

विधान सभा

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

उत्तर प्रदेश दशम् विधान सभा के सदस्यों की सूची

1–अकबर अली, श्री — जालौन
2–अकबर हुसैन बाबर, श्री — फैजाबाद
3–अकबाल हसन उर्फ अकबाल हुसैन, श्री — गोण्डा
4–अख्तर, श्री — गाजियाबाद
5–अचल सिंह, श्री — फतेहपुर
6–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
7–अतर सिंह यादव, श्री — एटा
8–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
9–अनवार मोहम्मद खां, श्री — फरुर्खाबाद
10–अनिल कुमार भारद्वाज, श्री — रामपुर
11–अनिल कुमार सिंह यादव, श्री — एटा
12–अनुग्रह नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
13–अफजाल अंसारी, श्री — गाजीपुर
14–अमरनाथ यादव, श्री — वाराणसी
15–अमरपाल सिंह, श्री — मेरठ
16–अमरमणि, श्री — महाराजगंज
17–अमरेश चन्द्र पाण्डेय, श्री — मऊ
18–अमीर आलम खां, श्री — मुजफ्फरनगर
19–अरविन्द कुमार, श्री — ललितपुर
20–अरिदमन सिंह, श्री — आगरा
21–अरुण, श्री — फैजाबाद
22–अरुण कुमार सिंह मुन्ना, श्री — जौनपुर
23–अरुण प्रताप सिंह, श्री — प्रतापगढ़
24–अर्जुन सिंह यादव, श्री — जौनपुर
25–अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
26–अशोक कुमार, श्री — बिजनौर
27–अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
28–अशोक पाण्डेय, श्री — सुल्तानपुर
29–अशोक कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
30–अशोक कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
31–अशोक बाजपेयी, श्री — हरदोई
32–असगर, श्री — देवरिया
33–अहिबरन, श्री — शाहजहांपुर
34–इन्दल सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
35–इन्द्र प्रताप सिंह, श्री — बहराइच
36–इन्द्र भद्र सिंह, श्री — सुल्तानपुर
37–इन्द्रेश विक्रम, श्री — रायबरेली
38–इम्तियाज मोहम्मद खां, श्री — बुलन्दशहर
39–ईश्वर शरण विद्यार्थी, श्री — इलाहाबाद
40–उमाकान्त बाजपेयी, श्री — फतेहपुर
41–उमानाथ सिंह, श्री — जौनपुर
42–ऊदल, श्री — वाराणसी
43–एदल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
44–ओंकार सिंह, श्री — एटा
45–ओम प्रकाश, श्री — गोरखपुर
46–ओम प्रकाश यादव, श्री — मुरादाबाद
47–ओम प्रकाश गुप्ता, श्री — सीतापुर
48–ओम प्रकाश दिवाकर, श्री — फिरोजाबाद
49–ओम प्रकाश सिंह, श्री — गाजीपुर
50–कप्तान सिंह, श्री — फरुर्खाबाद
51–कमल नयन वर्मा, श्री — रायबरेली
52–कमला साहनी, श्रीमती — सिद्धार्थनगर
53–कमाल अहमद रिजवी, श्री — खीरी
54–करन चन्द्र सिंह, श्री — नैनीताल
55–करन सिंह, श्री — मुरादाबाद
56–कल्यान सिंह, श्री — अलीगढ़
57–कलियान सिंह दोहरे, श्री — फरुर्खाबाद
58–काजी मो0 मोहिउद्दीन, श्री — हरिद्वार
59–कालीचरण, श्री — मिर्जापुर
60–काशी प्रसाद, श्री — हमीरपुर
61–काशी सिंह एरेरी, श्री — पिथौरागढ़
62–कासिम अली, श्री — देवरिया
63–किरनपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
64–किशन गोपाल, श्री — आगरा
65–के0 एस0 तड़ागी, श्री — नैनीताल
66–किशोरी श्याम, श्री — मथुरा
67–रेवती रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
68–कुंवर सिंह नेगी, श्री — चमोली
69–कृपा शंकर आर्य, श्री — देवरिया
70–कृष्ण किंकर सिंह, श्री — बस्ती
71–कृष्ण कुमार नवमान, श्री — अलीगढ़
72–कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री — बदायूं
73–केदार नाथ सिंह, श्री — गोरखपुर

74–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
75–खुर्शीद, श्री गाजीपुर
76–गंगाभक्त सिंह, श्री हरदोई
77–गंगाराम, श्री बुलन्दशहर
78–गंजी प्रसाद, श्री वाराणसी
79–गजराज सिंह, श्री गाजियाबाद
80–गणेश दीक्षित, श्री कानपुर
81–गनपत सिंह, श्री महाराजगंज
82–गया प्रसाद वर्मा, श्री इटावा
83–गुलाब सिंह, श्री देहरादून
84–गुलाब सिंह, श्री मिर्जापुर
85–गोपाल रामदास, श्री अल्मोड़ा
86–गोपीनाथ वर्मा, श्री फैजाबाद
87–गोमती यादव, श्री आजमगढ़
88–गोवर्धन सिंह, श्री एटा
89–गौरी देवी, श्रीमती गोरखपुर
90–गौरी शंकर भइया, श्री बलिया
91–चन्द्रकली वर्मा, श्रीमती सीतापुर
92–चन्द्रपाल सिंह, श्री मुरादाबाद
93–चन्द्रभान मौर्य, श्री आगरा
94–चन्द्रभान सिंह, श्री बांदा
95–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री बहराइच
96–चन्द्रविजय सिंह, श्री मुरादाबाद
97–चन्द्र शेखर सिंह, श्री वाराणसी
98–चन्द्र शेखर सिंह, श्री बस्ती
99–चरन सिंह, श्री मेरठ
100–चेतराम, श्री शाहजहांपुर
101–चैनसुख भारती, श्री जालौन
102–चौधरी शंकर सिंह, श्री जालौन
103–छन्नू लाल शास्त्री, श्री वाराणसी
104–छेदा लाल चौधरी, श्री खीरी
105–छोटे लाल, श्री खीरी
106–जगदीश चन्द्र, डा0 लखनऊ
107–जगदीश लाल, श्री महाराजगंज
108–जगमोहन सिंह यादव, श्री मैनपुरी
109–जगराम सिंह, श्री मुरादाबाद
110–जगवीर सिंह, श्री अलीगढ़
111–जनार्दन प्रसाद ओझा, श्री महाराजगंज
112–जफर अली नकवी, श्री खीरी
113–जमुना प्रसाद बोस, श्री बांदा
114–जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
115–जयराज गौतम, श्री सुल्तानपुर
116–जयशंकर पाण्डेय, श्री फैजाबाद
117–जय सिंह यादव, श्री प्रतापगढ़
118–जसवन्त सिंह बिष्ट, श्री अल्मोड़ा
119–जागेश्वर, श्री फतेहपुर
120–जी0 एस0 विनोद, डा0 मुजफ्फरनगर
121–जौहरी लाल त्रिवेदी, श्री कानपुर
122–ज्ञानेन्द्र स्वरूप, श्री मथुरा
123–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री जौनपुर
124–झग्गड़ सिंह, श्री मेरठ
125–तीरथराज, श्री सोनभद्र
126–तेजपाल, श्री बिजनौर
127–दयाराम भास्कर, श्री आजमगढ़
128–दयाशंकर, श्री वाराणसी
129–दशरथ सिंह, श्री बांदा
130–दिनेश जौहरी, डा0 बरेली
131–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
132–दीपचन्द्र सोनकर, श्री जौनपुर
133–दीपनारायन, श्री आजमगढ़
134–दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
135–देवकी नन्दन, श्री उन्नाव
136–देवकुमार यादव, श्री बांदा
137–देवता दीन, श्री बहराइच
138–देवी प्रसाद, श्री बहराइच
139–देवेन्द्र कुमार सिंह, श्री ललितपुर
140–देवेन्द्र सिंह, श्री एटा
141–दौलतराम, श्री बदायूं
142–दौलतराम, श्री सीतापुर
143–धनीराम वर्मा, श्री इटावा
144–धर्मज्ञ मिश्र, श्री हरदोई
145–धर्मपाल, श्री बहराइच
146–धर्मपाल, श्री बुलन्दशहर
147–धर्मवीर सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
148–नकली सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
149–नजमुद्दीन, श्री इलाहाबाद

150–नरेन्द्र पाल सिंह, श्री बरेली
151–नरेन्द्र सिंह भाटी, श्री बुलन्दशहर
152–नरेन्द्र सिंह, श्री मेरठ
153–नरेन्द्र सिंह भण्डारी, श्री गढ़वाल
154–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री हरदोई
155–नरेश चन्द्र उत्तम, श्री फतेहपुर
156–नारायण दत्त तिवारी, श्री नैनीताल
157–नियाज हसन, श्री प्रतापगढ़
158–निरवेन्द्र कुमार, श्री खीरी
159–निहाला सिंह, श्री वाराणसी
160–नेमपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
161–पंचानन राय, श्री आजमगढ़
162–पद्मा सेठ, श्रीमती सीतापुर
163–परमाई लाल, श्री हरदोई
164–परवेज हलीम खान, श्री मेरठ
165–प्रागी लाल अहिरवार, श्री झांसी
166–पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
167–पुर्णवासी, श्री देवरिया
168–पुष्पा देवी, श्रीमती बदायूं
169–प्यारेलाल शंखवार, श्री कानपुर देहात
170–प्रदीप कुमार यादव, श्री बाराबंकी
171–प्रभु दयाल यादव, श्री कानपुर देहात
172–प्रभूदयाल प्रधान, श्री मेरठ
173–प्रमोद कुमार, श्री प्रतापगढ़
174–प्रवीण सिंह एरेन, श्री बरेली
175–प्रेम प्रकाश उर्फ जिप्पी तिवारी, श्री सिद्धार्थनगर
176–प्रेमवती तिवारी, श्रीमती लखनऊ
177–फकीरे लाल वर्मा, श्री फर्रुखाबाद
178–फौजदार प्रसाद, श्री मऊ
179–बंशीधर, श्री रामपुर
180–बदन सिंह, श्री आगरा
181–बरफिया लाल जुवांठा, श्री उत्तर काशी
182–बलराम यादव, श्री आजमगढ़
183–बलबीर सिंह, श्री टिहरी गढ़वाल
184–बल्देव सिंह, श्री बिजनौर
185–बसन्त लाल गुप्ता, श्री लखनऊ
186–बहादुर सिंह, श्री आगरा
187–बाबूराम यादव, श्री मैनपुरी
188–बाबूलाल, श्री हमीरपुर
189–बाबूलाल सरोज, श्री प्रतापगढ़
190–बाबू सिंह यादव, श्री अलीगढ़
191–बालचन्द्र मिश्रा, श्री कानपुर
192–बृजभूषण मणि त्रिपाठी, डा0 फैजाबाद
193–बृजेन्द्र सिंह, श्री अलीगढ़
194–बेनी प्रसाद वर्मा, श्री बाराबंकी
195–ब्रह्मा शंकर तिवारी, श्री देवरिया
196–भगवानदीन कुशवाहा, श्री कानपुर
197–भगवान सिंह शाक्य, श्री बदायूं
198–भारत सिंह रावत, श्री गढ़वाल
199–भूधर नारायण मिश्र, श्री कानपुर
200–भूपेन्द्र नाथ शर्मा, श्री बरेली
201–भोपाल सिंह, श्री मेरठ
202–भोला पाण्डेय, श्री बलिया
203–भोला सिंह, श्री इलाहाबाद
204–मंजूर अहमद, श्री बरेली
205–मंत्री प्रसाद नैथानी, श्री टिहरी गढ़वाल
206–मण्डलेश्वर सिंह, श्री आगरा
207–मदन गोविन्द राव, श्री देवरिया
208–मनोहर लाल, श्री उन्नाव
209–मयंकर सिंह, श्री बहराइच
210–मस्तराम, श्री उन्नाव
211–महाराज सिंह यादव, श्री इटावा
212–महावीर, श्री मुजफ्फरनगर
213–महावीर सिंह राणा श्री सहारनपुर
214–महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री इलाहाबाद
215–महेन्द्र सिंह, श्री पिथौरागढ़
216–महेन्द्र सिंह भाटी, श्री गाजियाबाद
217–माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
218–माधव, श्री एटा
219–मारकण्डेय चन्द्र, श्री गोरखपुर
220–मास्टर कुंवर पाल, श्री सहारनपुर
221–मिठाई लाल शास्त्री, श्री गोरखपुर
222–मीर मजहर अली उर्फ नन्हे मियां, श्री बदायूं
223–मुंशी लाल, श्री इटावा
224–मुईद अहमद, श्री सुल्तानपुर

225–मुक्तिनाथ, श्री देवरिया
226–मुख्तार अनीस, श्री सीतापुर
227–मुरलीधर मुनीम, श्री गोण्डा
228–मुलायम सिंह यादव, श्री इटावा
229–मुहम्मद सईद 'भ्रमर' श्री सिद्धार्थनगर
230–मुस्तमन्द अली खां, श्री मथुरा
231–मूलचंद श्री वाराणसी
232–मोतीलाल देहलवी, श्री कानपुर देहात
233–मोबीन अहमद आजमी, श्री मऊ
234–मोहम्मद असलम खां, श्री सहारनपुर
235–मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
236–मोहम्मद उल्लाह, श्री मुरादाबाद
237–मोहम्मद रिजवानुल हक, श्री मुरादाबाद
238–मो0 हयात, श्री मुरादाबाद
239–यदुनाथ सिंह, श्री मिर्जापुर
240–यशपाल, श्री नैनीताल
241–यशवंत, श्री आजमगढ़
242–युवराज सिंह, श्री हमीरपुर
243–योगेन्द्र कुमार, श्री बदायूं
244–रघुनाथ सिंह वर्मा पटेल, श्री फिरोजाबाद
245–रघुराज प्रसाद उपाध्याय, श्री गोण्डा
246–रघुवर दयाल वर्मा, श्री फिरोजाबाद
247–रणजीत सिंह, श्री देहरादून
248–रणजीत सिंह जूदेव, श्री झांसी
249–रतनलाल अहिरवार, श्री झांसी
250–रतनलाल उर्फ दीना, श्री बाराबंकी
251–रमाकान्त यादव, श्री आजमगढ़
252–रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
253–रमेश करन, श्री अलीगढ़
254–रविकान्त गर्ग, श्री मथुरा
255–रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
256–रवीन्द्र कुमार सिंह, श्री गाजीपुर
257–रवीन्द्र नाथ तिवारी, श्री फैजाबाद
258–रवीन्द्र राघव उर्फ पप्पन, श्री बुलन्दशहर
259–रवीन्द्र शुक्ल, श्री झांसी
260–रवीन्द्र सिंह चौहान, श्री इटावा
261–राकेश कुमार पालीवाल, श्री फिरोजाबाद
262–राकेश धर त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
263–राजकिशोर सिंह, श्री वाराणसी
264–राजधारी, श्री बलिया
265–राजनाथ सोनकर शास्त्री, श्री गाजीपुर
266–राजपति, श्री जौनपुर
267–राजपती देवी, श्रीमती, सुल्तानपुर
268–राजपाल त्यागी, श्री गाजियाबाद
269–राजमणि पाण्डेय, श्री बस्ती
270–राजा मो0 अमीर मोहम्मद खां, श्री सीतापुर
271–राजित प्रसाद यादव, श्री वाराणसी
272–राजीव कुमार सिंह, श्री बाराबंकी
273–राजेन्द्र कुमार गुप्त, श्री सीतापुर
274–राजेन्द्र त्रिपाठी, श्री इलाहाबाद
275–राजेन्द्र सिंह, श्री हमीरपुर
276–राजेश्वर बंसल, श्री मुजफ्फरनगर
277–राधेश्याम भारतीय, श्री इलाहाबाद
278–रामआसरे अग्निहोत्री, श्री कानपुर
279–राम आसरे पासवान, श्री बस्ती
280–राम औतार दीक्षित, श्री हरदोई
281–राम औतार मिश्र, श्री शाहजहांपुर
282–रामकरन आर्य, श्री बस्ती
283–रामकुमार, श्री खीरी
284–राम कुमार शुक्ल, श्री लखनऊ
285–राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
286–राम चन्द्र बख्श सिंह, श्री बाराबंकी
287–राम छबीला, श्री देवरिया
288–राम तेज, श्री बहराइच
289–राम दुलारे सिंह, श्री इलाहाबाद
290–रामधनी, श्री गाजीपुर
291–रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
292–रामपाल सिंह, एडवोकेट गोण्डा
293–राम प्रसाद देशमुख, श्री अलीगढ़
294–राम प्रसाद सिंह, श्री बांदा
295–राम बक्श वर्मा, श्री फर्रुखाबाद
296–राम बचन, श्री आजमगढ़
297–राम बचन धुसिया, श्री बलिया
298–राम मूरती सिंह, श्री शाहजहांपुर
299–रामरति बिन्द, श्री वाराणसी
300–राम लखन यादव, श्री प्रतापगढ़

301–राम लखन वर्मा, श्री फैजाबाद
302–राम ललित, श्री बस्ती
303–राम बिशुन आजाद, श्री गोण्डा
304–राम शरण दास, श्री सहारनपुर
305–राम सरन सिंह, श्री अलीगढ़
306–राम सिंह सैनी, श्री हरिद्वार
307–राम सेवक, श्री सुल्तानपुर
308–राम सेवक सिंह, श्री बदायूं
309–राम स्वरूप वर्मा, श्री कानपुर
310–रामेश्वर दयाल बाल्मीकी, श्री मैनपुरी
311–रामेश्वरी, श्रीमती बिजनौर
312–राय लक्ष्मी नारायण सिंह, श्री जौनपुर
313–रिछपाल सिंह बंसल, श्री मेरठ
314–रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू, श्री गोण्डा
315–रिफाकत हुसैन, श्री मुरादाबाद
316–रियाज अहमद, श्री पीलीभीत
317–रुद्र प्रसाद, श्री मिर्जापुर
318–रेशमा आरिफ, श्रीमती कानपुर
319–लक्ष्मी कान्त बाजपेयी, श्री मेरठ
320–लटूरी सिंह, श्री एटा
321–लालझारी देवी, श्रीमती देवरिया
322–लालता प्रसाद यादव, श्री जौनपुर
323–विक्रमादित्य, श्री बलिया
324–विजय लक्ष्मी, श्रीमती बलिया
325–विजय सिंह, श्री सोनभद्र
326–विजय सिंह राणा, श्री आगरा
327–विनोद कुमार चौधरी, श्री लखनऊ
328–विपिन बिहारी, श्री हरदोई
329–विमल प्रसाद तिवारी, श्री फर्रुखाबाद
330–विमला राकेश, श्रीमती सहारनपुर
331–विशुन दयाल, श्री बहराइच
332–विश्राम दास, श्री इलाहाबाद
333–विश्वनाथ सिंह, श्री देवरिया
334–वीर अभिमन्यु सिंह, श्री फतेहपुर
335–वीरेन्द्र कुमार चौधरी, श्री सीतापुर
336–वीरेन्द्र नाथ दीक्षित, श्री कानपुर
337–वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री एटा
338–वीरेन्द्र सिंह, श्री गाजीपुर
339–वीरेन्द्र सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
340–वीरेन्द्र सिंह, श्री सहारनपुर
341–वीरेन्द्र सिंह, श्री हरिद्वार
342–शतरुद्र प्रकाश, श्री वाराणसी
343–शफीकुर्रहमान बर्क, श्री मुरादाबाद
344–शमी (शमीम) अहमद खां, डा0 मुरादाबाद
345–शमेन्द्र त्यागी, श्री मुरादाबाद
346–शशि मित्तल, श्रीमती मेरठ
347–शारदा देवी, श्रीमती गोरखपुर
348–शारदानन्द अंचल, श्री बलिया
349–शारदा प्रसाद रावत, श्री गोरखपुर
350–शारदा प्रताप शुक्ल, श्री लखनऊ
351–शिवकरन सिंह, श्री बाराबंकी
352–शिव कुमार बेरिया, श्री कानपुर
353–शिव दर्शन, श्री रायबरेली
354–शिव प्रताप शुक्ल, श्री गोरखपुर
355–शिव बहादुर सक्सेना, श्री रामपुर
356–शिव बालक पासी, श्री रायबरेली
357–शिवराज सिंह चौहान, श्री मैनपुरी
358–शिवराम सिंह कुशवाहा, श्री जालौन
359–शिवानन्द नौटियाल, डा0 चमोली
360–शैलेन्द्र कुमार, श्री इलाहाबाद
361–श्याम देव राय चौधरी दादा, श्री वाराणसी
362–श्याम नारायण, श्री महाराजगंज
363–श्याम बिहारी सिंह, श्री बरेली
364–श्याम लाल रावत, श्री सीतापुर
365–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
366–श्रीप्रकाश उर्फ ज्ञानू, श्री आजमगढ़
367–श्री राम चौहान, श्री बस्ती
368–संगम लाल शुक्ला, श्री प्रतापगढ़
369–संत बख्श रावत, श्री लखनऊ
370–संत श्रीराम द्विवेदी, श्री फैजाबाद
371–सन्तोष कुमारी पाठक, श्रीमती बदायूं
372–सच्चिदानन्द बाजपेयी, श्री उन्नाव
373–सत्य प्रकाश विकल, श्री आगरा
374–सत्य प्रकाश सोनकर, श्री वाराणसी
375–सन्नू लाल, श्री पीलीभीत
376–समीउल्ला, श्री गोण्डा

377–सरजीत सिंह डंग, डा0 मिर्जापुर
378–सरदार सिंह, श्री मथुरा
379–सरस्वती तिवारी, श्रीमती अल्मोड़ा
380–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री खीरी
381–सर्वराज सिंह, कुंवर बरेली
382–सावित्री देवी, श्रीमती जौनपुर
383–साहब सिंह, श्री मेरठ
384–सिया दुलारी, श्रीमती बांदा
385–सियाराम सागर, डा0 बरेली
386–सुखदा मिश्रा, श्रीमती इटावा
387–सुखवीर सिंह, श्री बिजनौर
388–सुखवीर सिंह गहलौत, श्री गाजियाबाद
389–सुन्दर लाल, श्री उन्नाव
390–सुन्दर लाल, श्री बाराबंकी
391–सुबाष, श्री मऊ
392–सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी, श्री गाजियाबाद
393–सुरेन्द्र कुमार दुबे, श्री हरदोई
394–सुरेन्द्र पाल वर्मा, डा0 बांदा
395–सुरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, श्री बस्ती
396–सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
397–सुरेन्द्र सिंह चौहान, श्री अलीगढ़
398–सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
399–सुरेश चन्द्र सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
400–सुरेश प्रताप सिंह गांधी, श्री अलीगढ़
401–सुरेश यादव, श्री इटावरिया
402–शेख मोहम्मद सुलेमान, श्री बिजनौर
403–सूर्यभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
404–सैय्यद लियाकत हुसैन, श्री फतेहपुर
405–सोमांश प्रकाश, श्री मुजफ्फरनगर
406–स्वामी नाथ, श्री देवरिया
407–हनुमन्त सिंह, श्री गोण्डा
408–हरदेव सिंह, श्री बाराबंकी
409–हरद्वार दुबे, एडवोकेट आगरा
410–हर नारायन, श्री पीलीभीत
411–हर नारायण सिंह, श्री रायबरेली
412–हर फूल सिंह, श्री सहारनपुर
413–हरवंश सहाय, श्री देवरिया
414–हरी किशन, श्री कानपुर देहात
415–हरिचरन यादव, श्री सुल्तानपुर
416–हरिवंश कपूर, श्री देहरादून
417–हरि शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
418–हरीश कुमार गंगवार, श्री पीलीभीत
419–हरेन्द्र सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
420–हाजी मो0 वसीम, श्री रायबरेली
421–हृदय नारायण, श्री उन्नाव
422–होशियार, श्री बुलन्दशहर

Parliament

राज्यपाल

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी

मंत्रि-परिषद्

1	श्री मुलायम सिंह यादव	मुख्य मंत्री एवं प्रभारी सामान्य प्रशासन, प्राविधिक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योग, नागरिक उड्डयन, वित्त, सांस्कृतिक कार्य, सूचना, पूर्त धर्मस्व, उद्योग, गृह, ऊर्जा, दुग्ध विकास, पशुधन, मत्स्य, कृषि, सार्वजनिक उद्योग ब्यूरो, संस्थागत वित्त, आवास, न्याय एवं विधायिका, सहकारिता, परिवहन, पर्यटन।
2	श्री रेवती रमण सिंह	सिंचाई एवं लघु उद्योग तथा पर्यावरण मंत्री।
3	श्री बेनी प्रसाद वर्मा	सार्वजनिक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी मन्त्री।
4	श्री राम शरण दास	गन्ना विकास एवं राजस्व मंत्री।
5	श्री सच्चिदानन्द बाजपेयी	शिक्षा एवं युवा कल्याण मंत्री।
6	श्री मुख्तार अनीस	जन-स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री।
7	श्रीमती सुखदा मिश्रा	ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज मन्त्री।
8	श्री अवधेश प्रसाद	हरिजन एवं समाज कल्याण मंत्री।
9	श्री दिवाकर विक्रम सिंह	खाद्य तथा रसद मंत्री।
10	श्री मोहम्मद आजम खां	श्रम एवं मुस्लिम वक्फ मंत्री।
11	श्री विक्रमादित्य पाण्डे	नगर विकास मंत्री।
12	श्री बरफिया लाल जुबांठा	पर्वतीय विकास मंत्री।
13	श्री मोहम्मद असलम खां	वन एवं खेल-कूद मंत्री।
14	श्री शतरुद्र प्रकाश	नियोजन एवं कारागार मंत्री।

नेता विरोधी दल

श्री नारायण दत्त तिवारी .. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री हरी किशन

उपाध्यक्ष

श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान

अधिष्ठाता मण्डल

श्री सन्त बख्श रावत	सदस्य, विधान सभा
श्री राजेन्द्र त्रिपाठी	,, ,,
श्री बाबू राम यादव	,, ,,
श्री सैय्यद लियाकत हुसैन	,, ,,
श्री नरेन्द्र सिंह	,, ,,
चौधरी शंकर सिंह	,, ,,
श्री ऊदल	,, ,,
डा० शिवानन्द नौटियाल	,, ,,
श्री ईश्वर शरण विद्यार्थी	,, ,,
श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त	,, ,,

सचिव

श्री माल चन्द्र शुक्ल

विधान सभा उत्तराखण्ड

उत्तर प्रदेश विधान सभा

बृहस्पतिवार, दिनांक 14 जून, 1990

विधान सभा की बैठक, सभा मण्डप, लखनऊ में 11 बजे दिन में उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे :—

अख्तर, श्री	गाजियाबाद	बाबूलाल श्री	हमीरपुर
अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला	गोण्डा	मण्डलेश्वर, श्री	आगरा
मइया, श्री		महेन्द्र सिंह, श्री	पिथौरागढ़
अमर मणि, त्रिपाठी श्री	महाराजगंज	मास्टर कंवर पाल, श्री	सहारनपुर
अरिदमन सिंह, श्री	आगरा	मोहम्मद असलम खां, श्री	सहारनपुर
अरुण, कुंवर	फैजाबाद	मोहम्मद उल्लाह, श्री	मुरादाबाद
ईश्वर शरण विद्यार्थी, श्री	इलाहाबाद	मो0 हयात, श्री	मुरादाबाद
करन चन्द्र सिंह, श्री	नैनीताल	राजपाल त्यागी, श्री	गाजियाबाद
करन सिंह, श्री	मुरादाबाद	राजा मो0 अमीर मोहम्मद खां	सीतापुर
काशी सिंह ऐरी, श्री	पिथौरागढ़	रियाज अहमद, श्री	पीलीभीत
किरन पाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर	रेशमा आरिफ, श्रीमती	कानपुर
गंगाराम, श्री	बुलन्दशहर	विक्रमादित्य, श्री	बलिया
गोपीनाथ वर्मा, श्री	फैजाबाद	विजय सिंह राणा, श्री	आगरा
चन्दमणि कान्त सिंह, श्री	बहराइच	विमला राकेश, श्रीमती	सहारनपुर
चन्दविजय सिंह, श्री	मुरादाबाद	वीर अभिमन्यु सिंह, श्री	फतेहपुर
चन्द्र शेखर सिंह, श्री	वाराणसी	वीरेन्द नाथ दीक्षित, श्री	कानपुर
जगमोहन सिंह यादव, श्री	मैनपुरी	वीरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर	शतरुद्र प्रकाश, श्री	वाराणसी
जसवन्त सिंह विष्ट, श्री	अल्मोड़ा	सच्चिदानन्द बाजपेयी, श्री	उन्नाव
जी0एस0 विनोद, श्री	मुजफ्फरनगर	समीउल्ला, श्री	गोण्डा
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई	सुखदा मिश्रा, श्रीमती	इटावा
नारायणदत्ततिवारी, श्री	नैनीताल	सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी, श्री	गाजियाबाद
प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़	सुरेन्द्र सिंह, श्री	बिजनौर
प्रवीण सिंह ऐरन, श्री	बरेली	हरेन्द्र सिंह मलिक, श्री	मुजफ्फरनगर
बरफिया लाल जुवाठा, श्री	उत्तर काशी		

सत्यमेव जयते

प्रश्नोत्तर

बृहस्पतिवार, दिनांक 14 जून, 1990

तारांकित प्रश्न

*1—श्री राम स्वरूप वर्मा—

[विभिन्न विभागों से सम्बन्धित होने के कारण निरस्त]

जनपद मथुरा में खारे पानी की समस्या एवं सिंचाई हेतु मांट शाखा एवं आगरा नहर प्रणाली में पानी की मात्रा बढ़ाने हेतु योजनाएं

*2—श्री सरदार सिंह—

क्या सरकार को जानकारी है कि जनपद मथुरा में भू-गर्भ जल खारा है और नहर से सिंचाई की सुविधायें अपर्याप्त हैं ? यदि हां, तो शासन खारे पानी की समस्या एवं जिले के पिछड़ेपन को देखते हुए सिंचाई हेतु कौन-कौन से उपाय कर रहा है ? यदि नहीं, तो क्यों? क्या सरकार रबी एवं खरीफ की फसल के लिए मांट ब्रान्च गंगा नहर के पानी का प्रतिशत बढ़ायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

सिंचाई एवं उद्योग मंत्री (श्री रेवती रमण सिंह)—

जी हां । जनपद मथुरा के कुछ भाग में भूगर्भ जल सामान्यतया खारी है । वर्तमान में जनपद मथुरा में ऊपरी गंगा नहर प्रणाली की मांट शाखा नहर से एवं आगरा नहर प्रणाली से सिंचाई सुविधा उपलब्ध है ।

जनपद मथुरा में अतिरिक्त जल उपलब्ध हेतु मांट शाखा एवं आगरा नहर प्रणाली में पानी की मात्रा बढ़ाने हेतु निम्न योजनाएं कार्यान्वित हैं :—

1—ऊपरी गंगा नहर का आधुनिकीकरण/विश्व बैंक

इस योजना के अन्तर्गत ऊपरी गंगा नहर के अन्दर लाईनिंग किया जाना प्रस्तावित है । लाईनिंग होने के फलस्वरूप सीपेज से जल हानि की बचत होगी तथा इस प्रकार उपलब्ध अतिरिक्त पानी फसल रबी हेतु माट शाखा में भी उपलब्ध कराया जा सकेगा ।

2—टिहरी बांध परियोजना

उक्त योजना के पूर्ण होने पर रबी व गन्ना की फसल में आगरा नहर में 0-043 मि0 है0 मी0 अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा ।

3—मध्य गंगा नहर परियोजना

मध्य गंगा नहर परियोजना से मांट शाखा के मील 46 में खरीफ में 570 क्यूसेक्स अतिरिक्त पानी देने का प्राविधान है ।

4—आगरा नहर प्रणाली का आधुनिकीकरण

इस योजना के अन्तर्गत आगरा नहर की वर्तमान क्षमता को 2200 क्यू-सेक्स से बढ़ाकर 4000 क्यूसेक्स किया जाना प्रस्तावित है जिससे कि वर्षा काल में उपलब्ध पानी को आगरा नहर में चलाकर धान की फसल की वृद्धि हेतु उपयोग में लाया जा सके । इस हेतु यमुना नदी पर ओखला में ओखला बैराज का निर्माण कर लिया गया है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

खरीफ की फसल हेतु मांट ब्रांच में पानी का प्रतिशत बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है । रबी की फसल हेतु पानी का प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव परीक्षण में है । प्रस्ताव पर अन्तिम निर्णय हो जाने पर ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी ।

प्रश्न नहीं उठता ।

जनपद मिर्जापुर में रिहन्द बांध के चारों ओर स्थापित फैक्टरियों के कारण जल प्रदूषण की समस्या एवं प्रदूषण निवारण हेतु व्यवस्था

*3—श्री विजय सिंह—

क्या पर्यावरण मंत्री कृपया बतायेंगे कि जनपद मिर्जापुर में रिहन्द बांध जलाशय के चारों ओर स्थापित फैक्टरियों कनौरिया केमिकल्स रेनुकूट, अनपरा तापीय परियोजना रेनुसागर, पावर कम्पनी वृहत तापीय परियोजना जयनगर और वृहत तापीय परियोजना रिहन्द नगर का दूषित जल एवं राख मिला पानी प्रवाहित करने से रिहन्द जलाशय तथा उनकी चिमनियों से उड़ने वाले धूएं से दक्षिणांचल का सारा वातावरण प्रदूषित हो रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार इस भयंकर प्रदूषण की रोकथाम के लिए उपाय कर रही है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

अनपरा तापीय परियोजना द्वारा जल प्रदूषण की रोकथाम को समुचित व्यवस्था न किये जाने के कारण जल प्रदूषण की समस्या विद्यमान है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उक्त इकाई को समुचित जल शुद्धीकरण व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश दिये गये हैं ।

वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु उक्त इकाई द्वारा ई0 एस0 पी0 की व्यवस्था की गयी है ।

शेष उद्योगों द्वारा जल एवं वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु समुचित व्यवस्था की गयी है ।

श्री राम सजीवन, सांसद, बांदा का जनपद के ब्लाक नरैनी में रीसन बांध के निर्माण के संबंध में पत्र

*4—श्री सुरेन्द्र पाल वर्मा—

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि श्री राम सजीवन, सांसद, बांदा का दिनांक 16-4-90 का पत्र बांदा जनपद के ब्लाक नरैनी में असिंचित क्षेत्र को ध्यान में रख-

कर रसिन बांध के निर्माण के संबंध में उनको प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो क्या उक्त बांध निर्माण को इसी पंचवर्षीय योजना में शामिल कर धन आवंटन करके उसका निर्माण कराया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

रसिन बांध परियोजना अष्टम् पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित है, परन्तु वित्तीय वर्ष 90-91 में कोई धन आवंटन नहीं है । परियोजना स्वीकृत हो जाने एवं तत्पश्चात धन आवंटन हो जाने पर निर्माण कार्य शुरू किया जा सकेगा ।

प्रदेश सरकार द्वारा वर्ग-3 और वर्ग-4 की नयी नियुक्तियों पर पूरी तरह पाबन्दी लगाने के बाद चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में नियुक्ति

*5–श्री रवीन्द्र नाथ तिवारी–

क्या सरकार को जानकारी है कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ग-3 और वर्ग-4 की नई नियुक्तियों पर पूरी तरह से पाबन्दी लगाने के बाद भी अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, फैजाबाद मण्डल, फैजाबाद द्वारा 6 लिपिकों की अनियमित नियुक्तियां की गयी हैं ? यदि हां, तो इस प्रकार की अनियमितता पर अंकुश लगाने के लिए सरकार क्या कर रही है ?

जन-स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री (श्री मुख्तार अनीस)–

जी नहीं ।

केवल 5 लिपिकों की नई नियुक्तियां की गयी हैं जो निम्नवत है :–

1–दो मृतकों के आश्रितों की नियुक्तियां की गयी है ।

2–एक चतुर्थ श्रेणी को पदोन्नति/समायोजन से

3–दो नई नियुक्तियां सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों से ।

अनियमित नियुक्तियां किए जाने के सम्बन्ध में विभागीय कार्यवाही पृथक से की जायेगी ।

जनपद फिरोजाबाद की तहसील फिरोजाबाद में जमुना नदी के बहाव के कारण तथाकथित गांवों की आबादी को खतरा एवं बचाव हेतु जमुना नदी के किनारों पर बन्धा बनाने की कार्यवाही

*6–श्री रघुवर दयाल शर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री को जानकारी है कि जनपद फिरोजाबाद की तहसील फिरोजाबाद में जमुना नदी के बहाव और पानी की तेज गति के कटाव के कारण चंदवार, उस्मानपुर, भलीपट्टी नं0 1, 2, 3, रामदासपुरा, आबादीपुर महुआ, कोडरा (जलालपुर) फरोज नगरिया गांवों की आबादी को खतरा पैदा हो गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार आबादी को बचाने के लिए कटाव को रोकने हेतु जमुना नदी के किनारों पर बन्धा बनाने की कार्यवाही करेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां । जमुना नदी के बहाव और तेज गति से कटाव के कारण चंदवार, उस्मानपुर, भली पट्टी नं0 1, 2, 3 रामदासपुर, आनन्दीपुर करकौली, महुआ, कोड़रा (जलालपुर), फरेजे नगरिया ग्रामों की आबादी को खतरा बना हुआ है । व्यवहारिक रूप से किसी नदी की कटान को रोकने में काफी धन की आवश्यकता होती है तथा उक्त योजनाओं के क्रियान्वयन के पश्चात् प्रत्येक वर्ष रख रखाव में काफी लागत आती है । इन मामलों में शासन की नीति यह है कि ऐसे आबादी को अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर बसाया जाय ।

प्रश्नगत स्थान पर जमुना नदी के किनारों पर बांध बनाने की फिलहाल कोई योजना नहीं है ।

लखनऊ जनपद स्थित सरकारी अस्पतालों/सम्भागीय कार्यालयों में वरिष्ठ सहायकों/ लिपिकों की प्रोन्नति होने तथा) स्थानान्तरण होने के पश्चात कार्यरत रहने की शिकायत एवं स्थानान्तरण की मांग

*7—श्री दुर्गा प्रसाद यादव—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ जनपद स्थित सरकारी अस्पतालों/सम्भागीय कार्यालयों में कितने ऐसे वरिष्ठ सहायक/वरिष्ठ लिपिक हैं जो प्रोन्नति पाने के पश्चात भी उसी स्थान/जनपद में तैनात हैं ? क्या यह भी सही है कि कुछ ऐसे भी लिपिक हैं जो लखनऊ जनपद से स्थानान्तरित हो जाने के बावजूद भी बिना किसी रिक्त पद के सचिव चिकित्सा के निर्देशों के विरुद्ध उसी चिकित्सालय/कार्यालय में कार्यरत हैं/सम्बद्ध हैं तथा उनकी कुल सेवायें लखनऊ जनपद में ही 15 वर्ष या इससे भी अधिक हो गयी हैं ? यदि हां, तो क्या स्वास्थ्य मंत्री जी तत्काल ऐसे लिपिकों का स्थानान्तरण लखनऊ जनपद से अन्य जनपद में करेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

बी0एच0एम0एस0, एम0बी0बी0एस0, बी0डी0एस0 बी0ए0एम0एस0 तथा यू0 एम0 एस0 डिग्री पाठ्यक्रम के इन्टर्नस भत्ते में एक रूपता किये जाने के संबंध में कार्यवाही

*8—श्री शिव कुमार बेरिया—

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि बी0एच0एम0एस0, एम0बी0बी0एस0, बी0 डी0एस0, बी0ए0एम0एस0 तथा बी0यू0एम0 एस0 डिग्री पाठ्यक्रम के इन्टर्नस इन्टर्नशिप भत्ते में एक रूपता किये जाने के संबंध में होम्योपैथिक छात्रों एवं इन्टर्न का पत्र सं0 1/ इन्टर्नशिप भत्ता दिनांक 1-2-89 एवं अनुस्मारक पत्र सं0 11/इन्टर्नशिप भत्ता दिनांक 25-8-89 प्राप्त हुआ है? क्या इस सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता विधायक का भी पत्र दिनांक 13-1-90 प्राप्त हुआ है? यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या कार्यवाही की गयी? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस-

जी हां । प्रकरण मुख्य सचिव समिति, को विसंगति के निराकरण हेतु संदर्भित है । समिति की संस्तुति के अनुरूप कार्यवाही की जाएगी ।

गंगा, यमुना, गोमती तथा वरुणा नदियों के प्रदूषित जल के शुद्धीकरण के लिये योजना बनाये जाने की मांग

*9–श्री रविदास मेहरोत्रा–

क्या मुख्य मंत्री को यह जानकारी है कि अत्यधिक प्रदूषण के कारण गंगा, यमुना, गोमती तथा वरुणा नदियों का जल जहरीला हो गया है? यदि हां, तो इस प्रदूषण को रोकने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है? यदि नहीं, तो क्यों? क्या मुख्य मंत्री को यह भी जानकारी है कि गोमती नदी के पानी में कैंसर के तत्व पाये जाने की रिपोर्ट प्राप्त हुयी है? यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की? क्या मुख्य मंत्री जी इन नदियों के शुद्धीकरण के लिये व्यापक योजना बनायेंगे? यदि हां, तो कब तक? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रेवती रमण सिंह–

गंगा, यमुना एवं गोमती नदियों की जलगुणता अनुश्रवण का कार्य विभिन्न स्थानों पर नदी का पानी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया है ।

वरुणा नदी के जल गुणता अनुश्रवण कार्य वर्तमान में नहीं किया जा रहा है । इन नदियों में अपना प्रदूषित उत्प्रवाह निस्तारित करने वाले 165 उद्योगों के विरुद्ध अभियोजनात्मक कार्यवाही की गयी है । गोमती के जल में कैंसर के तत्व पाये जाने की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुयी है । वर्तमान में इन नदियों के जल शुद्धीकरण की व्यापक योजना विचाराधीन नहीं है ।

जनपद अलीगढ़ में बड़े पैमाने पर की गयी फर्जी नसबन्दी की रिपोर्ट एवं दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही

*10–श्री कल्यान सिंह–

क्या सरकार कृपया बतायेगी कि जनपद अलीगढ़ में बड़े पैमाने पर की गयी फर्जी नसबन्दी की रिपोर्ट जिलाधिकारी अलीगढ़ के पत्र सं0 2175/एस0 टी0/बीस सूत्रीय कार्यक्रम दिनांक 26 जून, 1989 के द्वारा शासन को प्राप्त हो गयी है? यदि हां, तो कब और उसकी जांच रिपोर्ट क्या है? इन फर्जी नसबन्दियों के लिये कौन-कौन अधिकारी एवं कर्मचारी दोषी है तथा सरकार ने अब तक उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की है?

श्री मुख्तार अनीस–

जी नहीं । इस पत्रांक एवं तिथि का पत्र शासन को प्राप्त हुआ प्रतीत नहीं होता है । संदर्भित विषय से संबंधित जिला अधिकारी, अलीगढ़ का पत्रांक 2435/एसटी/फाइल, दिनांक 25-12-89 शासन को दिनांक 8-1-90 को प्राप्त हुआ है । पत्र से संलग्न जांच आख्या के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खैर जिला अलीगढ़ में वर्ष 1988-89 में की गई 709 नसबन्दियों में से केवल 354 नसबन्दियां नियमानुसार पाई गई तथा 344 गलत रिपोर्ट की गयी पाई गई एवं 11 आपरेशन अपात्र व्यक्तियों के कराये गये पाए गए । जिलाधिकारी, अलीगढ़ की रिपोर्ट का परीक्षण किया जा रहा है । परीक्षणोपरान्त दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जाएगी ।

प्रदेश में सीमेन्ट के मूल्यों में अत्यधिक वृद्धि के कारण

*11–श्री मयंकर सिंह–

क्या खाद्य मंत्री बतानें की कृपा करेंगे कि पूरे प्रदेश में सीमेन्ट के मूल्यों में वर्ष 1990 में अत्यधिक वृद्धि हो जाने का क्या कारण है? क्या सरकार उपभोक्ताओं को सस्ते दर पर सीमेन्ट उपलब्ध करायेगी? यदि हां, तो कब तक? यदि नहीं, तो क्यों?

खाद्य एवं रसद मंत्री (श्री दिवाकर विक्रम सिंह)–

प्रदेश में मार्च एवं अप्रैल, 1990 में सीमेन्ट के मूल्य में अत्यधिक वृद्धि हुई । राज्य स्तर पर इसकी समीक्षा करने से यह आभास मिलता है कि तत्कालीन केन्द्रीय सरकार द्वारा सीमेन्ट के मूल्य एवं वितरण से नियंत्रण हटा लेने के कारण उत्पन्न स्वतंत्र व्यापार की स्थिति एवं सीजन की बढ़ी हुई मांग को ध्यान में रखकर निर्माताओं/व्यापारियों ने मनमाने ढंग से सीमेन्ट का मूल्य बढ़ाया ।

यद्यपि 1 मार्च, 1989 से सीमेन्ट के मूल्य एवं वितरण से नियंत्रण हटा लेने के कारण राज्य सरकार का सीमेन्ट के मूल्य पर कोई नियंत्रण नहीं है फिर भी बाजार में सीमेन्ट की पर्याप्त उपलब्धता बनाये रखने के लिये राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के लिये अधिक रेक उपलब्ध कराये जाने हेतु भारत सरकार से अनुरोध किया गया है । जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिया गया है कि जिले में सीमेन्ट की आवक पर नजर रखें तथा प्रवर्तन कार्य में तीव्रता लाते हुए उ0प्र0 आवश्यक वस्तु मूल्य एवं स्टाक प्रदर्शन और संभरण और वितरण पर नियंत्रण आदेश, 1977 का प्रभावी अनुपालन करायें । निर्माण कार्यों से संबन्धित विभागों को भी निर्देश दिये जा रहे हैं कि वे कार्यों को वर्ष के विभिन्न महीनों में लगभग समान रूप से करायें ताकि किसी भी समय सीमेन्ट की मांग अचानक बहुत अधिक न बढ़ जाय ।

राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा किये गये प्रयासों के कारण सीमेन्ट के मूल्य में गिरावट की प्रवृत्ति आई है । उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर सीमेन्ट मिले, इसके लिये आवश्यक व्यवस्था हेतु राज्य सरकार, केन्द्र सरकार से सम्पर्क साध हुए है ।

जनपद रामपुर में कोसी नदी में काशीपुर की इण्डिया ग्लाईकोल लिमिटेड फैक्टरी द्वारा प्रदूषित पानी डाल दिया जाना

*12–श्री शिव बहादुर सक्सेना

क्या सरकार बताने की कृपा करेगी कि जनपद रामपुर में कोसी नदी में काशीपुर की इण्डिया ग्लाईकोल लिमिटेड, फैक्टरी ने अपना प्रदूषित पानी डाल दिया है, जिससे निकलने वाली चारों सिंचाई की नहरों का पानी प्रदूषित हो गया है और खेतों में फसलें जल कर सूख रही हैं? क्या सरकार ने इस प्रदूषण को बन्द करने का उपाय किया है? यदि हां, तो कब ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

मेसर्स इण्डिया ग्लाइकोल लि0 द्वारा उत्प्रवाह शुद्धिकरण संयंत्र की स्थापना कर ली गयी है । उद्योग द्वारा शुद्धिकृत उत्प्रवाह कोसी नदी में निस्तारित किया जा रहा है जो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों में से अधिक है । बोर्ड द्वारा उद्योग को मार्च 1990 से सशर्त जल सहमति इस निर्देश के साथ दी गयी है कि उद्योग अपने शुद्धिकरण व्यवस्था को सुदृढ़ करें तथा प्रभावी ढंग से चलाये जिससे उत्प्रवाह बोर्ड के मानकों के अनुरूप हो ।

उ0 प्र0 सीमेन्ट कारपोरेशन द्वारा संचालित चुर्क, डाला सीमेन्ट फैक्टरी से उड़ने वाली धूल से जन स्वास्थ्य पर प्रभाव

*13–श्री तीरथ राज–

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0प्र0 सीमेंट कारपोरेशन द्वारा संचालित चुर्क, डाला सीमेन्ट फैक्टरी से उड़ने वाली धूल के कारण जन स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है तथा उपजाऊ व कृषि भूमि की उत्पादकता भी कम हो रही है? यदि हां, तो इसे रोकने के लिए सरकार क्या व्यवस्था कर रही है?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां । वायु प्रदूषण नियंत्रण की उचित व्यवस्था न होने के कारण आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या विद्यमान है । प्रदूषण नियंत्रण हेतु समुचित व्यवस्था सीमेन्ट कारपोरेशन द्वारा समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार की जा रही है ।

जनपद गोण्डा के तहसील तरबगंज में घाघरा नदी से कटे गांव तथा उन्हें बचाने की कार्यवाही

*14–श्री रमापति शास्त्री–

क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा के तहसील तरबगंज में घाघरा नदी से 1980 से 1989 के बीच कितने गांव कटे हैं तथा उन्हें बचाने की क्या कार्यवाही की गयी? यदि नहीं, तो क्यों तथा इस पर कब तक कार्यवाही की जायेगी?

श्री रेवती रमण सिंह–

जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज में घाघरा नदी से वर्ष 1980 से 1989 की अवधि में 14 ग्राम नदी के कटान से प्रभावित हुए हैं । इन ग्रामों की कम आबादी होने तथा इनके घाघरा नदी के खादर में बसे होने के कारण नदी के कटान से बचाने हेतु कार्यवाही नहीं की गयी है ।

प्रश्न ही नहीं उठता ।

इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान की खरीद का लक्ष्य एवं लक्ष्य का आधार

*15–श्री दशरथ सिंह–

क्या खाद्य एवं रसद मंत्री कृपया बतायेंगे कि क्या यह सत्य है कि इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान की खरीद का लक्ष्य शासन ने मात्र दस लाख मैट्रिक टन ही रखा है? यदि हां, तो यह लक्ष्य तय करने का क्या आधार है? क्या यह लक्ष्य जिलावार भी निर्धारित था? यदि हां, तो क्या उस लक्ष्य के अनुसार धान की खरीद सुनिश्चित की गयी? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह–

जी नहीं । क्रय एजेन्सीवार धान खरीद का लक्ष्य केवल 1,30,000 मी0 टन रखा गया था ।

प्रश्नगत लक्ष्य धान के उत्पादन एवं क्रय एजेन्सियों द्वारा वर्ष 1988-89 में उनके द्वारा क्रय किये गये धान खरीद को देखते हुए रखा गया था ।

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

जनपद शाहजहांपुर की तहसील तिलहर के अनेक लोगों की मृत्यु एवं बीमारी के कारण

*16–श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञात है कि जनपद शाहजहांपुर की तहसील तिलहर के अनेक लोगों की माह दिसम्बर, 89 तथा जनवरी, 90 में एक विशेष बीमारी से मृत्यु हो गयी तथा अनेक व्यक्ति जनपद चिकित्सालयों में भर्ती किये गये? यदि हां, तो यह कौन सी बीमारी है तथा इसके क्या कारण है?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां, माह दिसम्बर, 1989 में जनपद शाहजहांपुर की तहसील तिलहर में एपीडेमिक ड्राप्सी नामक रोग से ग्रसित सात व्यक्तियों में से एक की मृत्यु हुई । माह जनवरी, 1990 में कोई मृत्यु इस बीमारी से जनपद शाहजहांपुर में नहीं हुई ।

माह दिसम्बर 1989 में जनपद चिकित्सालय शाहजहांपुर में कुल 17 रोगी भर्ती हुए जिनमें से 6 कस्बा कटरा तहसील तिलहर व 5 मोहल्ला नौसेरा कस्बा जलालाबाद व 6 ग्राम गुरगवां, प्रा0 स्वा0 केन्द्र जलालाबाद के निवासी थे । एक रोगी माह नवम्बर 1989 में 25-11-89 को भर्ती हुआ ।

यह ड्राप्सी नामक बीमारी है जिसका कारण भटकटैया (आर्जीमोने मैक्सीकाना) के बीज के सरसों में मिश्रण के पश्चात अपमिश्रित खाद्य तेल का सेवन है ।

वाराणसी जनपद में गंगापुर विधान सभा क्षेत्र में कम पानी देने वाले राजकीय नलकूपों के स्थान पर नये नलकूपों के पुनर्निर्माण की मांग

*17–श्री राज किशोर सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वाराणसी जनपद में गंगापुर विधान सभा नि0 क्षेत्र में प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजना में निर्मित नलकूपों की सिंचन क्षमता की जांच कराकर मानक से कम पानी देने वाले नलकूपों के स्थान पर प्राथमिकता के आधार पर नये नलकूपों के पुनछिद्रण की व्यवस्था करेंगे तथा उक्त क्षेत्र का सर्वेक्षण कराकर सिंचाई साधन विहीन गांवों में नये नलकूप निर्माण के लिए आवश्यक आदेश देंगे? यदि हां, तो कब तक ?

श्री रेवती रमण सिंह–

प्रथम एवं द्वितीय पंचवर्षीय योजनाकाल के राजकीय नलकूप जिनकी सिंचन क्षमता क्षीण हो गई है, का पुर्ननिर्माण चरणबद्ध रूप से कराने का कार्यक्रम है । वर्तमान वित्तीय वर्ष में ऐसे नलकूपों का पुनर्निर्माण जनपद योजना में इस कार्य हेतु उपलब्ध धनराशि के अनुसार कराया जा रहा है ।

नये नलकूपों का निर्माण जनपद प्लान में आवंटन होने पर तथा जिला स्तरीय समितियों द्वारा स्वीकृत होने पर लगाये जाते हैं ।

आयुर्वेदिक तथा एलोपैथिक इन्टर्न व गृह चिकित्सा की मासिक परिलब्धियों में समानता की विसंगति को दूर करने की मांग

*18—डा0 बृज भूषण मणि त्रिपाठी—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आयुर्वेदिक तथा एलोपैथिक इन्टर्न व गृह चिकित्सालय की मासिक परिलब्धियों में समानता न होने का क्या कारण है ? इस विसंगति को दूर करने हेतु शासन द्वारा क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

आयुर्वेदिक तथा एलोपैथिक इन्टर्न व गृह चिकित्सक की परिलब्धियों में समानता न होने का कारण यह है कि आयुर्वेदिक इन्टर्न व गृह चिकित्सक के परिलब्धियों के पुनरीक्षण के सम्बन्ध में समता समिति ने कोई संस्तुति नहीं दी है ? इनकी परिलब्धियों के पुनरीक्षण हेतु शासन द्वारा विचार किया जा रहा है ।

जनपद गाजियाबाद में राशन कार्ड पर प्रति यूनिट चीनी तथा मिट्टी के तेल को मात्रा कम किया जाना

*19—श्री सुरेन्द्र कुमार मुन्नी—

क्या खाद्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि गाजियाबाद जनपद के पूर्व में एक यूनिट पर एक किलो चीनी व एक राशन कार्ड पर पांच लीटर मिट्टी का तेल दिया जाता था जिसको अब घटाकर क्रमशः आठ सौ ग्राम चीनी एवं चार लीटर मिट्टी का तेल कर दिया गया है? यदि हां, तो क्यों पूर्व की भांति मंत्री जी एक यूनिट पर एक किलो चीनी व एक राशन कार्ड पर पांच लीटर मिट्टी का तेल बंटवाने की व्यवस्था करायेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

प्रदेश के सभी मैदानी जिलों में शहरी क्षेत्र में प्रति यूनिट प्रति माह एक किलो तथा ग्रामीण क्षेत्र में प्रति यूनिट प्रति माह 250 ग्राम चीनी तथा एक राशन कार्ड पर प्रति माह ग्रामीण/शहरी क्षेत्र में क्रमशः 5/10 लीटर मिट्टी तेल देने के निर्देश हैं ।

गाजियाबाद जिले में अप्रैल, 1990 से शहरी क्षेत्र में 700 ग्राम प्रति यूनिट व ग्रामीण क्षेत्र में 200 ग्राम प्रति यूनिट की दर से लेवी चीनी का वितरण कराया गया। इसके अतिरिक्त शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में समान रूप से 4 लीटर प्रति राशन कार्ड की दर से मिट्टी के तेल का वितरण कराया गया ।

जी हां, सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि वे शासन द्वारा निर्धारित राशन स्केल को कम न करें ।

प्रश्न ही नहीं उठता ।

लखवाड़ व्यासी परियोजना से प्रभावित कृषकों को मुआवजा

*20—श्री काशी सिंह ऐरी—

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि लखवाड़ व्यासी परियोजना के कारण अधिग्रहीत की गयी काश्तकारों की भूमि का मुआवजा अलग-अलग दर से दिए जाने का

क्या औचित्य है ? क्या यह सही है कि इस परियोजना के कारण विस्थापित प्रत्येक परिवार के लिए निर्धारित दो एकड़ भूमि उन्हें नहीं दी गयी है और प्रभावित परिवारों के किसी भी सदस्य को उक्त परियोजना में किसी भी प्रकार का कोई रोजगार नहीं दिया गया है ? यदि हां, तो इसका उत्तरदायित्व किसका है और निर्धारित भूमि व रोजगार दिया जाना कब तक सुनिश्चित किया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

लखवाड़ व्यासी परियोजना से प्रभावित होने वाली भूमि जिला टिहरी एवं देहरादून में आती है । अधिगृहीत भूमि के मुआवजे की दर राजस्व विभाग द्वारा निर्धारित की जाती है तथा उनके द्वारा जिला टिहरी एवं जिला देहरादून के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित की गई हैं । जिला देहरादून में प्रभावित कृषकों ने मुआवजा कम दर पर मिलने के विरुद्ध न्यायालय में वाद दायर किया है जिस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है।

यह सही है कि लखवाड़ व्यासी परियोजना से प्रभावित किसी भी विस्थापित परिवार को भूमि नहीं दी गयी है । इस परियोजना में विस्थापित परिवार को भूमि दिये जाने का कोई प्राविधान नहीं है ।

उक्त परियोजना से प्रभावित 750 परिवारों में से; परियोजना क्षेत्र में, लगभग 40 परिवार ठेकेदारी का कार्य कर रहे हैं एवं लगभग 35 परिवारों ने उसी क्षेत्र में दुकानें खोली हैं । कुछ परिवारों के सदस्य अपनी योग्यतानुसार कुशल एवं अकुशल श्रमिकों का भी कार्य कर रहे हैं । इस प्रकार प्रभावित लोगों को रोजगार मिला है । रोजगार न मिलने के लिए कोई उत्तरदायी नहीं है ।

अतारांकित प्रश्न

के0 जी मेडिकल कालेज, लखनऊ में प्रमुख अधीक्षक के कई वर्ष से रिक्त पद पर नियुक्ति की मांग

1—श्री श्याम बिहारी सिंह—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि के0 जी0 मेडिकल कालेज, लखनऊ में प्रमुख अधीक्षक का पद पिछले कई वर्षों से रिक्त है ? यदि हां, तो क्यों ? उक्त पद पर नियुक्ति कब तक कर दी जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

के0 जी0 मेडिकल कालेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय, लखनऊ में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक का पद दिनांक 22-8-88 से रिक्त है । उक्त पद के वेतनमान में अधिकारियों की कमी के कारण पद रिक्त रहा । अब उक्त वेतनमान में शासन स्तर पर गठित विभागीय चयन समिति द्वारा अधिकारियों का चयन हो चुका है अतः उक्त पद को भरने के आदेश शासन स्तर से शीघ्र निर्गत होने वाले हैं ।

किंग जार्ज मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य के विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में जांच एवं कार्यवाही

2–श्री श्याम बिहारी सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि किंग जार्ज मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य के विरुद्ध वर्ष 1989 में वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था ? क्या इसकी रिपोर्ट शासन को प्राप्त हो गई है ? यदि हां, तो जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रधानाचार्य के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

जी हां, जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रधानाचार्य से स्पष्टीकरण मांगा गया है, उत्तर प्रतीक्षित है ।

जिला झांसी के विधान सभा क्षेत्र मऊरानीपुर 330 में राजकीय नलकूपों की संख्या एवं सिंचाई सुविधा हेतु उपाय

3–श्री प्रागी लाल अहिरवार–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि जिला झांसी विधान सभा क्षेत्र मऊरानीपुर 330 में कितने राजकीय नलकूप लगवाये गये हैं उनमें कितने सही हालत में सिंचाई कर रहे हैं व कितने खराब पड़े हुए हैं ? क्या मंत्री जी यह भी बताने की कृपा करेंगे कि उक्त क्षेत्र के जिन ग्रामों में किसानों को सिंचाई की कोई सुविधा नहीं है उनमें सिंचाई सुविधा हेतु क्या उपाय किये जा रहे हैं ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जिला झांसी विधान सभा क्षेत्र मऊरानीपुर 330 में 3 राजकीय नलकूप लगवाये गये हैं, सभी राजकीय नलकूप सही हालत में हैं व सिंचाई कर रहे हैं तथा कोई भी राजकीय नलकूप खराब नहीं है ।

नलकूपों के द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है मऊरानीपुर क्षेत्र में सामान्यतः नलकूपों का निर्माण कराना संभव नहीं हो पाता क्योंकि वहां पर मानक के अनुसार डिस्चार्ज प्राप्त करने हेतु वांछित भूगर्भीय जल धारणा स्ट्रेटा प्रायः उपलब्ध नहीं हो पाता ।

प्रश्न ही नहीं उठता ।

जिला झांसी विधान सभा क्षेत्र मऊरानीपुर 330 में ग्राम धौरो में एक बांध निर्माण का सर्वे एवं उक्त बांध बनवाकर सिंचाई सुविधा की मांग

4–श्री प्रागी लाल अहिरवार–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि जिला झांसी, विधान सभा क्षेत्र मऊरानीपुर 330 में ग्राम धौरो में एक बांध निर्माण का सर्वे किया गया था ? यदि हां, तो उक्त बांध के निर्माण के संबंध में क्या निर्णय लिया गया ? क्या सरकार उक्त बांध को

बनवा कर नहर द्वारा ग्रामों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्रश्नकर्ता के क्षेत्र में रजबहों, माइनरों की पटरियों के निर्माण, पुल निर्माण, आदि के लिए धनराशि स्वीकृत किये जाने विषयक-पत्र

5—श्री किशोरी श्याम—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्न कर्ता का पत्र दि0 8-2-90 जो प्रश्नकर्ता के क्षेत्र में रजबहों तथा माइनरों की पटरियों के निर्माण, राजबहों पर पुल निर्माण तथा नालों की सफाई आदि के लिए दो करोड़ की धनराशि स्वीकृत किए जाने के संबंध में है, उनको प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो कब तक उक्त धनराशि स्वीकृत कर दी जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

सिंचाई विभाग के अन्तर्गत मुख्य अभियन्ता/अधीक्षण अभियन्ताओं तथा अधिशासी अभियन्ताओं के विरुद्ध विजीलेंस जांच

6—श्री रवीन्द्र कुमार सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कितने मुख्य अभियन्ताओं/अधीक्षण अभियन्ताओं तथा अधिशासी अभियन्ताओं के विरुद्ध विजीलेंस जांच कितने समय से चल रही है तथा जांच को अविलम्ब पूरी कराये जाने के बारे में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ? उक्त अधिकारियों में कितने अधिकारी ऐसे हैं जिनको विजीलेंस की जांच रहते हुये प्रोन्नति दी गयी है ?

श्री रेवती रमण सिंह—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

शासन की सामान्य नीति के विपरीत जनपद गाजीपुर में कार्यरत डाक्टर एवं रिक्त चल रहे पदों पर डाक्टर की नियुक्ति की मांग

7—श्री रवीन्द्र कुमार सिंह—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि शासन की सामान्य नीति के विपरीत जनपद गाजीपुर में 5 वर्ष से अधिक अवधि से कौन कौन डाक्टर किस तिथि से कार्यरत हैं तथा जनपद गाजीपुर में डाक्टरों के कितने पद किस तिथि से रिक्त चल रहे हैं और उन पर कब तक डाक्टरों की तैनाती कर दी जायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ उ0 प्र0 के पदाधिकारियों की शासन के अधिकारियों की उपस्थिति में स्वास्थ्य मंत्री के साथ हुई वार्ता

8—श्री हरि शंकर तिवारी—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ, उ0 प्र0 के पदाधिकारियों की शासन के अधिकारियों की उपस्थिति में स्वास्थ्य मंत्री के साथ 27-7-89 कोई वार्ता हुयी थी ? यदि हां, तो उक्त वार्ता में क्या-क्या निर्णय लिए गए थे ? क्या उक्त निर्णयों का परिपालन हुआ ? यदि नहीं, तो क्यों ? उक्त निर्णयों का कब तक परिपालन होगा ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां । उक्त वार्ता में आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारियों को (1) प्रैक्टिस बन्दी भत्ता (2) स्नातकोत्तर भत्ता दिये जाने (3) उनकी सेवाओं को आपातकालीन सेवा घोषित किए जाने (4) आवासीय सुविधा उपलब्ध कराये जाने, (5) समयमान वेतनमान स्वीकृत किये जाने (6) सेवा नियमावली के प्रख्यापन (7) विभाग को पुनर्गठित कर प्रोन्नति के अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने (8) विभाग में रिक्त पदों पर नियुक्ति किये जाने (9) निदेशक के पद को भरे जाने, (10) यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना (11) केन्द्रीय औषधि भंडार की स्थापना, (12) 15/25 शैय्यायुक्त चिकित्सालयों के प्रभारी चिकित्साधिकारियों को आहरण एवं वितरण अधिकार दिये जाने, (13) तृतीय चिकित्साधिकारियों के पदों को न समाप्त किये जाने (14) संघ के पदाधिकारियों के स्थानान्तरण पर पुनर्विचार किये जाने के संबंध में विचार विमर्श हुआ था । उपर्युक्त बिन्दुओं में से विन्दु संख्या (1) (2) की मांगों को फिलहाल स्वीकार करना संभव नहीं हुआ है । विन्दु संख्या-(12) के सम्बन्ध में आदेश प्रसारित किये जा चुके हैं । अन्य विन्दुओं पर विचार किया जा रहा है और यथाशीघ्र निर्णय लिया जायेगा ।

प्रदेश में 15/25 शैय्या के राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों में चिकित्साधिकारियों के स्थानान्तरण

9—श्री हरिशंकर तिवारी—

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रदेश में 15/25 शैय्या के राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों में ऐसे चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने 10 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है या स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त है एवं 3 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है शासन की स्थानान्तरण नीति के तहत तैनात है ? यदि नहीं, तो क्यों ? ऐसे कितने चिकित्साधिकारी हैं जिनका स्थानान्तरण वर्ष 89-90 में स्थानान्तरण नीति के विरुद्ध इन चिकित्सालयों में किया गया है ? स्थानान्तरण नीति का पालन न करने के लिये स्वास्थ्य मंत्री दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

15/25 शैय्यायुक्त आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों में चिकित्साधिकारी वर्तमान में स्थानान्तरण नीति के तहत तैनात हैं ।

वर्ष 89-90 में चार चिकित्साधिकारियों को जनप्रतिनिधियों की संस्तुति पर आपात्कालीन स्वास्थ्य मंत्री जी के निर्देशानुसार स्थानान्तरण किया गया है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारियों के स्थायीकरण एवं विनियमितीकरण हेतु शासन द्वारा की गयी कार्यवाही

10–श्री हरिशंकर तिवारी–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारियों के स्थायीकरण एवं अक्टूबर 86 तक तदर्थ रूप से नियुक्त चिकित्साधिकारियों के विनियमितीकरण हेतु शासन द्वारा क्या कार्यवाही की गयी है तथा कार्यवाही कब तक पूरी कर ली जायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस–

आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारियों के स्थायीकरण के संबंध में निदेशक आयुर्वेद से 655 चिकित्साधिकारियों की सूची प्राप्त हुई है जिसका परीक्षण शासन स्तर पर किया जा रहा है । दिनांक 1-10-86 तक तदर्थ रूप से नियुक्त चिकित्साधिकारियों के विनियमितीकरण के संबंध में निदेशक से प्रस्ताव मांगा गया है जिसके प्राप्त होने पर विनियमितीकरण के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही यथाशीघ्र की जायेगी ।

स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सीतापुर दौरे के समय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कसमण्डा के चिकित्साधिकारी के विरुद्ध प्रदर्शन एवं कार्यवाही

11–श्री लटूरी सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि माह जनवरी, 90 में उनके सीतापुर दौरे के समय मास्टर बाग में जनता ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कसमण्डा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को हटाने एवं उनके विरुद्ध सतर्कता विभाग से जांच कराने के लिये प्रदर्शन किया था एवं ज्ञापन दिया था ? यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गयी?

श्री मुख्तार अनीस–

स्थानान्तरण कर दिया गया है ।

डफरिन अस्पताल, लखनऊ में लागू नये वेतनमान का भुगतान किये जाने में अनियमितता

12–श्री लटूरी सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि डफरिन अस्पताल लखनऊ में 1-1-86 से लागू नये वेतनमान के अवशेष का भुगतान स्टाफ नर्स, क्लर्क, वार्ड ब्वाय तथा मेट्रन को अभी तक नहीं किया गया है ? यदि हां, तो इस बिलम्ब हेतु दोषी अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जायेगी एवं कब तक अवशेष का भुगतान करा दिया जायेगा? क्या यह भी सच है कि कुछ को एरियर का भुगतान इस अस्पताल में कर दिया गया है ? यदि हां, तो वे कौन हैं और मात्र उनका ही भुगतान किये जाने का क्या कारण है?

श्री मुख्तार अनीस–

जी नहीं-महिला चिकित्सालय लखनऊ में कार्यरत स्टाफ नर्स, वार्ड ब्वाय, क्लर्क तथा मेट्रन इन सबको कुल संख्या 135 में से 104 को दिनांक 1-1-86 से लागू वेतनमान के अवशेष का भुगतान किया जा चुका है शेष 31 कर्मचारियों के अवशेष का भुगतान शीघ्र ही कर दिया जायेगा । किसी अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है

जी हां–135 कर्मचारियों में से 104 का भुगतान किया जा चुका है । इनमें स्टाफ नर्स, क्लर्क, वार्ड ब्वाय तथा मैट्रन सम्मिलित हैं । सभी कर्मचारियों को एक साथ अवशेष का भुगतान समय से करने का प्रयास किया गया परन्तु स्टाफ की कमी के कारण जो भी बिल तैयार होते गये, उनका भुगतान किया गया ।

डा0 बी0 जी0 प्रसाद, महामंत्री, जनता युवा मोर्चा, सिधौली, जनपद सीतापुर का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लिपिक वर्ग के कार्य से सम्बन्धित शिकायती-पत्र

13–श्री लटूरी सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि दिनांक 2-3-90 को डा0 बी0 जी0 प्रसाद, महामंत्री, जनता युवा मोर्चा, सिधौली, जनपद सीतापुर ने एक शिकायती पत्र पत्रांक–69/80 मुख्य मंत्री को दिया था जो जनपद सीतापुर में अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लिपिक वर्ग का कार्य संबंधित लिपिकों से न कराकर फील्ड वर्करों एच0 ए0, एस0 पी0 एस0 आदि से कराये जाने के सम्बन्ध में था ? यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

जनपद गोण्डा के बलरामपुर विकास खण्ड में राप्ती नदी पर बेलहा बांध का निर्माण

14–श्री हनुमन्त सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा के बलरामपुर विकास खण्ड में राप्ती नदी पर बेलहा बांध के निर्माण हेतु विगत वर्षों में शासन द्वारा कुल कितना धन स्वीकृत किया गया और कितना धन अब तक निर्माण कार्य में व्यय हुआ ? उक्त बांध बनकर कब तक तैयार हो जायेगा ? क्या सरकार उक्त बांध का निर्माण कार्य आगामी वर्षा ऋतु के पूर्व पूर्ण कराने के आदेश देगी जिससे निकट के गांव इस बाढ़ विभीषिका से प्रभावित न हों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

राप्ती नदी पर बेलहा बांध के नाम से कोई निर्माण कार्य नहीं कराया गया है परन्तु बेलहा ग्राम के निकट कटाव निरोधक कार्य कराये गये हैं जिसके लिए वर्ष 1989-90 में रु0 5.50 लाख एवं वर्ष 1989-90 में रु0 41.00 लाख आवंटित किया गया है ।

माह 3/90 तक रु0 46.36 लाख व्यय किया जा चुका है ।

बांध निर्माणाधीन ही नहीं है । अतः इसके पूर्ण होने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

प्रश्न ही नहीं उठता ।

डा0 एस0 के0 अग्रवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती द्वारा नियुक्तियों पर प्रतिबन्ध होने के उपरांत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति एवं उनके विरुद्ध कार्यवाही

15–श्री हनुमन्त सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि डा0 एस0 के0 अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बस्ती के कार्यकाल में उनके द्वारा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्म-

चारियों की कितनी नियुक्तियां की गयी हैं ? क्या यह सही है कि शासन द्वारा नियुक्तियों पर प्रतिबन्ध होने के उपरान्त भी उक्त नियुक्तियां की गयी हैं ? यदि हां, तो क्यों ? क्या सरकार उन सभी नियुक्तियों को निरस्त करने तथा दोषी अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्रित की जा रही है ।

जनपद गोण्डा के तहसील तरबगंज और तहसील करनैलगंज के बीच बंधे को पक्का कराये जाने की मांग

16–श्री रमापति शास्त्री–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा के तहसील तरबगंज और तहसील करनैलगंज के बीच कोई बंधा है ? यदि हां, तो उसे कब तक पक्का कर दिया जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी नहीं, परन्तु इन दोनों तहसीलों में घाघरा नदी के बांये किनारे पर परसपुर धरौरा तट बांध स्थित है । चूंकि तट बांध मिट्टी का ही बनाया जाता है, अतः इसको पक्का करने का प्रश्न ही नहीं उठता है ।

जनपद गोण्डा में तहसील तरबगंज के अस्पताल के लिए भवन का निर्माण एवं उसमें अस्पताल स्थापित न किये जाने के कारण

17–श्री रमापति शास्त्री–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा में तहसील तरबगंज के अस्पताल के लिए नए भवन का निर्माण हुआ है ? यदि हां, तो उक्त नए भवन में अब तक अस्पताल स्थापित न किए जाने का क्या कारण है ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, अस्पताल के भवन का निर्माण हो चुका है एवं जून, 1989 में अस्पताल नवीन भवन में हस्तांतरित भी कर दिया गया है किन्तु विद्युत कनेक्शन के अभाव में पूर्ण क्षमता के अनुसार संचालित नहीं हो पा रहा है ।

आगरा कालेज के पास महात्मा गांधी मार्ग पर आपातकालीन कक्ष का निर्माण

18–श्री हरद्वार दूबे—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आगरा कालेज की बगल में महात्मा गांधी मार्ग पर जो आपातकालीन कक्ष का निर्माण हो रहा है वह एस0 एन0 मेडिकल कालेज की देखरेख में चलेगा या प्रान्तीय स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत ?

श्री मुख्तार अनीस—

प्रश्नगत निर्माणाधीन आपात कालीन कक्ष मेडिकल कालेज, आगरा की देख-रेख में चलेगा ।

एस0 एन0 मेडिकल कालेज आगरा को स्थानान्तरित करने का प्रस्ताव एवं कार्यवाही

19–श्री हरद्वार दूबे–

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि एस0 एन0 मेडिकल कालेज आगरा को वर्तमान स्थान से हटाकर अन्यत्र स्थानान्तरित करने का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है ? यदि हां, तो उस पर अभी तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

मेडिकल कालेज, आगरा को वर्तमान जगह से सिकन्दरा आवासीय योजना, आगरा के अन्तर्गत स्थानान्तरण हेतु 300 एकड़ भूमि क्रय की कार्यवाही की जा रही है ।

20–श्री अमर नाथ यादव–

[पहले बुध में अता0 प्र0 सं0 162 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

21–श्री महेन्द्र सिंह भाटी–

[2रे बुध में अता0 प्र0 सं0 162 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

भूपौली पम्प कैनाल में तकनीकी खराबी एवं दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही

22–श्री उन्दल–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि भूपौली पम्प कैनाल, वाराणसी तथा देवकली पम्प कैनाल सैदपुर गाजीपुर में तकनीकी खराबी की वजह से चार हजार हार्स पावर की 12 मोटरों में 6 जलकर बन्द हो गए हैं ? क्या भूपौली में तकनीकी खराबी हो गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसकी जांच करायेगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

भूपौली पम्प नहर वाराणसी पर 8 (+) अदद स्टैंड बाई मोटरें जो प्रत्येक 500 हार्स पावर की है, बिल्कुल ठीक हालत में हैं । समस्त मोटरें कार्य कर रही है । इस पम्प नहर पर कोई तकनीकी खराबी उत्पन्न नहीं हुई है और समस्त मोटरें सुचारु-रूप से चल रही हैं ।

देवकली पम्प नहर सैदपुर, गाजीपुर पर 7 (+1 अदद स्टैंड बाई) मोटरें जो प्रत्येक 1200 हार्स पावर की स्थापित है । इनमें से चार अदद मोटरें खराब हो गई है । जिनमें से दो अदद मोटरें मै0 भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि0 की एस0 ए0 एस0 सर्विसेज आफ्टर सेल्स यूनिट वाराणसी द्वारा शीघ्र मरम्मत कर दिये जाने की आशा है । शेष दो मोटरें मै0 भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि0 हरिद्वार द्वारा मरम्मत की जायेगी । इनकी खराबियों के लिये कोई अधिकारी/कर्मचारी दोषी नहीं है ।

मु0 चि0 अ0 जौनपुर के कार्यालय में कार्यरत स्टेनो श्री सभानन्द सिंह द्वारा फर्जी हस्ताक्षर बनाकर की गई नियुक्ति एवं जांच

23–श्री अकबर हुसैन बाबर—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1976 में मु0 चि0 अ0 जौनपुर के कार्यालय में कार्यरत स्टेनो श्री सभानन्द सिंह द्वारा अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर जन स्वास्थ्य रक्षक की, की गयी नियुक्ति के संबंध में एस0 डी0 एम0 एवं जिलाधिकारी ने जांच करके श्री सभानन्द सिंह की सेवायें समाप्त करने तथा दण्डात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे ? यदि हां, तो उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

जनपद देवरिया के सलेमपुर तहसील में स्थित जमुवार नाला, कोईलाड़ नाला और ताल से फसल को हानि एवं बचाव के कार्य की मांग

24–श्री सुरेश यादव—

क्या सिंचाई मंत्री को जानकारी है कि देवरिया जनपद के सलेमपुर तहसील में स्थित जमुवार नाला, कोईलाड़ नाला और ताल दोनों से बरसात के दिनों में प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए की फसलें बरबाद होती हैं? यदि हां, तो क्या उसके बचाने का इन्तजाम सरकार करने पर विचार कर रही है? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रेवती रमण सिंह–

देवरिया जनपद की तहसील सलेमपुर में जमुआर नाले से लगभग 1840 हैक्टेयर कोईलाड़ से 340 हैक्टेयर तथा ताल दोनो से 160 है0 क्षेत्र की फसल बाढ़ से प्रभावित होती है ।

उक्त नालों में बाढ़ से बचाव हेतु घाघरा व छोटी गण्डक नदी पर तटबन्ध व रेगुलेटर पहले से निर्मित है । जमुआर नाले से सुचारु रूप से जल निकासी हेतु इसके पुनरोद्धार की योजना रु0 10.30 लाख निर्माणाधीन है । इस योजना का कार्य पूर्ण होने पर 1610 है0 क्षेत्र लाभान्वित होगा । अन्य कोई योजना विचाराधीन नहीं है । नालों से पानी सामान्यतः खारिज होता रहता है । नदियों के बाढ़ का पानी रोकने हेतु रेगुलेटर पहले से ही निर्मित है । बहुत अधिक निचले क्षेत्रों को बाढ़ से बचाने की योजना व्योहारिक न होगी । इसलिए निचले क्षेत्र की फसलों को बाढ़ से बचाने पर विचार करने का प्रश्न नहीं है ।

देवरिया जनपद की टाउन एरिया लार में एक उच्चीकृत अस्पताल की स्वीकृत एवं उसके निर्माण में विलम्ब

25–श्री सुरेश यादव—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि देवरिया जनपद की सबसे पुरानी टाउन एरिया लार में एक उच्चीकृत अस्पताल स्वीकृत है और उसके लिए जमीन भी सुरक्षित कर ली गई है? यदि हां, तो उसके निर्माण में विलम्ब का क्या कारण है?

श्री मुख्तार अनीस—

जी नहीं, प्रश्नगत अस्पताल स्वीकृत नहीं है अतः उसके निर्माण में बिलम्ब का प्रश्न नहीं उठता ।

घोसी विधान सभा क्षेत्र जनपद मऊ में अधिकांश राजकीय अस्पतालों में डाक्टर व स्टाफ की नियुक्ति की मांग

26—श्री सुबास—

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि घोसी विधान सभा क्षेत्र जनपद—मऊ में स्थित अधिकांश राजकीय एलोपैथिक आयुर्वेदिक यूनानी और होम्योपैथिक औषधालयों में डाक्टर नियुक्त नहीं किए गए हैं और स्टाफ भी नहीं है ? यदि हां, तो इसका कारण क्या है और डाक्टर सहित पूरे स्टाफ की तैनाती कब तक कर दी जायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

शारदा नहर खण्ड—2 लखनऊ की शाखा मोहान रजबहा के ग्राम एन के निवासियों के आवागमन के लिए जीर्ण-शीर्ण पुलिया की मरम्मत न कराकर नयी पुलिया का प्रस्ताव

27—श्री सुबास—

क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि शारदा नहर खण्ड—2 लखनऊ की शाखा मोहान रजबहा के मील नम्बर—16, 2 पर ग्राम एन के निवासियों के आवागमन के लिए नहर पर कोई पुलिया है जिसकी स्थिति बिल्कुल जीर्ण-शीर्ण हो गयी है ? यदि हां, तो इस पुलिया की मरम्मत न कराकर उक्त पुलिया से लगभग 50 कदम पूर्व एक नई पुलिया के निर्माण का प्रस्ताव व आगणन स्वीकृत किए जाने का क्या औचित्य है ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां, यह पुलिया मोहान रजबहा के मील 16—2 पर स्थित न होकर 16-0-480 पर स्थित है ।

नई कदम पुलिया के निर्माण का प्रस्ताव क्षेत्रीय विधायक की मांग के अनुसार किया गया था परन्तु इसका कोई आगणन अभी तक स्वीकृत नहीं हुआ है और न ही निर्माण कार्य कराया गया है । पुरानी पुलिया की मरम्मत का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है।

स्नातकोत्तर (आयुर्वेदिक) छात्रवृत्ति में वृद्धि विषयक आश्वासन

28—डाक्टर बृज भूषण मणि त्रिपाठी—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि स्नातकोत्तर (आयुर्वेदिक) छात्रवृत्ति में वृद्धि का मामला शासन के विचाराधीन है तथा तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री (श्री गोपीनाथ दीक्षित) ने उक्त छात्र वृत्ति को मध्य प्रदेश शासन के बराबर किए जाने का आश्वासन दिया था ? यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गयी ?

श्री मुख्तार अनीस—

स्नातकोत्तर (आयुर्वेदिक) छात्रों की छात्रवृत्ति में वृद्धि करने का मामला शासन में विचाराधीन है । वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करने के उपरान्त आदेश प्रसारित किये जायेंगे ।

पर्वतीय क्षेत्र में प्रति यूनिट अथवा राशन कार्ड पर चावल, गेहूं, चीनी तथा मिट्टी के तेल का वितरण

29—श्री कुंवर सिंह नेगी—

क्या खाद्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पर्वतीय क्षेत्र में माह अप्रैल, 1989 से माह जनवरी, 1990 की अवधि में चावल, गेहूं, चीनी, मिट्टी तेल प्रति यूनिट अथवा प्रति राशन कार्ड पर प्रतिमाह कितनी मात्रा में दिए जाने का प्राविधान था और त्योहारों पर प्रति यूनिट कितनी अतिरिक्त चीनी की मात्रा दिए जाने का प्राविधान था ? क्या उक्त अवधि में निर्धारित मात्रा में नियमित रूप से उपरोक्त वस्तुओं की आपूर्ति उपभोक्ताओं को इस क्षेत्र में की गयी है तथा त्योहारों पर निर्धारित मात्रा में अतिरिक्त चीनी आवंटित की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

पर्वतीय क्षेत्रों में माह अप्रैल, 1989 से माह जनवरी, 1990 की अवधि में चावल, गेहूं, चीनी, मिट्टी तेल का वितरण स्केल निम्न प्रकार निर्धारित था:—

गेहूं	10 कि0 ग्रा0 प्रति यूनिट प्रतिमाह
चावल	8 कि0 ग्रा0 प्रति यूनिट प्रतिमाह
चीनी	1 कि0 ग्रा0 प्रति यूनिट प्रतिमाह
मिट्टी तेल	5–10 लीटर प्रति राशन कार्ड ।

प्रश्नगत अवधि में कतिपय प्रमुख त्योहारों के अवसर पर एक किग्रा0 अतिरिक्त चीनी प्रति राशन कार्ड उपलब्धता के आधार पर दिए जाने के आदेश त्योहार के पूर्व जारी किये गये थे ।

प्रश्नगत अवधि में पर्वतीय क्षेत्रों में सामान्तया निर्धारित राशन स्केल के अनुसार गेहूं, चावल, चीनी तथा मिट्टी तेल का वितरण किया गया ।

नहीं ।

प्रदेश में प्रचलित राशन कार्डों की कुल संख्या के आधार पर प्रश्नगत अवधि में प्रत्येक त्योहार के लिए लगभग 27,372 मी0 टन चीनी की अतिरिक्त आवश्यकता थी जिसके विरुद्ध इस अवधि में मात्र 15,936 मी0 टन चीनी का अतिरिक्त आवंटन भारत सरकार से प्राप्त हुआ, जिसे प्रदेश के जनपदों (पर्वतीय एवं मैदानी) को समानुपातिक आधार पर आवंटित किया गया । पर्याप्त मात्रा में इस हेतु चीनी उपलब्ध न होने के कारण उपलब्धता के आधार पर जिलों में उपभोक्ताओं को त्योहार हेतु चीनी वितरित की गयी ।

गाजियाबाद नगर के अन्दर झुग्गियों में रहने वाले लोगों के लिए राशन कार्ड बनाये जाने की मांग

30–श्री सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी–

क्या खाद्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि गाजियाबाद नगर के अन्दर लगभग बीस हजार लोग झुग्गियों में रहते हैं जिनके राशनकार्ड अभी तक नहीं बन पाये हैं? यदि हां, तो मंत्री जी कब तक उनके लिए राशन कार्ड बनवाने की व्यवस्था करायेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह–

गाजियाबाद नगर के अन्दर झुग्गियों में रहने वाले लोगों को अभी राशन कार्ड नहीं जारी किये जा सके हैं । उन्हें सचल वाहनों द्वारा आवश्यक वस्तुयें उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गये हैं ।

इस विषय पर प्राप्त प्रत्यावेदन शासन के विचाराधीन है ।

भारतीय चिकित्सा परिषद् उत्तर प्रदेश लखनऊ के अध्यक्ष श्री राम कृष्ण उपाध्याय के विरुद्ध रिपोर्ट एवं कार्यवाही

31–श्री मस्तराम–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि भारतीय चिकित्सा परिषद् उत्तर प्रदेश लखनऊ के अध्यक्ष श्री राम कृष्ण उपाध्याय के विरुद्ध कोई रिपोर्ट निदेशक आयुर्वेद उत्तर प्रदेश द्वारा जुलाई, 1988 में शासन को प्रेषित की गयी थी ? यदि हां, तो इस रिपोर्ट पर शासन द्वारा अब तक क्या कार्यवाही सुनिश्चित की गयी है ? इस सम्बन्ध में इतना विलम्ब किन कारणों से हुआ तथा इस विलम्ब के लिए कौन उत्तरदायी है ? क्या मंत्री जी उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध भी कोई कार्यवाही करने का कष्ट करेंगे ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

श्री उपाध्याय को उनके पद से हटाने तथा उनके विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच के संबंध में कार्यवाही की जा रही है ।

सिंचाई विभाग (नलकूप) के पूर्वी क्षेत्र, मध्य क्षेत्र, तथा पश्चिमी क्षेत्रों में फेल नलकूपों की रिबोरिंग किये जाने की कार्यवाही

32–श्री ऊदल–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सिंचाई विभाग (नलकूप) के पूर्वी क्षेत्र, मध्य क्षेत्र तथा पश्चिमी क्षेत्रों में सन 1985 से लेकर अब तक तीन हजार नलकूप फेल हो चुके हैं ? यदि हां, तो उसमें से प्रत्येक वर्षों में कितनों की रिबोरिंग अब तक की गयी और इस वक्त कितने फेल हैं ? इस सम्बन्ध में अब तक सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

श्री रेवती रमण सिंह–

सन् 1985 से लेकर फरवरी, 1990 तक क्षेत्रवार क्षेत्र नलकूपों का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्षेत्र	फेल नलकूपों की सं0
पूर्वी	569
पश्चिमी	678
मध्य	384
योग –	1631

इनमें से प्रत्येक वर्ष रिबोरिंग किये गये कूपों की संख्या निम्न प्रकार है:–

वर्ष	रिबोरिंग किये गये कूपों की संख्या
85 से मार्च 86 तक	199
86–87	191
87–88	184
88–89	210
89-90 (2/90 तक)	185
योग–	969

शेष 662 फेल कूपों में से 169 नलकूपों का खारेपानी, नहरी कमाण्ड, तथा बहुसंख्या में निजी नलकूपों के बनने इत्यादि के कारण परित्याग प्रस्तावित है । 49 कूपों का धन की उपलब्धता और वर्तमान में नलकूप क्षेत्र की परिस्थितियों के अनुसार औचित्य को देखकर उनके पुर्ननिर्माण की कार्यवाही करी जा रही है ।

जनपद फैजाबाद में प्रसार-शिक्षक के स्थानान्तरण के सम्बन्ध में नीति व स्थानान्तरण कार्य के विपरीत कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही

33–श्री विश्वनाथ सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रसार-शिक्षक के स्थानान्तरण के संबंध में कोई नीति निर्धारित है ? यदि हां, तो वह नीति क्या है ? क्या यह सही है कि प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र जलालपुर जनपद फैजाबाद में तीन-तीन प्रसार शिक्षक कार्यरत हैं ? यदि हां, तो उनका वेतन कहां से भुगतान किया जा रहा है ? इस मामले में स्थानान्तरण नीति के विपरीत कार्य करने के लिए कौन-कौन अधिकारी/कर्मचारी जिम्मेदार हैं ? उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

शासन द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार प्रसार शिक्षकों का स्थानान्तरण एक जनपद में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त उन्हें मण्डल के अंतर्गत किसी जनपद में मण्डलीय अपर निदेशक द्वारा किया जायगा तथा 10 वर्ष की सेवा करने के उपरान्त मण्डल से बाहर किसी जनपद में निदेशक, परिवार कल्याण द्वारा किया जायेगा । उन्हें गृह जनपद में नहीं रखा जायगा ।

जी नहीं । पूर्व में कार्यरत तीन प्रसार शिक्षकों में से दो प्रसार शिक्षकों का स्थानान्तरण अन्यत्र किया जा चुका है । इसके पूर्व जब प्रा0 स्वा0 केन्द्र, जलालपुर में तीन प्रसार शिक्षक कार्यरत थे तो उनके वेतन का आहरण राज्य स्तर से निदेशक, परिवार कल्याण, उ0 प्र0 के आदेशानुसार निकाला जाता रहा । वर्तमान में जलालपुर में केवल एक प्रसार शिक्षक कार्यरत है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में अनियमितताओं के सम्बन्ध में संस्थान के कर्मचारियों का ज्ञापन एवं कार्यवाही

34–श्री रविदास मेहरोत्रा–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया यह बतायेंगे कि संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में अनियमितताओं के संबंध में संस्थान के कर्मचारियों का कोई ज्ञापन उन्हें जनवरी, 1990 में प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

डा0 सेठी के विरुद्ध विभिन्न स्तरों से प्राप्त शिकायतों की जांच हेतु सम्प्रति श्री आर0 आर0 शाह, सचिव, वन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को मुख्य सचिव द्वारा जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है । उल्लेखनीय है कि डा0 सेठी की सेवायें संस्थान के कुलाध्यक्ष द्वारा दिनांक 24-4-90 को समाप्त की जा चुकी है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

लखनऊ नगर में लम्बित नये राशन कार्ड व कार्य निस्तारण किये जाने की मांग

35–श्री रविदास मेहरोत्रा–

क्या खाद्य एवं रसद मंत्री कृपया बतायेंगे कि लखनऊ नगर में दिसम्बर, 1989 से नये राशन कार्ड बनाये जाने के कितने मामले लम्बित है ? इन मामलों का निस्तारण न किये जाने का क्या कारण है ? लम्बित राशन कार्डों के आवेदनों का निस्तारण कब तक कर दिया जायेगा ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह–

लखनऊ नगर में दिसम्बर, 1989 से राशन कार्ड जारी करने हेतु प्राप्त सभी आवेदन पत्र निस्तारित किये जाने के पश्चात अब केवल हाल में प्राप्त 91 आवेदन पत्र लम्बित हैं ।

इन लम्बित आवेदन पत्रों के निस्तारण की नियमानुसार कार्यवाही जारी है ।

लम्बित आवेदन पत्रों का निस्तारण शासनादेश सं0–2206/29-खाद्य-6-13 (40)/90 दिनांक 5 अप्रैल, 1990, जिसमें (अ) श्रेणी के आवेदकों को छोड़कर शेष आवेदकों के प्रार्थना पत्रों को 17 दिन के अन्दर ही निस्तारित किये जाने की व्यवस्था है, के अनुसार कर दिया जायेगा ।

वाराणसी में गंगा को प्रदूषण से मुक्त करने हेतु गंगा प्रदूषण नियंत्रण योजना के अंतर्गत हुआ व्यय

36–श्री श्याम देव राय चौधरी (दादा)–

क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वाराणसी में गंगा में प्रदूषण से मुक्त करने हेतु गंगा प्रदूषण नियंत्रण योजना के अंतर्गत किन-किन कार्यों में कितने रुपये अब तक व्यय हुए ? उक्त योजना के तहत कौन से कार्य शेष हैं तथा उन पर कितना व्यय प्रस्तावित है ?

श्री रेवती रमण सिंह–

वाराणसी में गंगा को प्रदूषण से मुक्त करने हेतु गंगा एक्शन प्लान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा विभिन्न योजनायें चलायी जा रही है । विभिन्न योजनाओं पर मई 1990 तक किये गये व्यय तथा शेष योजनाओं का विवरण संलग्नक में उपलब्ध है ।

देखिए नत्थी 'क' आगे पृष्ठ 93 पर ।

बांदा जनपद नरैनी ब्लाक में अर्धनिर्मित मसौनी पम्प कैनाल को पूरा कराने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र

37–डाक्टर सुरेन्द्र पाल वर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता का दिनांक 16-3-90 का पत्र बांदा जनपद नरैनी ब्लाक में अर्धनिर्मित मसौनी पम्प कैनाल को पूरा कराने के सम्बन्ध में प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो इस पम्प कैनाल के निर्माण में कितना धन व्यय हो चुका है तथा आगे कार्य न कराने के क्या कारण हैं ? क्या इस असिंचित क्षेत्र को ध्यान में रख-कर शेष पम्प कैनाल को धन आवंटन करके पूरा कराया जायेगा ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां,

मसौनी पम्प कैनाल के निर्माण में अब तक 14.93 लाख रुपये व्यय हो चुका है । धन उपलब्ध न होने के कारण आगे कार्य नहीं कराया जा पा रहा है ।

दरों में वृद्धि हो जाने के कारण परियोजना का पुनरीक्षित प्राक्कलन बनाया गया है, जो स्वीकृति विचाराधीन है ।

जनपद बांदा के ब्लाक महुवा के विन्ध्याचल लिफ्ट पम्प कैनाल के निर्माण के संबंध में पत्र

38–डाक्टर सुरेन्द्र पाल वर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि दिनांक 16-3-90 का पत्र बांदा जनपद के ब्लाक महुवा के विन्ध्याचल लिफ्ट पम्प कैनाल के निर्माण के संबंध में प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो पम्प कैनाल की सर्वेक्षण रिपोर्ट क्या है तथा कब तक धन आवंटित करके लिफ्ट पम्प कैनाल का निर्माण करा दिया जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

बांदा जनपद के ब्लाक महुआ के विन्ध्याचल लिफ्ट नहर के निर्माण हेतु प्राथमिक सर्वेक्षण तथा जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है ।

जल की उपलब्धता सुनिश्चित होने पर ही पम्प नहर के निर्माण की कार्यवाही की जा सकती है ।

जनपद बांदा के नरैनी ब्लाक के काजीपुर के पास बागैन नदी से लिफ्ट पम्प कैनाल के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र

39–डाक्टर सुरेन्द्र पाल वर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता का दिनांक 16-3-90 का पत्र जो बांदा जनपद के नरैनी ब्लाक के काजीपुर के पास बागैन नदी से लिफ्ट पम्प कैनाल के संबंध में था, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो पम्प कैनाल के निर्माण हेतु सर्वेक्षण रिपोर्ट क्या है ? क्या असिंचित क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को ध्यान में रखकर धन आवंटन करके लिफ्ट पम्प कैनाल का निर्माण कराया जायेगा ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

बांदा जनपद के नरैनी ब्लाक के ग्राम काजीपुर के पास बागैन नदी से लिफ्ट पम्प कैनाल प्रस्तावित करना सम्भव नहीं है क्योंकि बागैन नदी का अधिकांश जल ग्रहण क्षेत्र मध्य प्रदेश में होने के कारण भविष्य में जल उपलब्धता सुनिश्चित नहीं है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्रश्न नहीं उठता ।

जनपद फिरोजाबाद के क्षेत्र फिरोजाबाद के दक्षिणी पूर्वी असिंचित क्षेत्र को सिंचित बनाये जाने हेतु राजकीय नलकूपों की मांग

40–श्री रघुवर दयाल वर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि क्या जनपद फिरोजाबाद के क्षेत्र फिरोजाबाद का दक्षिणी पूर्वी भाग जमुना नदी के बीहड़ का क्षेत्र है जहां पर पानी गहरा है और सिंचाई साधनों का घोर अभाव है तथा हाथरस फिरोजाबाद माइनर के आखिरी छोर पर पड़ता है ? यदि हां, तो इस असिंचित क्षेत्र को सिंचित बनाये जाने हेतु क्या सरकार राजकीय नलकूपों का छिद्रण बड़ी संख्या में करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में राजकीय नलकूप छिद्रण कराये जाने हेतु इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है ।

इस क्षेत्र में भूगर्भ जल की उपलब्धता एवं सिंचाई के लिए उपयुक्तता अनिश्चित है ।

झांसी मेडिकल कालेज में न्यूरो सर्जन की नियुक्ति हेतु प्रश्नकर्ता का पत्र एवं उस पर कार्यवाही की जानकारी

41–श्री रवीन्द्र शुक्ल–

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि झांसी में मेडिकल कालेज में न्यूरो सर्जन की नियुक्ति हेतु प्रश्नकर्ता का एक पत्र उन्हें दिनांक 12 जनवरी से 16 जनवरी, 1990 के मध्य प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गयी ?

श्री मुख्तार अनीस–

माननीय विधायक का पत्र दिनांक 12 जनवरी, 1990 मेडिकल कालेज झांसी में न्यूरोलाजिस्ट की नियुक्ति हेतु प्राप्त हुआ है ।

मेडिकल कालेज, झांसी में न्यूरोलाजिस्ट का कोई पद सृजित नहीं है । वहां पर लेक्चरर न्यूरोलाजी का एक पद सृजित है । इस पद पर पहले नवम्बर, 1988 में डा0 शैलेन्द्र कुमार जैन की तदर्थ नियुक्ति की गई । डा0 जैन द्वारा कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया । पुनः दिसम्बर, 1989 में डा0 अनूप पाठक ठक्कर की नियमित नियुक्ति की गई । डा0 ठक्कर ने भी वहां पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया ।

ब्लाक करण्डा जनपद गाजीपुर में स्थित चोचकपुर पम्प कैनाल की सिंचाई हेतु कमाण्ड एरिया एवं इसके सुधार हेतु कार्यवाही

42–श्री रवीन्द्र कुमार सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ब्लाक करण्डा जनपद गाजीपुर में स्थित चोचकपुर पम्प कैनाल की सिंचाई हेतु कमाण्ड एरिया क्या है? क्या पूरे कमाण्ड एरिया में चोचकपुर कैनाल द्वारा सिंचाई की जाती है ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या मंत्री जी को जानकारी है कि चोचकपुर पम्प कैनाल का गलत निर्माण कराये जाने के कारण चोचकपुर पम्प कैनाल से पानी की सप्लाई ठीक से नहीं हो पा रही है ? यदि हां, तो यह दोषपूर्ण कार्य किसके द्वारा कराया गया तथा उसके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी तथा चोचकपुर पम्प कैनाल के सुधार हेतु सरकार क्या योजना बना रही है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

कमाण्ड एरिया 1004 हेक्टेयर है ।

जी नहीं ।

पम्प नहर लगभग 20 वर्ष पुरानी होने तथा विद्युत आपूर्ति अनियमित होने के कारण पूरे कमाण्ड की सिंचाई नहीं हो पाती है ।

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (डा0 डी0 मिश्रा) लखीमपुर का स्थानान्तरण न करने का कारण

43–श्री राम कुमार वर्मा–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि वर्तमान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (डा0 डी0 मिश्रा) लखीमपुर में दिनांक 23 फरवरी, 1983 से इसी जनपद में लगातार 7 वर्षों से कार्यरत हैं ? यदि हां, तो शासनादेश सं0 14-1-1984 कार्मिक अनुभाग–2 लखनऊ दिनांक 31 मार्च, 1989 के स्थानान्तरण नीति के अनुसार इनका स्थानान्तरण अन्यत्र न किये जाने का क्या कारण हैं ?

श्री मुख्तार अनीस–

डा0 डी0 मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, लखीमपुर को अन्यत्र स्थानान्तरित करने के आदेश दिनांक 1 जून, 1990 को जारी कर दिये गये हैं ।

स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव एवं स्वास्थ्य महानिदेशक की एक महाराष्ट्र, तमिलनाडु आदि प्रान्तों की यात्रा एवं प्रयोजन

44–श्री रामचन्द्र बख्श सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि मार्च, 1989 के तीसरे सप्ताह में स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव एवं स्वास्थ्य महानिदेशक एक साथ महाराष्ट्र, तामिलनाडू व अन्य प्रान्तों में गये थे ? यदि हां, तो यात्रा का प्रयोजन क्या था तथा इस यात्रा पर सरकार का कुल कितना धन खर्च हुआ ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

जनपद बाराबंकी में कल्यानी नदी को गहरा कराये जाने के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

45–श्री रामचन्द्र बख्श सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि जनपद बाराबंकी में कल्यानी नदी को गहरा कराये जाने के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र, जिसकी प्राप्ति अनुसचिव, श्री रामसूरत राम के पत्र संख्या 52 एम एम/90/27 सि-6/44 बाढ़/90 सिंचाई अनुभाग-6 दिनांक 12-2-90 द्वारा स्वीकार की गयी है, पर शासन द्वारा क्या कार्यवाही की गयी है ? क्या वर्षा के पूर्व कोई कार्य कराया जाना प्रस्तावित है ? यदि हां, तो क्या और यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जनपद सीतापुर तथा बाराबंकी में पूर्वी कल्यानी नदी, पश्चिमी कल्यानी नदी तथा उनके संगम के आगे कल्यानी नदी से जल भराव की समस्या के समाधान हेतु मुख्य अभियन्ता (पूर्वी नहर एवं बाढ़) द्वारा गठित समिति द्वारा अध्ययन करके अपनी आख्या प्रस्तुत की गई है । समिति की आख्या के परीक्षणोपरान्त प्रस्तावों के अनुमोदन एवं धन की व्यवस्था हो जाने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी ।

इस वर्ष वर्षा से पूर्व कोई कार्य कराया जाना सम्भव नहीं है ।

सूखे से प्रभावित मथुरा जनपद की तहसील मथुरा के ग्रामों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

46—श्री रविकान्त गर्ग—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सूखा से प्रभावित मथुरा जनपद की तहसील मथुरा के ग्रामों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु सरकारी ट्यूबवेल के निर्माण के संदर्भ में प्रश्नकर्ता का कोई पत्र दिनांक 27 मार्च, 1990 को या उसके आस-पास प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो शासन द्वारा नलकूप निर्माण के संदर्भ में अभी तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां ।

इस क्षेत्र में नलकूप निर्माण सम्बन्धित कार्यवाही सम्भव नहीं है ।

जनपद मथुरा की तहसील मथुरा जिसमें ग्राम—सेहरा, छरौरा, बुर्जा, गोपाल गढ़, घोरेरा आदि ग्राम पड़ते हैं, में राज्य भूगर्भ जल सर्वेक्षण संगठन, लखनऊ की रिपोर्ट के अनुसार भूगर्भ जल खारी है । यह भूगर्भ जल नलकूप निर्माण में प्रयोग किये जा रहे लोहे के पाइपों को अतिशीघ्र क्षतिग्रस्त कर नलकूप फेल करने वाला है अतः निर्माण के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही सम्भव नहीं है ।

पीलीभीत में बने संयुक्त चिकित्सालय में स्टाफ व उपकरणों की व्यवस्था की मांग

47—श्री रियाज अहमद—

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि पीलीभीत में बने संयुक्त चिकित्सालय में स्वीकृत स्टाफ नहीं है और आवश्यक उपकरणों का अभाव है ? यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त चिकित्सालय में पूर्ण स्टाफ व उपकरणों की व्यवस्था कब तक कर दी जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां । मानक के अनुसार पद स्वीकृत हैं किन्तु कतिपय पद अभी रिक्त हैं । चिकित्सालय के अनुरूप कतिपय संसाधनों का भी अभाव है ।

स्वीकृत पदों पर तैनाती के विषय में कार्यवाही की जा रही है । मानकों के अनुरूप उपकरण व संसाधन की व्यवस्था योजना के माध्यम से यथाशीघ्र करायी जायगी ।

प्रश्न नहीं उठता ।

पीलीभीत नगर की पदमराज गैस एजेन्सी के विरुद्ध जांच एवं कार्यवाही

48—श्री रियाज अहमद—

क्या सरकार बताने की कृपा करेगी कि नगर पीलीभीत की पदमराज गैस एजेन्सी के विरुद्ध शिकायतों की जांच तत्कालीन खाद्य आपूर्ति मंत्री श्री हुकुम सिंह द्वारा उक्त जिले के अपर जिलाधिकारी (वित्त) को सौंपी गयी थी? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गई ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

जी हां ।

जांच में पाई गयी अनियमितताओं का निराकरण करने और भविष्य में ठीक से कार्य करने हेतु सम्बन्धित डीलर को चेतावनी दी गयी ।

प्रश्न नहीं उठता ।

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, पीलीभीत में 5 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत लिपिकों का स्थानान्तरण

49—श्री रियाज अहमद—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, पीलीभीत में कितने कर्मचारी 5 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत हैं ? कब तक इनका स्थानान्तरण कर दिया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, पीलीभीत में कुल चार लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारी 5 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत हैं । मण्डलीय अपर निदेशक तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं कि वे 5 वर्ष से अधिक एक पद पर कार्यरत लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों का तत्काल उनके काउन्टर से अन्यत्र स्थानान्तरित कर दें । शेष प्रश्न नहीं उठता ।

50—श्री श्याम सुन्दर शर्मा—

[2रे सोमवार में अता0 प्र0 सं0 176 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

51—श्री श्याम सुन्दर शर्मा—

[2रे सोमवार में अता0 प्र0 सं0 180 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

कस्बा अतरौली, जनपद अलीगढ़ में उ0 प्र0 राज्य खाद्य एवं आवश्यक वस्तु निगम द्वारा स्थापित जनता स्टोर को जनहित में पूर्ववत् चालू रखने हेतु पत्र

52—श्री कल्यान सिंह—

क्या खाद्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि कस्बा अतरौली, जनपद अलीगढ़ में उ0 प्र0 राज्य खाद्य एवं आवश्यक वस्तु निगम द्वारा स्थापित जनता स्टोर को जनहित में पूर्ववत चालू रखने हेतु प्रश्नकर्ता का दिनांक 15-1-90 का कोई ज्ञापन सरकार को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो क्या सरकार ने तदनुसार स्वीकृति प्रदान करने का आदेश निर्गत कर दिया है ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

जी हां ।

जी हां ।

दिनांक 19 फरवरी, 1990 ।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्रदेश में प्राकृतिक योग चिकित्सा प्रणाली तथा प्राकृतिक योग चिकित्सकों को मान्यता प्रदान करने की योजना

53—श्री कृष्ण कुमार नवमान—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सरकार की प्रदेश में प्राकृतिक योग चिकित्सा प्रणाली तथा प्राकृतिक योग चिकित्सकों को हरियाणा प्रदेश की भांति संरक्षण दिए जाने तथा मान्यता प्रदान करने की योजना है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

शासन द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को मान्यता प्रदान की जा चुकी है । प्रश्न नहीं उठता ।

स्वास्थ्य विभाग, जनपद आगरा में 15 वर्ष से कार्यरत लिपिकों के स्थानान्तरण की मांग

54—श्री कृष्ण कुमार नवमान—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि स्वास्थ्य विभाग, जनपद आगरा में ऐसे कितने लिपिक कर्मचारी कार्यरत हैं जिनका 15 वर्ष से स्थानान्तरण नहीं हुआ है और उन्हें एक ही स्थान पर कार्यरत रहते 15 वर्ष से अधिक समय हो चुका है ? शासन की नीति के अनुसार इनका स्थानान्तरण कब तक कर दिया जायेगा ?

श्री मुख्तार अनीस—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

मण्डलीय अपर निदेशकों तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं कि वे 5 वर्ष से अधिक एक पद पर कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों को तत्काल उनके काउन्टर से अन्यत्र स्थानान्तरित कर दें ।

गोण्डा जिले में तकनीकी खराबियों के कारण राजकीय नलकूपों के रख-रखाव की व्यवस्था

55—श्री दशरथ सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री को ज्ञात है कि गोण्डा जिले में लगभग आधे राजकीय नलकूप तकनीकी खराबियों, स्टार्टर के अभाव में तथा नाली टूटने के कारण बेकार हैं ? यदि हां, तो इन कूपों के रख रखाव की क्या व्यवस्था की जा रही है ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी नहीं ।

जनपद गोण्डा में स्टार्टर्स की कमी एवं जीर्ण-शीर्ण गूलों के कारण नलकूप बकार नहीं, बल्कि कुप्रभावित है ।

जनपद प्लान में प्राविधान के अनुसार नये स्टार्टर्स लगाने तथा जीर्ण-शीर्ण गूलों की मरम्मत का कार्यक्रम है ।

56—श्री अकबर हुसैन बाबर—

[पुनरावृत्ति के आधार पर निरस्त]

आजमगढ़ जनपद की दो महत्वपूर्ण नदियों की सफाई विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

57—श्री पंचानन राय—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आजमगढ़ जनपद की दो पुरानी महत्वपूर्ण नदियों की सफाई से संबंधित प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 11 जनवरी, 90 शासन को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी है ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां ।

सामान्यत: नदियों की सफाई कराने की शासन की कोई नीति नहीं है परन्तु प्रश्नकर्ता के पत्र में उल्लिखित छोटी सरयू (लाट घाट) से सहराज तक केवल टंक एवं ताल सलोना (आजमगढ़) से सिकन्दरपुर तक डोमनी ड्रेन की सफाई क्रमश: अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड मऊ एवं शारदा सहायक खण्ड-32, आजमगढ़ द्वारा कराई जा चुकी है ।

आजमगढ़ जनपद में शारदा सहायक की दोहरी घाट लिंक कैनाल की पटरी को पक्की सड़क में परिवर्तित किये जाने विषयक पत्र

58—श्री पंचानन राय—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आजमगढ़ जनपद में शारदा सहायक की दोहरीघाट लिंक कैनाल की पटरी को पक्की सड़क में परिवर्तित किये जाने से संबंधित प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 21-12-89 शासन को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी है ?

श्री रेवती रमण सिंह—

माननीय सदस्य जी का पत्र दिनांक 21-12-89 प्राप्त हुआ प्रतीत नहीं होता ।

जनपद आजमगढ़ में शारदा सहायक के दोहरीघाट लिंक नहर की पटरी को पक्की सड़क में परिवर्तित किये जाने का कोई प्राविधान शारदा सहायक परियोजना के अंतर्गत नहीं है और न ही नहर की पटरियों को पक्की सड़क में परिवर्तित करने का कार्य ही सिंचाई विभाग द्वारा कराया जाता है ।

जनपद चमोली में बोला-नन्दप्रयाग जल विद्युत परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव

59—श्री कुंवर सिंह नेगी—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चमोली में बोला-नन्दप्रयाग जल विद्युत परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है ? यदि हां, इस परियोजना पर कब तक निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा ? योजना निर्माण में विलम्ब के क्या कारण है ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जनपद चमोली में बोवाला नन्दप्रयोग जल विद्युत परियोजना विद्युत सेक्टर में प्रस्तावित है जिस पर वर्तमान में केवल प्रारम्भिक अनुसंधान कार्य प्रगति पर है । इस परियोजना के प्राक्कलन पर्यावरण स्वीकृति आदि पर अभी तक अन्तिम निर्णय नहीं लिया गया है । परियोजना पर पुनरीक्षित रिपोर्ट एवं प्राक्कलन वर्ष 1991-92 तक केन्द्रीय जल आयोग को भेजा जाना प्रस्तावित है ।

60–श्री राम पाल वर्मा–

[आश्वासन समिति के विचाराधीन होने के कारण निरस्त]

घोसी विधान सभा क्षेत्र जनपद मऊ में राजकीय नलकूपों की संख्या एवं खराब नलकूपों को ठीक कराने की व्यवस्था

61–श्री सुबास–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वर्तमान समय में घोसी विधान सभा क्षेत्र जनपद मऊ में कितने राजकीय नलकूप हैं ? उन नलकूपों में कितने कार्य नहीं कर रहे हैं ? सिंचाई व्यवस्था को ठीक कराने हेतु उन राजकीय नलकूपों को ठीक कराने की व्यवस्था कब तक की जायेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह–

घोसी विधान सभा क्षेत्र में कुल 81 राजकीय नलकूप तथा तीन पब्लिक नलकूप हैं ।

4 नलकूप कार्य नहीं कर रहे हैं ।

एक नलकूप का पुनः छिद्रण कराया गया है, एक का पुनः छिद्रण इसी वर्ष किया जाना है । शेष दो नलकूपों के पुनः निर्माण/परित्याग के संबंध में परीक्षण कराया जा रहा है ।

श्री कृपाल यादव, लैब टेक्नीशियन, फिजियालोजी विभाग किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ को न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में श्री हर नारायण विधायक का पत्र एवं कार्यवाही

62—श्री सुखबीर सिंह तथा श्री ज्वाला प्रसाद याददद—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि श्री राम कृपाल यादव,, लैब टेक्नीशियन, फिजियालोजी विभाग, किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ को माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 8-5-89 के अनुपालन में दिनांक 17-9-79 से बकाया धन के भुगतान किये जाने के संबंध में श्री हर नारायण विधायक, पूरनपुर, पीलीभीत का कोई शिकायती पत्र उनको दिनांक 17-1-90 को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो क्या उक्त कर्मचारी को बकाया धनराशि का भुगतान कर दिया गया है ? यदि नहीं, तो क्यों ? इसके लिए कौन अधिकारी उत्तरदायी है और उसके विरुद्ध अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

बकाया भुगतान का मामला शासन के विचाराधीन है ।

गाजियाबाद जनपद में हापुड़ नगर की पर्यावरण समस्या पर आयुक्त मेरठ मण्डल के अधीन गठित समिति

63–श्री गजराज सिंह–

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि गाजियाबाद जनपद में हापुड़ नगर की पर्यावरण समस्या पर आयुक्त मेरठ मण्डल के अधीन कोई समिति गठित की गई थी ? यदि हां, तो समिति की संस्तुति पर शासन ने अब तक क्या कार्यवाही की ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां । समिति की संस्तुति के अनुसार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा हापुड़ नगर में स्थित बोन मिलों एवं सरेस इकाइयों को जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु समुचित व्यवस्था करने हेतु निर्देश दिये गये हैं ।

मुख्य चिकित्साधिकारी आजमगढ़ के अधीन कार्यरत जिला प्रसार शिक्षण जनपद आजमगढ़ के वाहन का शराब ढोने के जुर्म में पकड़ जाना एवं कृत कार्यवाही

64–श्री यदुनाथ सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी आजमगढ़ के अधीन कार्यरत जिला प्रसार शिक्षक जनपद आजमगढ़ का वाहन संख्या यू0 आर0 यू0 5952 अवैध रूप से शराब ढोने के जुर्म में दिनांक 7/8-8-86 को रात्रि 1.30 बजे थाना मोहम्मदाबाद की पुलिस द्वारा पकड़ा गया था तथा वाहन थाने में बन्द था ? क्या यह भी सत्य है कि जिला योजना समिति की बैठक में माननीय विधायकों द्वारा सर्व सम्मति से इस कार्य के जांच हेतु पारित प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हुआ था ? सरकारी वाहन के दुरुपयोग के दोषी अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध क्या प्रशासनिक कार्यवाही की की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

जी हां । जिला योजना समिति द्वारा पारित प्रस्ताव मुख्य चिकित्सा अधिकारी आजमगढ़ को प्राप्त हुआ था ।

दोषी कर्मचारियों को वाहन के दुरुपयोग के अभियोग में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निलम्बित कर दिया गया था किन्तु न्यायालय के आदेशानुसार उन्हें सेवा में बहाल कर दिया गया है । शेष का प्रश्न नहीं उठता ।

बांदा जनपद में ग्राम दंवकली के पास ओहन नदी में लिफ्ट नहर के निर्माण का प्रस्ताव

65–श्री रामप्रसाद सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बांदा जनपद की कबीं तहसील अंतर्गत ग्राम दंवकली के पास ओहन नदी में खरीफ की फसलों की सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु वर्ष में 31 दिसम्बर, के पूर्व यहां पर पानी की उपलब्धता का सर्वे कराकर लिफ्ट नहर लगाकर बरुआ नहर शाखा की फीडर बनायी जायेगी ? यदि हां, तो नयी लिफ्ट योजना लगाने का निर्णय कब तक ले लिया जावेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रंवती रमण सिंह–

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

बांदा जनपद में ग्राम दंवकली के पास ओहन नदी में लिफ्ट नहर के निर्माण का कोई प्रस्ताव शासन के विचाराधीन नहीं है ।

माननीय मंत्री गण, विधायकों तथा शासन एवं जनपद अधिकारियों से महानिदेशक, निदेशक प्रशासन स्वास्थ्य चिकित्सा को प्रेषित डाक पत्रों के गायब किये जाने विषयक पत्र

66–श्री मुक्तिनाथ–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बतायेंगे की माननीय मंत्रीगण विधायकों तथा शासन एवं जनपद अधिकारियों से महानिदेशक, निदेशक प्रशासन स्वास्थ्य एवं चिकित्सा को प्रेषित डाक (पत्रों) को गायब करने विषयक स्वामी नेमपाल सिंह, श्री शारदानन्द अंचल एवं श्रीरामचन्द्र बख्श सिंह, विधायकगण के पत्र दिनांक 10-1-90, 11-1-90 एवं 29-1-90 महानिदेशक, निदेशक प्रशासन व अपर निदेशक नियोजन तथा निदेशक परिवार कल्याण को प्राप्त हुए? यदि हां, तो क्या इस प्रकरण की जांच कराई जायेगी एवं दोषी को दण्डित किया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

जिला परिषदीय गैर सरकारी आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों के प्रान्तीयकरण के फल-स्वरूप जनपद बरेली के शाही धनेटा एवं राजपुर कला के चिकित्सालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन आदि के निस्तारण का मामला

67–श्री भूपेन्द्र नाथ शर्मा–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि शासनादेश संख्या 2948 सके–9/पांच-24/86, दिनांक 3-11-86 द्वारा जिला परिषदीय गैर सरकारी आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों के प्रान्तीयकरण के फलस्वरूप जनपद बरेली के शाही धनेटा एवं राजपुर कला के चिकित्सालयों के चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारीगणों के नियमितीकरण, वेतन निर्धारण, स्थायीकरण, सरकारी सेवा में समायोजन अवकाश आदि प्रकरण अभी तक पूरा नहीं किया गया ? यदि हां, तो क्यों ? यह प्रकरण सरकार कब तक पूरा कर देगी ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां । गैर सरकारी चिकित्सालयों के प्रान्तीयकरण के फलस्वरूप चिकित्साधिकारियों/कर्मचारियों के विनियमितीकरण आदि मामलों के निस्तारण हेतु एक समित का गठन किया गया है जिसकी रिपोर्ट प्रतीक्षित है । समिति की रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर शीघ्र निर्णय लिया जायेगा ।

परगनाधिकारी केराकत तथा तहसीलदार केराकत जिला जौनपुर को ग्रामवासी श्री राम जतन सिंह पुत्र सूचत सिंह व अन्य का सूखती फसल की सिंचाई हेतु प्रार्थना-पत्र

68–श्री जसवन्त सिंह विष्ट–

क्या सरकार बताने की कृपा करेगी कि परगनाधिकारी केराकत तथा तहसीलदार केराकत, जि0 जौनपुर को क्रमशः 24-3-90 तथा 26-3-90 को ग्राम वासी श्री रामजतन सिंह पुत्र सूचत सिंह व अन्य का पत्र, जो सूखती फसल की सिंचाई हेतु कतिपय लोगों द्वारा पानी की नाली को पाटे जाने के संबंध में है प्राप्त हुआ है ? उक्त अधिकारियों द्वारा फसल को सूखने से बचाने हेतु तत्काल क्या उपाय किए गए ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या मंत्री जी यह भी बताने की कृपा करेंगे कि नाली पाटने के दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी? यदि नहीं, तो कब तक की जायेगी?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

परगनाधिकारी व तहसीलदार ने तात्कालिक रूप से थानाध्यक्ष चन्दबक को यह निर्देश दिये कि यदि श्री राम जतन सिंह की फसल की सिंचाई में कोई अवरोध उत्पन्न हो तो उसे दूर करें । परन्तु ग्राम कछवन के ही अन्य व्यक्तियों द्वारा यह अवगत कराये जाने पर कि श्री राम जतन सिंह सार्वजनिक मार्ग में अनावश्यक रूप से खोदकर नाली बना रहे हैं, अतः पूर्व के आदेशों को निरस्त करते हुये थानाध्यक्ष चन्दवक को यह आदेश दिये गये कि श्री राम जतन सिंह को सार्वजनिक चक मार्ग को क्षति पहुचा कर नाली का निर्माण न करने दिया जाय । श्री राम जतन सिंह ने पुनः एक प्रार्थना पत्र अपनी फसल की सिंचाई हेतु दिया । इस संबंध में जांच कराने पर यह पाया गया कि श्री सिंह अवैध रूप से सार्वजनिक चक मार्ग को क्षतिग्रस्त करके नाली सिंचाई हेतु ले जाना चाहते हैं, जबकि पम्पिंग सेट उनके खेत से लगा हुआ है और उस पंपिंग सेट से चक मार्ग को छोड़कर किसी भी अन्य तरफ से नाली बनाकर सिंचाई की जा सकती है । जांच में यह भी पाया गया कि अपने पड़ोसी श्री रामा सिंह को दरवाजे तक इस विकसित चक मार्ग से वाहन न ले जाने देने के अभिप्राय से ही यह नाली निकालने का प्रयास श्री राम जतन सिंह द्वारा किया गया ।

चूंकि किसी व्यक्ति द्वारा नाली नहीं पाटी गई वरन जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत चक मार्ग पर मिट्टी डालकर उसे विकसित किया गया, अतः किसी के दोषी होने का या किसी के विरुद्ध कार्यवाही करने का प्रश्न नहीं उठता ।

लछिमनपुर तथा दिनदासपुर माइनर सिंचाई खण्ड जौनपुर का खारजा बनाकर छतांव नाले में न गिराने के सम्बन्ध में निर्माण कार्य

69–श्री उग्रदल–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लछिमनपुर माइनर तथा दिनदासपुर माइनर जो सिंचाई खण्ड जौनपुर की है उसका खारजा बनाकर अब तक क्रमशः महाराजकोट

पिंडरा ड्रेन में पिंडराई के पास तथा छतावं नाले में हमीरापुर के पास न गिराने का क्या कारण है ? क्या यह सही है कि खारजा न बनाने से सैकड़ों बीघा मच्छाताल में तथा दिनदासपुर, सहमलपुर, छतावं में पानी भर जाता है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसकी जांच कराकर जल्द से जल्द खारजा बनवाने की कार्यवाही करेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह–

सिंचाई खण्ड जौनपुर के अन्तर्गत पिंडरा राजबहा (लछिमनपुर माइनर नहीं) की टेल महराजकोट-पिण्डरा ड्रेन में तथा दिनदासपुर माइनर की टेल छतावं नाले में मिलाने के लिए टेल स्केप (खारजा) निर्मित है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

ग्राम सभा चन्दनपारा में पुलिया का निर्माण तथा ग्राम मोहीउद्दीनपुर जनपद फैजाबाद में माइनर की खुदाई कराने के सम्बन्ध में पत्र

70–श्री अकबर हुसैन बाबर–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र दि0 16-3-88 व 20-5-88 जो कि ग्राम सभा चन्दन पारा में पुलिया का निर्माण तथा ग्राम मोहीउद्दीनपुर जनपद फैजाबाद में माइनर की खुदाई कराने के सम्बन्ध में है तत्कालीन सिंचाई मंत्री को मिला है? यदि हां, तो क्या पुलिया का निर्माण तथा माइनर की खोदाई का कार्य पूरा हो गया है? यदि नहीं, तो इसके लिए कौन अधिकारी दोषी है तथा उसके विरुद्ध शासन ने क्या कार्यवाही की?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां । ग्राम सभा चन्दन पारा में पुलिया का निर्माण कार्य तथा ग्राम मोहीउद्दीन पुर जनपद फैजाबाद में लक्ष्मणपुर अल्पिका का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

मच्छाताल से निकलने वाली महाराज कोट पिंडरा ड्रेन पर पुल बनाने का प्रस्ताव एवं रेगुलेटर लगाकर सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग

71–श्री ऊदल–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मच्छाताल से निकलने वाली महाराज-कोट पिंडरा ड्रेन, पिंडरा ड्रेन, तथा मच्छाताल ड्रेन जिला वाराणसी जो सिंचाई खण्ड जौनपुर से सम्बन्धित है उसमें पिंडराई (चुप्पेपुर) व मानापुर पिंडरा तथा पिंडरा ड्रेन में उसरा सहित पिंडरा एवं देवराई तथा मच्छाताल ड्रेन में झंझौर में आवागमन हेतु पक्का पुल बनाने पर सरकार विचार करेगी और रेगुलेटर लगाकर सिंचाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगी ? क्या यह सही है कि उपरोक्त नालों में पुल व रेगुलेटर के लिए जिलाधिकारी, वाराणसी के द्वारा धन उपलब्ध कराया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त धन के खर्च की यथोचित व्यवस्था करायेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह–

सिंचाई खण्ड जौनपुर से सम्बन्धित महाराजकोट-पिडरा ड्रेन पर पिंडराई में, पिंडरा ड्रेन पर उसरा, पिंडरा व देवराई में तथा मच्छाताल ड्रेन पर झंझौर में पुलों का निर्माण प्रस्तावित है महाराजकोट पिंडरा ड्रेन पर मानापुर-पिंडरा में पुल बनाने का प्रस्ताव

नहीं है । नालों पर रेगुलेटर लगाकर सिंचाई व्यवस्था की कोई योजना नहीं है । उपरोक्त नालों में से केवल पिंडरा ड्रेन पर उसरा के पास पुल निर्माण हेतु जिलाधिकारी, वाराणसी द्वारा धन उपलब्ध कराया गया है तथा यह पुल निर्माणाधीन है अन्य पुलों अथवा किसी रेगुलेटर के लिए जिलाधिकारी, वाराणसी द्वारा धन उपलब्ध नहीं कराया गया है । सरकार उक्त धन के समुचित उपयोग के प्रति सजग है ।

बाबतपुर राजबहा से निकलने वाली, सोनपुरवा माइनर एवं अकोड़ा माइनर जिला वाराणसी की अधूरी माइनरों को पूर्ण करने व किसानों को मुआवजा देने की कार्यवाही

72–श्री उदल–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बाबतपुर राजबहा से निकलने वाली, सोनपुरवा माइनर केथेउली माइनर एवं अकोड़ा माइनर, जिला वाराणसी अधूरी खोदकर छोड़ दी गयी है? क्या यह सही है कि ये माइनर पांच वर्ष पहले से ही अधूरी है और किसानों को जमीन का मुआवजा भी नहीं दिया गया है? क्या सरकार इसकी जांच करायेगी और अवरोधों को दूर कर माइनरों की खुदाई जल्द पूरी का देगी?

श्री रेवती रमण सिंह–

जनपद वाराणसी में बाबतपुर राजवाहे से निकलने वाले अनेई राजबहा (सोनपुरवा माइनर नहीं) कैथोली माइनर तथा अकौड़ा माइनर विगत लगभग 5 वर्षों से निर्माणाधीन है, किसानों को भूमि मुआवजा देने के लिये भूमि अध्याप्ति की कार्यवाही प्रगति में है। भूमि अध्याप्ति हो जाने तथा प्रतिकर वितरण करने के पश्चात् नहरों का निर्माण पूर्ण किया जा सकेगा ।

कालागढ़ बांध, जनपद गढ़वाल के बाद काली भवन की संख्या एवं उन भवनों को काबिज लोगों को दिये जाने की मांग

73–श्री भारत सिंह रावत–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कालागढ़ बांध, जनपद गढ़वाल के पूर्ण होने के बाद कितने भवन खाली हैं? क्या यह सत्य है कि उन भवनों में आवासहीन भूतपूर्व सैनिकों व अन्य सेवा निवृत्त लोगों का कब्जा है? यदि हां, तो क्या सरकार उन भवनों को काबिज लोगों को देगी?

श्री रेवती रमण सिंह–

कालागढ़ बांध जनपद गढ़वाल के निर्माण के समय कुल 4115 आवासीय भवनों का निर्माण किया गया था । वर्तमान समय इन भवनों की स्थिति निम्न प्रकार है:-

1–उन भवनों की संख्या जिन पर वैधानिक कब्जा है ।	1870
2–उन भवनों की संख्या जो भूमि सहित वन विभाग को हस्तान्तरित कर दिये गये हैं ।	1195
3–क्षतिग्रस्त भवनों की संख्या ।	465
4–उन भवनों की संख्या जिन पर अवैधानिक कब्जा है ।	585

जी हां । उपरोक्त क्रम संख्या 4 में उल्लिखित 585 भवनों में से 24 भवनों पर भूतपूर्व सैनिकों व अन्य सेवा निवृत्त कर्मचारियों का अवैधानिक कब्जा है ।

जी नहीं । यह नियमानुसार सम्भव नहीं है ।

आजमगढ़ जनपद के बिलरियागंज विकास खण्ड में बरेही ड्रेन पर पुलिया निर्माण का प्रस्ताव

74—श्री पंचानन राय—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आजमगढ़ जनपद के बिलरियागंज विकास खण्ड में शारदा सहायक खण्ड 32 द्वारा निर्मित बरेही ड्रेन पर किन-किन स्थानों पर पुलिया के निर्माण का प्रस्ताव है ? इनमें से कहां-कहां निर्माण हो चुका है और शेष का निर्माण कब तक कर दिया जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह—

आजमगढ़ जनपद के बिलरियागंज एवं हरैया विकास खण्ड में शारदा सहायक खण्ड-32, आजमगढ़ द्वारा निर्मित बरेही ड्रेन पर कि0 मी0 1-400, 3-200, 4-500, 6-400 पर ग्रामीण पुल तथा 7-500 पर पैदल पुलिया का निर्माण प्रस्तावित है ।

कि0मी0 1-400, कि0मी0 3-200, कि0मी0 4-500 पर पुल निर्मित हो चुका है ।

कि0मी0 6-400 पर ग्रामीण पुल तथा कि0मी0 7-500 पर पैदल पुलिया का निर्माण अवशेष है । अवशेष दोनों पुलों का निर्माण धन की उपलब्धता के अनुसार यथाशीघ्र कराया जाएगा ।

जिला अस्पताल देवरिया में कार्यरत कर्मचारियों, अधिकारियों को स्थानान्तरित किये जाने का विचार

75—श्री सुरेश यादव—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला अस्पताल देवरिया में पांच वर्षों से अधिक अवधि के कितने कर्मचारी एवं अधिकारी कार्यरत हैं ? क्या सरकार 5 वर्ष से अधिक अवधि से कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

लिपिकीय संवर्ग के श्री पौहारी शरण श्रीवास्तव वरिष्ठ सहायक 5 वर्ष से ऊपर जिला अस्पताल देवरिया में कार्यरत हैं ।

उनका स्थानान्तरण दिनांक 24-4-90 में जनपद सिद्धार्थ नगर को कर दिया गया है। शेष का प्रश्न नहीं उठता ।

देवरिया जनपद की सलेमपुर तहसील में छोटी गण्डक के किनारे बने अधूरे बन्धे को पूरा कराने की मांग

76—श्री सुरेश यादव—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सरकार देवरिया जनपद की सलेमपुर तहसील में छोटी गण्डक के किनारे सन् 1977 से 1980 के बीच तत्कालीन सरकार द्वारा निर्मित अधूरे बन्धे को पूरा कराकर बरसात से पूर्व गांवों को बचाने का प्रबन्ध करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

वर्ष 1977 से 1980 तक स्वीकृत सभी बन्धों का कार्य पूर्ण करा लिया गया है । प्रश्न ही नहीं उठता ।

गाजियाबाद क्षेत्र की दहेरा नहर पर ग्राम नगला व ग्राम चौना के बीच पुल के निर्माण की मांग

77—श्री सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि गाजियाबाद क्षेत्र की दहेरा नहर पर ग्राम नगला व ग्राम चौना के बीच पुल का निर्माण किया जायेगा ? यदि हां, तो कब तक ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

78—श्री मिठाई लाल शास्त्री—

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

जनपद बस्ती के विकास खण्ड बनकटी के ग्राम बजहा के आस-पास प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किये जाने की मांग

79—श्री अकबर हुसैन बाबर—

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि जनपद बस्ती के विकास खण्ड बनकटी के ग्राम बजहा के आस-पास 6 कि0 मी0 की दूरी में कोई भी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ का नाम बदलकर नेता जी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कालेज लखनऊ एवं डफरिन अस्पताल लखनऊ का नाम बदलकर रानी लक्ष्मी बाई महिला चिकित्सालय रख जाने पर विचार

80—श्री रविदास मेहरोत्रा—

क्या स्वास्थ्य मंत्री को यह जानकारी है कि किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ का नाम बदलकर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज लखनऊ और डफरिन अस्पताल लखनऊ का नाम बदलकर रानी लक्ष्मीबाई महिला चिकित्सालय रखा जाना शासन के विचाराधीन है ? यदि हां, तो उस पर कब तक निर्णय ले लिया जायेगा ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, के0 जी0 मेडिकल लखनऊ व डफरिन अस्पताल, लखनऊ का नाम बदलने का प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है जिस पर निर्णय लेने में समय लगेगा, क्योंकि इस विषय में न्यायिक बिन्दु भी निहित है ।

स्व0 डाक्टर मुहम्मद जमील जुबैरी रिटायर्ड मेडिकल आफिसर की विधवा को पारिवारिक पेंशन की मांग

81—श्री मुईद अहमद—

क्या सरकार कृपया बतायेगी कि स्वर्गीय डाक्टर मुहम्मद जमील जुबैरी, रिटायर्ड मेडिकल आफिसर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शाहगंज, जौनपुर, जिनकी मृत्यु

लगभग पांच वर्ष पूर्व हो गयी थी, की विधवा श्रीमती सफिया बेगम को अभी तक पारिवारिक पेंशन नही दी गयी है ? यदि हां, तो उन्हें पेंशन कब तक दी जायेगी ? क्या सरकार विलम्ब के लिए उत्तरदायी अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, पारिवारिक पेंशन का प्राविधान दिनांक 1-5-86 को हुआ । सुश्री सफिया बेगम का प्रार्थना पत्र दिनांक 29-12-88 को प्राप्त हुआ । औपचारिकतायें पूर्ण करायी जा रही है । औपचारिकतायें पूर्ण हो जाने पर पारिवारिक पेंशन नियमानुसार स्वीकृत की जायेंगी । शेष का प्रश्न नहीं उठता है ।

नलकूप अनुरक्षण खण्ड, देवरिया के अधीन राजकीय नलकूप सलेमपुर के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

82—श्री हरवंश सहाय—

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि नलकूप अनुरक्षण खण्ड, देवरिया के अधीन राजकीय नलकूप संख्या-87 समूह सलेमपुर के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 9-2-90 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां ।

चालू वित्तीय वर्ष में कार्यवाही की जा रही है ।

श्री जोधा लाल अधिशासी अभियन्ता (सिंचाई) निर्माण खण्ड द्वितीय झांसी के विरुद्ध प्रश्नकर्ता का शिकायती पत्र एवं कार्यवाही

83—श्री रवीन्द्र शुक्ल—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जोधा लाल अधिशासी अभियन्ता (सिंचाई) निर्माण खण्ड द्वितीय झांसी के विरुद्ध प्रश्नकर्ता का शिकायती पत्र दिनांक 30-3-90 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो वह क्या है तथा उस पर अब तक क्या कार्यवाही हुई ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां । उक्त पत्र में श्री जोधा लाल अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई निर्माण खण्ड-2 झांसी पर लहचूरा बांध के नीचे घसान नदी पर काजवे तथा एप्रोच ग्रेड पर निर्माण कार्य में कमीशनखोरी, सरकारी धन के दुरुपयोग तथा फर्जी भुगतान की अनियमितताओं के आरोप लगाये गये हैं ।

इस संबंध में जांच हेतु प्रमुख अभियन्ता (जांच) को दिनांक 23 अप्रैल, 1990 को निर्देश दिये जा चुके हैं ।

जनपद टिहरी गढ़वाल में इन्स्ट्रूमेन्टेशन फैक्ट्री स्थापित करने के प्रस्ताव को क्रियान्वित करने हेतु अधिग्रहीत की गयी भूमि के मुआवजा की मांग

84—श्री उदल—

विधान सभा के द्वितीय सत्र 1988 के पहले बुधवार के लिए निर्धारित श्री राम सजीवन के अतारांकित प्रश्न संख्या 121 व 122 के उत्तर के संदर्भ में क्या सिंचाई मंत्री

बताने की कृपा करेंगे कि गाटा संख्या 769 का क्षेत्रफल 3डी0 जो अर्जित किया जाना था, क्या अर्जित करके मुआवजा दे दिया गया है और गाटा संख्या 857 से 0,085 एकड़ भूमि पर मुआवजा दे दिया गया ? क्या मंत्री जी यह भी बतायेंगे कि धारा-4/1 व 6/1 के अन्तर्गत विज्ञप्ति प्रदर्शित की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

गाटा संख्या-769 में 0.03 एकड़ तथा गाटा संख्या-857 (नया बन्दोबस्ती नं0-649) में 0.086 एकड़ भूमि अध्याप्ति हेतु धारा-4 (1) के अन्तर्गत विज्ञप्ति दिनांक 4-2-89 को जारी कर राजकीय गजट दिनांक 8-7-89 में प्रकाशित हुई । धारा-6 (1) के अन्तर्गत विज्ञप्ति दिनांक 2-3-90 द्वारा जारी की गई है । विज्ञप्ति के प्रकाशन तथा अभिनिर्णय घोषित करने के बाद प्रतिकर का वितरण विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी द्वारा किया जायेगा । मुआवजा का भुगतान अभी नहीं हुआ है ।

जनपद बांदा में राजकीय नलकूप लगवाने के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री के माध्यम से पत्र एवं कार्यवाही

85–डाक्टर सुरेन्द्र पाल वर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र दि0 2 फरवरी, 1990 बांदा जनपद में राजकीय नलकूप लगवाने के संबंध में मुख्य मंत्री उ0 प्र0 शासन के माध्यम से जिसे सचिव सिंचाई को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया प्राप्त हुआ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही हुई ? कहां कहां ट्यूब वेल कराये गये ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

ब्लाक महुआ एवं नरैनी ब्लाक में भूमि सामान्यतः पठारी है जिसमें राजकीय नलकूप सामान्यतः नहीं बन पाते । अतः पत्र में उल्लिखित ग्रामों के क्षेत्रों के पास ही ब्लाक महुआ में जरर एवं ब्लाक नरैनी में ग्राम परसहर में अन्वेषणात्मक छिद्रण करने हेतु केन्द्रीय भूगर्भ जल सर्वेक्षण परिषद् को साइटें उपलब्ध करा दी गई हैं ।

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बांदा नगर के चिकित्सक डा0 देवेन्द्र स्वरूप निगम की अनियमितताओं के सम्बन्ध में पत्र एवं कार्यवाही

86–डाक्टर सुरेन्द्र पाल वर्मा–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता का दि0 7-3-1990 का पत्र जो बांदा जनपद के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बांदा नगर के चिकित्सक डा0 देवेन्द्र स्वरूप निगम की अनियमितताओं के संबंध में था, प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो किस अधिकारी ने उसकी जांच की और दोषी चिकित्सक के विरुद्ध क्या कार्यवाही हुई ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां । प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में आयुर्वेद/यूनानी निदेशालय के उपनिदेशक (शोजना) द्वारा जांच करायी जा रही है और इस बीच डा0 देवेन्द्र स्वरूप निगम को जनपद बांदा से स्थानांतरित कर दिया गया है ।

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बसौदा जनपद बांदा के चिकित्सक डा0 राम लायक सिंह की अनियमितताओं के सम्बन्ध में पत्र

87–डाक्टर सुरेन्द्र पाल वर्मा–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता का दिनांक 7-3-90 का पत्र जो राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बसौदा जनपद बांदा के चिकित्सक डा0 राम लायक सिंह के अनियमितताओं के संबंध में था, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो किस अधिकारी ने उसकी जांच की और दोषी चिकित्सक के विरुद्ध क्या कार्यवाही हुई ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

प्राप्त शिकायतों की जांच हेतु जिला मजिस्ट्रेट बांदा को निर्देश दे दिये गये हैं एवं डा0 राम लायक सिंह को जनपद बांदा से स्थानान्तरित किये जाने हेतु भी निर्देश जारी किये जा चुके है ।

जनपद सोनभद्र के औद्योगिक क्षेत्रों में मलेरिया के कीटाणुओं के प्रकोप एवं मलेरिया रिसर्च सेन्टर की स्थापना

88–श्री विजय सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञात है कि जनपद सोनभद्र के औद्योगिक क्षेत्रों के मलेरिया के कीटाणुओं का प्रकोप आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी फैल गया है ? इसके रोकथाम के लिए क्या सरकार जनपद सोनभद्र के अनपरा-शक्तिनगर क्षेत्र में एक मलेरिया रिसर्च सेन्टर की स्थापना करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

इसकी रोकथाम के लिए पूरे क्षेत्र में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव व दवाइयां वितरित की गई है ।

मलेरिया रिसर्च सेन्टर की स्थापना प्रदेश सरकार द्वारा नहीं की जाती अपितु इण्डियन कौंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (मलेरिया रिसर्च सेन्टर) दिल्ली द्वारा देश में जहां उनके द्वारा आवश्यकता समझी जाती है, मलेरिया रिसर्च सेन्टर खोले जाते है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

कानपुर देहात जिले में नलकूपों के निर्माण में की गयी अनियमितताओं के सम्बन्ध में श्री केशरी लाल, संसद सदस्य का पत्र

89–श्री राम स्वरूप वर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि उन्हें कानपुर देहात जिले में लगे नलकूपों के निर्माण में की गयी अनियमितताओं के सम्बन्ध में श्री केशरीलाल, संसद सदस्य का 3-1-1990 का पत्र प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उसमें वर्णित आरोप क्या है और क्या सरकार ऐसे गम्भीर आरोपों की जांच टेक्निकल आडिट सेल से करायेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

माननीय सांसद महोदय ने अपने शिकायती पत्र में जनपद कानपुर कैनाल के नलकूपों पर पी0 वी0 सी0 पाइप, पी0 ग्रेवल, मोटर, कालम पाइप बेच लेने का आरोप लगाया है । उक्त 41 नलकूपों में 13 नलकूप पब्लिक नलकूप निर्माण मण्डल (सिंचाई) कानपुर के नियन्त्रणाधीन है तथा 28 राजकीय नलकूप, नलकूप मण्डल कानपुर के अन्तर्गत है, जिनका निर्माण वर्ष 1982 से अब तक विभिन्न चरणों में किया गया है ।

शिकायती पत्र में उल्लिखित शिकायतों की विभागीय जांच की जा रही है । विभागीय जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर ही टैक्निकल आडिट सेल से जांच कराये जाने पर विचार किया जा सकता है ।

श्री नन्द किशोर गुप्ता उप निदेशक स्वास्थ्य निदेशालय के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायत सम्बन्धी पत्र

90–श्री शारदानन्द अंचल–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि श्री नन्द किशोर गुप्ता उप निदेशक स्वास्थ्य निदेशालय के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच विषयक पत्र मुख्य मंत्री कार्यालय से प्रेषित पत्रांक सी0 एम0 वि0 को0 एम-1-कु0/259-394/90 दिनांक 29-3-90 द्वारा सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा एवं चिकित्सा विभाग को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

जमानिया तहसील, जनपद गाजीपुर में 'नइपा' गन्दे नाले से हो रहे किसानों के नुकसान को रोकने हेतु कार्यवाही की मांग

91–श्री रवीन्द्र कुमार सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री को यह जानकारी है कि जमानिया तहसील जनपद गाजीपुर में जमानिया से दवैथा तक अन्य भागों से बहता हुआ एक 'नइपा' गन्दा नाला है जिसमें हरबल्लभपुर माइनर, रामपुर माइनर, बघरी माइनर, मोहम्मदापुर माइनर लावाधावा माइनर, टुकवा माइनर एवं तालबाग आदि माइनरों का खर्जा पानी बहता है जिसमें 10 कि0 मी0 तक के क्षेत्र में लगभग 1200 एकड उपजाऊ जमीन नष्ट हो गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार इस नइपा गन्दे नाले को ठीक कराकर किसानों को हो रहे नुकसान को रोकने हेतु कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

जी नहीं, माइनरों से खारिज होने वाले पानी से कोई भूमि नहीं डूबती ।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्रश्न नहीं उठता ।

यह एक प्राकृतिक नाला है जिसका रख रखाव सिंचाई विभाग द्वारा नहीं किया जाता ।

तहसील जमानियां जनपद गाजीपुर में दवेरिया बेटावार (तिवारीपुर) माइनर के टेल बढ़ाये जाने की मांग

92–श्री रवीन्द्र कुमार सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री को यह जानकारी है कि तहसील जमानियां जनपद गाजीपुर में दवरिया बेटावर (तिवारीपुर) माइनर के टेल न बढ़ाये जाने के कारण लगभग एक हजार एकड़ उपजाऊ भूमि जलमग्न रहती है जिससे किसानों की अत्यधिक क्षति होती है? यदि हां, तो क्या टेल बढ़ाकर अटहठा नाले में पानी गिराये जाने का कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जायेगा? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रेवती रमण सिंह–

उपजाऊ भूमि के जलमग्न रहने के कारण किसी क्षति की जानकारी नहीं है । इसकी आवश्यकता प्रतीत नहीं होती । तिवारीपुर माईनर से टेल गूल की खुदाई कर कृषकों की मांग पर इसे चौरी माइनर से जोड़ दिया गया है, जो असाव ताल में गिरती है । असाव ताल का पानी नगसर नाले में से होकर गंगा नदी में जाता है ।

बलिया जनपद में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मृतक के आश्रितों के नियुक्ति सम्बन्धी मामले एवं कार्यवाही

93–श्री राम बचन धूसिया–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि जनपद बलिया के चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मृतक कर्मचारियों के कुल कितने आश्रितों को नियुक्ति के प्राकरण गत लगभग 10 वर्षों से लम्बित हैं ? क्या सरकार इस प्रकरणों की जांच कराकर विलम्ब के लिए दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों को दण्डित करेगी? यदि हां, तो कब तक? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस–

बलिया जनपद में मृतक के आश्रितों की नियुक्ति सम्बन्धी 20 मामले विगत 10 वर्षों से रजिस्टर में अंकित किये गये जिनमें से 4 मृतक अभ्यर्थियों को सेवायोजित कर दिया गया है । एक आश्रित को सेवायोजित करने के पूर्व औपचारिकतायें पूरी की जा रही हैं । शेष 15 आश्रित अभ्यर्थियों में से 6 अभ्यर्थियों को तृतीय श्रेणी के पद पर नियुक्ति हेतु शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुसार औपचारिकतायें पूरी की जा रही हैं । एक आश्रित अभ्यर्थी का मामला संयुक्त निदेशक मलेरिया उत्तर प्रदेश लखनऊ को सेवायोजित करने हेतु भेजा गया है अन्य 8 अभ्यर्थियों को जो चतुर्थ श्रेणी के पात्र हैं, के पद रिक्त होने पर नियुक्त किया जायेगा । उपरोक्त स्थिति में विलम्ब के लिये दोषी होने एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को दण्डित किये जाने का प्रश्न नहीं उठता है ।

जनपद वाराणसी में गोपाल पट्टी की कच्ची गूल के निर्माण हेतु किसानों की अधिग्रहीत की गयी भूमि का मुआवजा न दिये जाने के कारण

94–श्री राज किशोर सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद-वाराणसी में राजकीय नलकूप संख्या-82 बी0जी0 गोपालपट्टी की कच्ची, गूल के निर्माण हेतु मौजा रेवड़ा परसपर परगना भदोही, वाराणसी में किसानों की 8.329 एकड़ भूमि अधिग्रहीत कर ली गयी है?

यदि हां, तो गूल के निर्माण न होने व किसानों की अधिग्रहीत की गयी उक्त भूमि का मुआवजा न देने का कारण क्या है?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी नहीं । मात्र 0 329 एकड़ भूमि अधिग्रहीत करना प्रस्तावित था । 0.329 एकड़ भूमि में से केवल 0.206 एकड़ भूमि विभाग द्वारा उपयोग कर ली गई है, शेष 0.123 एकड़ भूमि को रिलिक्विस करने की कार्यवाही की जा रही है । भूमि अध्याप्ति अधिकारी को धन उपलब्ध करा दिया गया है परन्तु वितरण कार्यवाही मुख्य अध्याप्ति अधिकारी से अपेक्षित है ।

95–श्री राज किशोर सिंह–

[आश्वासन समिति के विचाराधीन होने के कारण निरस्त]

जनपद बांदा अन्तर्गत सूखाग्रस्त कर्वी तहसील क्षेत्र के लिए सिंचाई के साधन की योजना

96–श्री राज किशोर सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बांदा अन्तर्गत सूखाग्रस्त कर्वी तहसील क्षेत्र व उससे सटे क्षेत्रों में सिंचाई के आधुनिक साधन की स्थायी व्यवस्था के लिए कोई योजना शासन के विचाराधीन है? यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है?

श्री रेवती रमण सिंह–

बांदा जनपद के अन्तर्गत कर्वी तहसील क्षेत्र व उससे सटे क्षेत्रों में सिंचाई की व्यवस्था हेतु निम्नलिखित योजनायें विचाराधीन हैं:–

(1) चिल्लीमल पम्प नहर की क्षमता वृद्धि योजना ।
(2) रसिन बांध योजना ।
(3) राजापुर पम्प नहर की क्षमता वृद्धि योजना ।
(4) बाधेन बांध योजना ।

इसके अतिरिक्त नलकूपों के निर्माण हेतु अन्वेषणात्मक छिद्रण कराने हेतु स्थल केन्द्रीय भूगर्भ जल परिषद् को उपलब्ध करा दिया गया है । रिपोर्ट प्राप्त होने पर नलकूप निर्माण सम्बन्धी योजना पर विचार किया जाना संभव होगा । पम्प नहरों के निर्माण की योजना विचाराधीन है जब कि अन्वेषणात्मक छिद्रण हेतु नलकूप के स्थल केन्द्रीय भूगर्भ जल परिषद् को उपलब्ध करा दिये गये हैं ।

आगरा में टर्मिनल रजबहा की पटरी डालने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

97–श्री विजय सिंह राणा तथा श्री बहादुर सिंह–

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का दिनांक 1-3-90 का पत्र जो आगरा में टर्मिनल रजवाह की पटरी पर सड़क डालने के सम्बन्ध में है उन्हें प्राप्त हुआ? शासन का अन्तिम निर्णय क्या है? क्या सड़क डाली जायेगी? यदि हां, तो कब और उस पर क्या कार्यवाही की गयी? प्रश्नगत सड़क कब तक बन जायेगी?

श्री रेवती रमण सिंह–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

श्री बेनी प्रसाद माधव निवासी बुलन्दशहर का सिंचाई मंत्री को सम्बोधित अधिशासी अभियंता से अधीक्षण अभियन्ता (यान्त्रिक) के पद पर पदोन्नति विषयक पत्र

98–श्री रवीन्द्र नाथ तिवारी–

क्या सरकार कृपया बतायेगी कि श्री बेनी प्रसाद माधव निवासी बुलन्दशहर का सिंचाई मंत्री को सम्बोधित दिनांक 23-3-90 का पत्र जिसमें अधिशासी अभियन्ता (यांत्रिक) से अधीक्षण अभियन्ता (यांत्रिक) के पद पर पदोन्नति के बारे में चयन समिति के सदस्य श्री नाजिम अली शैदा के विरुद्ध अनियमितता, भ्रष्टाचार और पक्षपात की गम्भीर शिकायत की गयी है, मिल गया है? यदि हां, तो पूरे तथ्य और उस पर अब तक की कृत कार्यवाही का विवरण क्या है?

श्री रेवती रमण सिंह–

श्री बेनी प्रसाद माधव, निवासी बुलन्दशहर का तथाकथित शिकायती पत्र दिनांक 23-3-90 प्राप्त हुआ नहीं प्रतीत होता है । अतएव कोई कार्यवाही करने का प्रश्न नहीं उठता ।

99–श्री गजराज सिंह–

[2रे बुधवार में अता0 प्र0 सं0 161 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेंहदावल के कर्मचारियों को पूरा वेतन नकदीकरण आदि की सुविधा न मिलने विषयक उत्तरदायी के विरुद्ध कार्यवाही

100–श्री चन्द्र शेखर सिंह (बस्ती)–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेंहदावल के कर्मचारियों को पूरा वेतन नगदीकरण आदि की सुविधा अभिलेखों के अभाव में नहीं मिल पा रही है? यदि हां, तो क्यों? इसके लिए उत्तरदायी के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है।

बहुधन्धी कार्यकर्ता योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को समायोजित करके रोजगार प्रदान करने की मांग

101–श्री रवीन्द्र नाथ तिवारी–

क्या सरकार कृपया बतायेगी कि बहुधन्धी कार्यकर्ता योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्य कर्ताओं को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कब तक समायोजित करके रोजगार प्रदान कर दिया जायेगा ?

श्री मुख्तार अनीस–

प्रदेश के सीमित संसाधनों को दृष्टिगत रखते हुए योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के पदों का सृजन नहीं हो सका । जिसके परिणाम स्वरूप प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की नियुक्तियां नहीं की जा सकीं । आठवीं पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार द्वारा इस योजना के अन्तर्गत परिव्यय उपलब्ध हो जाने पर और पदों के सृजन पर विचार किया जायगा ।

उ0प्र0 राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना के अन्तर्गत लापता श्री नरसिंह पाल सिंह पुत्र श्री कुंवर पाल सिंह चौकीदार नलकूप खण्ड प्रथम अलीगढ़ की बीमा राशि

102–श्री कृष्ण कुमार नवमान–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना के अन्तर्गत, श्री नरसिंह पाल सिंह पुत्र श्री कुंवर पाल सिह, चौकीदार नलकूप खण्ड प्रथम अलीगढ़ जो 1978 में अलीगढ़ में हो रहे व्यापक दंगों के समय लापता हो गये थे कि बीमा राशि उनके आश्रितों को 12 वर्ष बाद भी नहीं मिल पाई है? यदि हां, तो क्यों और उक्त धनराशि उनके आश्रितों को कब तक मिल पायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां । इनका प्रकरण संयुक्त निदेशक, उ0प्र0 राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा निदेशालय लखनऊ के यहां विचाराधीन है । संयुक्त निदेशक से बीमें की राशि प्राप्त होने पर आश्रितों को दिया जाना संभव होगी ।

जनपद अलीगढ़, तहसील कोल में पलड़ा राजबहा पर आवागमन हेतु ग्राम-खेड़ा खुर्द के समीप सार्वजनिक मार्ग पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र

103—श्री कल्यान सिंह—

क्या सरकार बताने की कृपा करेगी कि जनपद अलीगढ़, तहसील कोल में पलड़ा राजबाहा पर आवागमन हेतु ग्राम–खेड़ा खुर्द के समीप सार्वजनिक मार्ग पर पुल के निर्माण के संबंध में प्रश्नकर्ता का दिनांक 27-12-89 का कोई पत्र शासन को प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? उक्त पुल कब तक बना दिया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

पलड़ा राजबहे के प्रश्नगत स्थल का निरीक्षण कराया गया । उक्त राजबहे के बायीं ओर ग्राम खेड़ाखुर्द व दायीं ओर ग्राम बहादुरपुर के बीच यातायात हेतु राजबहे पलड़ा पर पुल के निर्माण का प्रस्ताव बना लिया गया है ।

प्राक्कलन स्वीकृति व धन उपलब्ध होने पर पुल के निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया जा सकेगा ।

प्रश्न नहीं उठता ।

विकास खण्ड जवां, जिला अलीगढ़ के अन्तर्गत राजबहा पलड़ा के कुलावा के नीचे खारिज नाले पर पुलिया बनाए जाने के सम्बन्ध में पत्र

104—श्री कल्यान सिंह—

क्या सरकार कृपया बतायेगी कि विकास खण्ड जवां, जिला अलीगढ़ के अन्तर्गत राजबाहा पलरा के कुलावा नम्बर 116 के नीचे खारिज नाले पर पड़की एवं बहरामपुर के बीच सार्वजनिक आवागमन हेतु पुलिया अथवा फुटपाथ बनाये जाने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का दिनांक 18-12-89 का ज्ञापन सरकार को प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई ? यदि नहीं, तो क्यों ? उक्त पुलिया अथवा फुटपाथ कब तक बना दिया जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां । पलड़ा ड्रा (खारिज नाला नहीं) पर पुल के विषय में पत्र प्राप्त हुआ है ।

प्रश्नगत प्रस्ताव का परीक्षण कराया गया । पलड़ा ड्रेन के मील–3-2 फर्लांग 400 फीट पर एक ओर बसे ग्राम बहरामपुर व दूसरी ओर ग्राम पड़की के बीच आवागमन हेतु ग्रामीण पुल के निर्माण हेतु प्राक्कलन बनाये जाने का कार्य प्रगति पर है।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्राक्कलन के बनने एवं तत्पश्चात् स्वीकृत होने के बाद धन की उपलब्धता के अनुसार निर्णय लिया जाएगा ।

डा0 बृजमोहन गोयल, विभागाध्यक्ष, ट्यूबरकलोसिस एण्ड चेस्ट विभाग, झांसी मेडिकल कालेज द्वारा दूसरा विवाह किये जाने के संबंध में कार्यवाही

105—श्री ओम प्रकाश गुप्ता—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि डा0 बृज मोहन गोयल, विभागाध्यक्ष, ट्यूबरकलोसिस एण्ड चेस्ट विभाग, झांसी मेडिकल कालेज के सरकारी अभिलेखों में अपनी पत्नी का नाम श्रीमती प्रभा अग्रवाल अंकित किया गया है ? यदि हां, तो क्या उन्होंने वैधानिक रूप से सम्बन्ध विच्छेद किए बगैर गीता नामक लड़की से दूसरा विवाह किया है ? यदि हां, तो शासन ने सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के अन्तर्गत उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की है ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी नहीं ।

शेष का प्रश्न नहीं उठता है ।

श्री हर स्वरूप शर्मा संगणक, द्वादशम् मण्डल, सिंचाई कार्य, लखनऊ के विरुद्ध प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

106—श्री रवीन्द्र शुक्ल—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का दिनांक 5-4-90 का पत्र जो श्री हर स्वरूप शर्मा संगणक, द्वादशम् मण्डल, सिंचाई कार्य, लखनऊ के विरुद्ध है प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गयी ? दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां । मा0 मुख्य मंत्री को सम्बोधित मा0 विधायक का पत्र दिनांक 5-4-90 प्राप्त हुआ था । श्री हरस्वरूप शर्मा, संगणक, द्वादशम मण्डल, सिंचाई कार्य, लखनऊ के विरुद्ध मा0 विधायक के दो पत्र दिनांक 15-3-90 एवं 29-3-90 भी प्राप्त हुए हैं जिन पर प्रमुख अभियन्ता को जांच हेतु समुचित आदेश दे दिये गये हैं ।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, खीरी के विरुद्ध शिकायतों के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

107—श्री राम कुमार वर्मा—

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, खीरी के विरुद्ध शिकायतों के संबंध में प्रश्नकर्ता के पत्र दिनांक 16-2-90 सहित युवा मोर्चा (भा0 ज0 पा0) शाखा लखीमपुर खीरी के महामंत्री श्री अजय कुमार शुक्ला व अन्य द्वारा हस्ताक्षरित शिकायती पत्र शासन स्तर पर प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो मुख्य शिकायतें क्या हैं, उल्लिखित शिकायतों की जांच किस अधिकारी ने किया ? जांच रिपोर्ट क्या है व दोषी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, जनपद लखीमपुर खीरी के विरुद्ध क्या कार्यवाही हुई ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां ।

शिकायती पत्र में सम्बन्धित अधिकारी की जनपद खीरी में तैनाती की अवधि अधिक होने और उनके कार्यकाल में भवन निर्माण तथा क्रय विक्रय की जांच कराये जाने की अपेक्षा की गई है । जांच कराई जा रही है । सम्बन्धित अधिकारी का स्थानान्तरण वर्तमान सत्र में अन्य स्थान के लिए कर दिया गया है ।

राज्य कर्मचारियों को कल्याण निगम के डिपो के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रहा बजाज गाड़ियों पर बिक्रीकर कर की छूट

108—श्री राम पाल वर्मा—

क्या सरकार बतलायेगी कि राज्य कर्मचारियों को कल्याण निगम के डिपो के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही बजाज ग्रुप की प्रिया, बजाज सुपर व चेतक गाड़ियों पर बिक्रीकर की छूट समाप्त कर दी गई है ? यदि हां, तो क्यों ? क्या बजाज कब स्कूटर पर बिक्रीकर छूट राज्य कर्मियों को अब भी उपलब्ध है ? यदि नहीं, तो क्यों ? राज्य कर्मचारियों को पहले मिल रही प्रश्नगत सुविधा कब से प्रारम्भ की जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

जी हां ।

वित्त (बिक्री कर) अनुभाग–2 के शासनादेश सं0-7256 दिनांक 7 अक्टूबर, 1988 के द्वारा इन स्कूटरों पर बिक्रीकर की छूट समाप्त कर दिये जाने के कारण निगम द्वारा यह सुविधा कर्मचारियों को नहीं दी जा रही है ।

जी हां ।

इस पर बिक्रीकर की छूट अनुमन्य होने के कारण निगम द्वारा इसे कर्मचारियों को उपलब्ध कराया जा रहा है ।

उपरोक्त परिपेक्ष्य में सम्भव नहीं है ।

जिला झांसी तहसील मऊरानीपुर में लहचूरा ग्राम में धसान नदी से एक लिफ्ट सिस्टम नहर बनवाकर सिंचाई सुविधा की मांग

109—श्री प्रागी लाल अहिरवार—

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि जिला झांसी तहसील मऊरानी पुर में लहचूरा ग्राम में धसान नदी से एक लिफ्ट सिस्टम नहर बनवाने का सर्वे किया गया था ? यदि हां, तो क्या सरकार लिफ्ट सिस्टम लगवाकर किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्रश्न नहीं उठता ।

सिविल अस्पताल लिलीगंज फर्रुखाबाद में एक्स-रे मशीन का लाभ गरीबों को दिये जाने की मांग

110—श्री विमल प्रसाद तिवारी—

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सिविल अस्पताल लिलीगंज, फर्रुखाबाद में वर्तमान समय में उपलब्ध एक्स-रे मशीन का लाभ मरीजों को नहीं मिल पा रहा है ? यदि हां, तो इसका क्या कारण है तथा इन कारणों का निदान कब तक कर दिया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

सिविल अस्पताल लिलीगंज, फर्रुखाबाद में वर्तमान समय में कोई भी एक्सरे मशीन उपलब्ध नहीं है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

111—श्री दशरथ सिंह—

[1ले बुधवार में आता0 प्र0 सं0 11 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी में राजकीय ट्यूबवेल लगाये जाने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र

112—श्री चन्द्र विजय सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि 31 विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी में राजकीय ट्यूबेल लगाये जाने के संबंध में प्रश्नकर्ता द्वारा दि0 8-1-90 को दिया गया कोई पत्र उनको प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गई ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां ।

इस क्षेत्र का प्रारम्भिक सर्वेक्षण कराया गया । क्षेत्र उपलब्ध है किन्तु इस समय विद्युतीकृत नलकूप परियोजना द्वितीय चरण में निर्माण हेतु नलकूपों का कोई कलस्टर शेष नहीं है । इस लिए वर्तमान में अन्य कोई कार्यवाही करने का प्रश्न नहीं उठता ।

प्रश्न नहीं उठता ।

अलीगढ़ जनपद के अन्तर्गत दो उप स्वास्थ्य केन्द्र महमूदपुर एवं सिधौली के भवनों को निर्माण कराये जाने की मांग

113–श्री सुरेश प्रताप सिंह गांधी–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि अलीगढ़ जनपद के अन्तर्गत दो उप स्वास्थ्य केन्द्रों क्रमशः महमूदपुर व सिधौली के भवनों का स्वीकृत निर्माण कार्य, स्वास्थ्य विभाग द्वारा स0 नि0 वि0 भवन खण्ड अलीगढ़ को धनराशि हस्तान्तरित न किये जाने के कारण अभी तक नहीं कराया जा सका है ? यदि हां, तो इन उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का निर्माण कार्य कब तक पूरा करा दिया जायेगा ?

श्री मुख्तार अनीस–

अलीगढ़ जनपद के अन्तर्गत दो उप स्वास्थ्य केन्द्रों क्रमशः महमूदपुर एवं सिधौली के भवनों के निर्माण कार्य हेतु धनराशि की व्यवस्था सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा आय–व्ययक के अनुदान संख्या-74 में कराई गयी थी किन्तु धनराशि पर्याप्त मात्रा में न होने के कारण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा उपकेन्द्र के भवनों का निर्माण नहीं किया जा सका । चालू वित्तीय वर्ष में आवश्यक धनराशि की व्यवस्था सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कराई जा रही है । धनराशि की व्यवस्था हो जाने के पश्चात निर्माण कार्य पूरा हो सकेगा ।

प्रा0 स्वा0 केन्द्र सिकन्द्राराऊ जनपद अलीगढ़, पर होम्योपैथिक चिकित्सक की नियुक्ति की मांग

114–श्री सुरेश प्रताप सिंह गांधी–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बतलाने की कृपा करेंगे कि स्वास्थ्य विभाग ने प्रत्येक प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र पर एक होम्योपैथिक डाक्टर नियुक्त करने का निर्णय लिया है ? यदि हां, तो इस नीति के अनुरूप प्रा0 स्वा0 केन्द्र सिकन्द्राराऊ जनपद अलीगढ़, पर होम्योपैथिक चिकित्सक की नियुक्ति कब तक कर दी जायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी नहीं । शेष का प्रश्न नहीं उठता ।

अलीगढ़ जनपद में चिकित्सक/चिकित्साकों के रिक्त पद एवं उन्हें भरे जाने की मांग

115–श्री सुरेश प्रताप सिंह गांधी–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बतलाने का कष्ट करेंगे कि 31 मार्च, 90 को अलीगढ़ जनपद में चिकित्सक/डाक्टरों के कितने स्थान रिक्त थे ? इन रिक्त स्थानों पर चिकित्सकों की नियुक्ति कब तक कर दी जायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

मऊ जनपद के घोसी हैण्डलूम कारपोरेशन क्रय केन्द्र पर बुनकरों द्वारा तैयार की गई रेशम की साड़ी की खरीदारी के लिए क्रय केन्द्र खोले जाने की मांग

116–श्री सुबास–

सरकार यह बताने की कृपा करेगी कि मऊ जनपद के घोसी हैण्डलूम कारपोरेशन क्रय केन्द्र पर बनकरों द्वारा तैयार की गई रेशम की साड़ी की खरीदारी के लिए क्रय केन्द्र कब तक खोल दिया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

मऊ जनपद में घोसी में हैण्डलूम कारपोरेशन द्वारा रेशम की साड़ी का क्रय केन्द्र खोलने का विचार नहीं है, क्योंकि इस क्षेत्र में सामान्यतः रेशम की साड़ी का उत्पादन बनकरों दवारा नहीं किया जाता है ।

स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी के पेंशन के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र

117–श्री चन्द्रशेखर सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 22-1-90 जो स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी के पेंशन के सम्बन्ध में है, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो कब तक कार्यवाही पूरी कर ली जायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस–

पत्र विभाग में दिखवाया जा रहा है ।

पनियरा विधान सभा क्षेत्र जनपद गोरखपुर के अन्तर्गत बादशाहपुर-सूरस मार्ग पर ध्वस्त पुल की जांच

118–श्री गनपति सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया यह बतायेंगे कि पनियरा विधान सभा क्षेत्र जनपद गोरखपुर के अन्तर्गत बादशाहपुर-सूरस मार्ग पर वर्ष 1989 जून में निर्मित पुल जुलाई 1989 में गिरकर ध्वस्त हो गया है ? यदि हां, तो क्या इसकी कोई जांच करायी गई और जांच के उपरान्त दोषी अभियन्ताओं के खिलाफ कार्यवाही की गई ? यदि नहीं की गई, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

पनियरा विधान सभा क्षेत्र जनपद गोरखपुर में कलान नाले के कि0 मी0 5.3 पर बादशाहपुर सूरस मार्ग (बादशाहपुर-लक्ष्मीपुर मार्ग) पर एक पुल इस विभाग द्वारा निर्मित किया गया था जो दिनांक 26-2-88 को बनकर तैयार हुआ था । यह पुल वर्ष 1989 की भीषण बाढ़ में माह 7/89 में क्षतिग्रस्त हो गया था । इसकी जांच प्राविधिक समीक्षा कोष्ठ, सिंचाई शाखा, लखनऊ द्वारा की जा रही है ।

जांच आख्या प्राप्त होने पर अग्रेतर कार्यवाही सम्भव हो सकेगी ।

विधान सभा क्षेत्र पीनयरा जनपद गोरखपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा मछली गांव टोला बृह्मपुर को बाढ़ से बचाने के लिए योजना

119–श्री गनपति सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि विधान सभा क्षेत्र पीनयरा जनपद गोरखपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा मछली गांव टोला बृह्मपुर जो रोहीन नदी और बांध के बीच में है, को बाढ़ से बचाने के लिए शासन के पास कोई योजना प्रस्तावित है? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी नहीं ।

प्रश्नगत गांव को किसी अन्यत्र सुरक्षित स्थान में बसाने हेतु जिलाधिकारी, गोरखपुर से अनुरोध किया गया है।

हृदय रोग संस्थान कानपुर में एक डाक्टर एवं लिपिक के माध्यम से फर्जी भुगतान

120–श्री महावीर सिंह राणा–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि हृदय रोग संस्थान कानपुर में चेक संख्या 042019 दिनांक 23-3-89 से रुपये 11,000 का फर्जी भुगतान एक डाक्टर एवं लिपिक के माध्यम से किया गया? यदि हां, तो क्या यह सही है कि इस फर्जी भुगतान की जानकारी होने पर उसी डाक्टर एवं लिपिक ने वहां के कर्मचारियों के नाम से वह धनराशि जमा कर दी? क्या उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में इस संस्थान के कर्मचारियों एवं मुख्य लिपिक ने पत्र दिनांक 14-4-89, 26-5-89 एवं 27-6-89 द्वारा प्रोफेसर निदेशक हृदय रोग संस्थान कानपुर को लिखित सूचना दी? यदि हां, तो उस पर अब क्या कार्यवाही हुई? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस–

मामले की जांच की जा रही है।

जी हां। कार्यालय के सहायकों द्वारा सम्बन्धित फर्म को रुपया 11,000/- का भुगतान कर दिया है।

जी हां। इस मामले की जांच हेतु समिति गठित कर दी गई है तथा जांच अभी जारी है।

दि0 2-9-83 को तत्कालीन मुख्य मंत्री को गोरखपुर के बाढ़ विभाग के अभियन्तागण के विरुद्ध शिकायती पत्र एवं कार्यवाही

121–श्री मारकण्डेय चन्द्र–

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता ने दिनांक 2-9-83 को तत्कालीन मुख्यमंत्री को गोरखपुर के बाढ़ विभाग के अभियन्तागण के विरुद्ध एक शिकायती पत्र जिला ग्राम्य विकास अभिकरण गोरखपुर की शासकीय निकाय की दिनांक 17-6-83 की बैठक में गठित जांच समिति की रिपोर्ट के साथ देकर जांच की मांग की थी? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गई? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां।

प्रश्नकर्ता के पत्र दिनांक 2-9-83 के आधार पर सतर्कता विभाग की प्राप्त जांच आख्या के अनुसार श्री शिव कुमार गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता कतिपय निर्गत किये गये टेण्डरों को कतिपय स्थानों पर भेजे जाने की पुष्टि न करने के आरोप में दोषी पाये गये जिसके लिए उन्हें भविष्य में ध्यान रखने के लिए शासनादेश दिनांक 17-2-88 द्वारा निर्देशित किया जा चुका है। इसी क्रम में यह भी सूच्य है कि इसी प्रकरण में प्रश्नकर्ता के पत्र दिनांक 5-9-83 के अनुसार सतर्कता विभाग की प्राप्त जांच आख्या के आधार पर दोषी पाये गये एक सहायक अभियन्ता तथा एक अवर अभियन्ता के सम्बन्ध में भी शासन द्वारा विचारोपरान्त उन्हें दण्डित करने का निर्णय लिया जा चुका है।

गोरखपुर के जिलापूर्ति कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध सतर्कता विभाग द्वारा जांच एवं न्यायालय के निर्णय होने तक निलम्बित करने की मांग

122–श्री मारकण्डेय चन्द्र–

क्या खाद्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि गोरखपुर के जिला पूर्ति कार्यालय के किन-किन अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध सतर्कता विभाग ने जांच की है और जांच के आधार पर कौन-कौन अधिकारी व कर्मचारी इस जांच के आधार पर जेल जाने व मा0 उच्च न्यायालय से जमानत पर छूटने के बाद आज भी अपने पदों पर पूर्ववत कार्यरत हैं? क्या मंत्री जी इन्हें न्यायालय के निर्णय होने तक निलम्बित करने की कार्यवाही करेंगे?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह–

गोरखपुर के जिला पूर्ति कार्यालय के क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, श्री मोहन लाल शर्मा, दो वरिष्ठ निरीक्षक, श्री चन्द्र प्रकाश यादव एवं श्री नंदी नारायण गुप्ता तथा लिपिक श्री अशोक कुमार वर्मा के विरुद्ध सतर्कता विभाग ने जांच की है। श्री मोहन लाल शर्मा, क्षे0 खा0 अधि0 के विरुद्ध अभियोजन आरम्भ किया गया इन्हें दिनांक 4-11-88 को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 16/17-11-88 को न्यायालय में आरोप पत्र दिया गया। गिरफ्तार होने के कारण उन्हें निलम्बित कर दिया गया जिसके विरुद्ध उन्होंने मा0 उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया जिसके परिणामस्वरूप कार्यरत हैं।

श्री बद्री नारायण गुप्ता व श्री सी0 पी0 यादव, वरि0 खा0 नि0 के विरुद्ध अभियोजन आरम्भ किया गया और दोनों वरि0 खा0 नि0 ने न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया है। दोनों वरिष्ठ निरीक्षकों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही विचाराधीन है। वर्तमान समय में दोनों वरिष्ठ निरीक्षक गोरखपुर जनपद से बाहर हैं।

श्री अशोक कुमार वर्मा, लिपिक के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा दी गई और उन्हें दिनांक 28-10-88 को गिरफ्तार किया गया। श्री अशोक कुमार वर्मा के विरुद्ध सतर्कता अधिष्ठान कुशल 16-17/अगस्त, 1988 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। श्री अशोक कुमार वर्मा, लिपिक के

गिरफ्तार हो जाने के कारण 1-11-88 को नियुक्ति प्राधिकारी (जिलाधिकारी, गोरखपुर) द्वारा निलम्बित किया गया जिसके विरुद्ध श्री अशोक कुमार वर्मा, लिपिक मा0 उच्च न्यायालय से स्थगन प्राप्त कर कार्यरत हैं।

न्यायालय में विचाराधीन मामले में न्यायालय का जो भी निर्णय होगा उसका अनुपालन तो किया ही जायेगा साथ ही साथ सरकार चार माह के अन्दर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध यथोचित विभागीय कार्यवाही पूर्ण करने के लिए भी कृत संकल्प है।

गोरखपुर जनपद में अतिरिक्त जिला अधिकारी (आपूर्ति) के पद पर कार्यरत श्री जे0 एन0 विश्वकर्मा के विरुद्ध जांच एवं कार्यवाही

123—श्री मारकण्डेय चन्द्र—

क्या खाद्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1981-82 में गोरखपुर जनपद में अतिरिक्त जिलाधिकारी (आपूर्ति) के पद पर कार्यरत श्री जे0 एन0 विश्वकर्मा के विरुद्ध प्रश्नकर्ता तथा गोरखपुर जनपद के अन्य विधायकों के संयुक्त हस्ताक्षर से एक शिकायती पत्र तत्कालीन मुख्य मंत्री (श्रीपति मिश्र) को दिया गया था, जिसकी जांच आयुक्त गोरखपुर से करायी गयी थी और फिर सतर्कता विभाग ने भी जांच की थी ? यदि हां, तो जांचोपरान्त उक्त प्रकरण पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

जी हां।

सतर्कता विभाग की जांच के विस्तृत परीक्षण एवं सभी पहलुओं पर विचारोपरान्त यह निष्कर्ष निकला कि श्री जे0 एन0 विश्वकर्मा इस प्रकरण में निर्दोष हैं अतः इनके विरुद्ध किसी प्रकार की कार्यवाही करने का औचित्य नहीं पाया गया।

जनपद इटावा की तहसील एवं परगना विधूना में सूखा और बाढ़ के कारण कृषकों को राहत देने हेतु आदेश

124—श्री धनीराम वर्मा—

क्या सिंचाई मंत्री को ज्ञात है कि जनपद इटावा की तहसील एवं परगना विधूना में वर्ष 1980 से 1984 के बीच सूखा एवं बाढ़ के कारण कृषकों को पानी नहीं मिल सका अथवा अधिक पानी के कारण धान एवं रबी की फसलें नष्ट हो गयी ? क्या इन्हीं कारणों से सरकार ने कृषकों को राहत देने हेतु आबपाशी में लगभग 8 लाख रुपये की मिन हाई के आदेश किये थे ? यदि हां, तो क्या कृषकों को राहत मिल गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

सूचना एकत्र की जा रही है।

इटावा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बेला में श्री राम सिंह पुत्र चेतराम एवं भईया लाल पुत्र मैकू लाल आदि की घायल अवस्था में भर्ती होने एवं जांच रिपोर्ट की जानकारी

125—श्री धनीराम वर्मा—

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि इटावा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बेला में श्री राम सिंह पुत्र चेतराम एवं भईया लाल पुत्र मैकूलाल निवासी लोनारी, पुरवा

लोध, मौजा हरद थाना बेला, जिला इटावा को 5 जुलाई, 1988 को घायल अवस्था में भर्ती करवाया गया ? यदि हां, तो उसकी डाक्टरी जांच रिपोर्ट क्या है और भर्ती कराने वाले कौन थे ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

शाहजहांपुर नगर में रोजा इण्डस्ट्रियल इस्टेट की इकाइयों को तूफान से क्षति एवं क्षतिपूर्ति

126–श्री सुरेश कुमार खन्ना–

क्या उद्योग मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि दिनांक 8-6-1987 को शाहजहांपुर नगर में जो तूफान आया था उसमें रोजा इण्डस्ट्रियल इस्टेट में किन-किन इण्डस्ट्रीज को कितनी-कितनी क्षति पहुंची ? क्या सरकार द्वारा इन इण्डस्ट्रीज की क्षति पूर्ति की गयी ? यदि हां, तो कब तथा कितनी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

दिनांक 8-6-87 को जनपद शाहजहांपुर में एक तूफान आया था, उसमें रोजा इण्डस्ट्रियल इस्टेट की 25 इकाइयों की क्षति का अनुमान है । विवरण संलग्न है ।

जी नहीं ।

शासन द्वारा इस तरह की क्षति की क्षतिपूर्ति नहीं की जाती है ।

(दोखये नत्थी 'ख' आगे पृष्ठ 94 पर)

तहसील मुख्यालय मुहम्मदाबाद गोहना, जनपद मऊ में अस्पताल हेतु स्वीकृत धनराशि एवं निर्माण कार्य

127–श्री फौजदार–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि तहसील मुख्यालय मुहम्मदाबाद गोहना, जनपद मऊ में 32 शैय्या के अस्पताल हेतु 1989-90 में कुल कितनी धनराशि स्वीकृत थी ? उक्त अस्पताल का निर्माण कार्य कब तक शुरू कर दिया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

मोहम्मदाबाद गोहना के भवन निर्माण हेतु 1989-90 में रु0 10.47 लाख की धनराशि स्वीकृत थी । निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि न मिलने के कारण निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका । भूमि उपलब्ध होने पर ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाना सम्भव होगा ।

महिला अस्पताल भदोही, जनपद मिर्जापुर में कार्यरत डा0 अजरा बेगम का त्याग-पत्र एवं उस पर निर्णय

128—श्री अकबाल हसन उर्फ अकबाल हुसैन—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि महिला अस्पताल भदोही, जनपद मिर्जापुर में कार्यरत डा0 अजरा बेगम ने जनवरी, 1983 में अपना त्याग-पत्र शासन को दे दिया था ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या निर्णय हुआ ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता

129—श्री बदन सिंह—

[2रे सोमवार में अता0 प्र0 सं0 181 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

निलम्बित अवर अभियन्ता श्री रामकरन सिंह, पब्लिक नलकूप निर्माण खण्ड, कानपुर के आरोप पत्र का समुचित उत्तर एवं उस पर निर्णय

130—श्री रामस्वरूप वर्मा—

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि दिनांक 3-5-88 से निलम्बित अवर अभियन्ता श्री रामकरन सिंह, पब्लिक नलकूप खण्ड, कानपुर ने आरोप पत्र का समुचित उत्तर दिनांक 20-11-88 को दे दिया है ? यदि हां, तो उस पर अब तक नियमानुसार निर्णय न करने का क्या कारण है ? सरकार उक्त मामले में कब तक निर्णय ले लेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी नहीं, केवल अन्तरिम उत्तर प्राप्त हुआ है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

निलम्बित अवर अभियन्ता द्वारा पूर्व अन्तिम उत्तर प्रेषित कर दिए जाने के पश्चात ही प्रकरण पर निर्णय लिया जाना सम्भव हो सकेगा ।

प्रश्नकर्ता के क्षेत्र गाजियाबाद के गांवों में चिकित्सा केन्द्र स्थापित कराने की मांग

131—श्री सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता के क्षेत्र गाजियाबाद के जिन गांवों की आबादी 5 हजार से 15 हजार तक है, उन गांवों में चिकित्सा केन्द्र स्थापित कराने की व्यवस्था करायेंगे ? यदि हां, तो कब तक?

श्री मुख्तार अनीस—

निर्धारित स्वास्थ्य नीति के अनुसार चरणों में व्यवस्था की जायेगी ।

उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रतनपुरा जनपद मऊ में व्याप्त अनियमितताओं के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र एवं उस पर कार्यवाही

132—श्री रामबचन धुसिया—

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रतनपुरा जनपद मऊ में व्याप्त अनियमितताओं के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 30-1-90 उनको प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो पत्र में वर्णित तथ्यों के आधार पर क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

सूचना एकत्र की जा रही है ।

बांदा जनपद के तिंदवारी विधान सभा क्षेत्र के गांव खैराड़ा में सिंचाई के लिए राजकीय नलकूप लगाने की मांग

133—श्री राम प्रसाद सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बांदा जनपद के तिंदवारी विधान सभा क्षेत्र के गांव खैराड़ा में सिंचाई के लिए राजकीय नलकूप लगाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि हां, तो अब तक नलकूप की व्यवस्था कर दी जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां ।

केन्द्रीय भूगर्भ जल परिषद् से उक्त क्षेत्र में अन्वेषणात्मक छिद्रण कराया जाना प्रस्तावित है जिसकी रिपोर्ट प्राप्त होने पर नलकूप निर्माण हेतु कार्यवाही की जायेगी ।

प्रश्न नहीं उठता ।

बांदा जनपद के कर्वी तहसील में गांव सुरवल, बकटा बुजुर्ग, अतरौली, चांदी, आदि गांवों में राजकीय नलकूप लगाने की योजना

134—श्री राम प्रसाद सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बांदा जनपद के कर्वी तहसील में गांव सुरवल, बकटा बुजुर्ग, अतरौली, चांदी, परिसद्धपुर, अर्जुनपुर, अहिरा मगरहाई में राजकीय नलकूप लगाने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ? यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

संदर्भित क्षेत्रों में राजकीय नलकूप के निकास के निर्धारित मानक के अनुरूप जल की उपलब्धता अनिश्चित है ।

मऊ जिले में रानीपुर विकास खण्ड में राजकीय नल कूपों की संख्या उनकी सिंचाई क्षमता, प्राप्त आय तथा कर्मचारियों के वेतन आदि पर व्यय

135–श्री यशवन्त–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मऊ जिले में रानीपुर विकास खण्ड में कितने राजकीय नलकूप हैं तथा प्रत्येक की सिंचन क्षमता एवं कमाण्ड एरिया अलग-अलग कितनी है ? दिसम्बर, 1988 से 30 दिसम्बर 1989 के मध्य उनसे अलग-अलग सिंचाई से कितनी आय हुयी है तथा कर्मचारियों के वेतन एवं इसके रख-रखाव पर कितना व्यय हुआ ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जनपद मऊ के विकास खण्ड रानीपुर में विश्वबैंक परियोजना के 29 पब्लिक नलकूप तथा 16 राजकीय नलकूप चलित दशा में है ।

प्रत्येक नलकूप की सिंचन क्षमता व कमाण्ड एरिया तथा दिसम्बर, 88 से 30 दिसम्बर, 89 के मध्य सिंचाई से आय की सूचना संलग्न है ।

उपर्युक्त अवधि में कर्मचारियों के वेतन पर रु0 4.60 लाख तथा उसके रख-रखाव पर कुल व्यय ऊर्जा छोड़कर रु0 2.33 लाख व्यय हुआ ।

(देखिये नत्थी 'ग' आगे पृष्ठ 95-96 पर)

आजमगढ़ जिले की मुबारकपुर विधान सभा क्षेत्र में शिशु कल्याण केन्द्र स्थापित करने की मांग

136–श्री यशवन्त–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आजमगढ़ जिले की मुबारकपुर विधान सभा क्षेत्र में कौन-कौन सी न्याय पंचायतें ऐसी हैं जिसमें मातृ शिशु कल्याण केन्द्र नहीं है वहां शीघ्र केन्द्र स्थापित करने पर शासन विचार करेगा ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जनपद आजमगढ़ के मुबारकपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत न्याय पंचायत सुहवल में मातृ शिशु कल्याण केन्द्र नहीं है । उक्त स्थान पर मातृ शिशु कल्याण केन्द्र स्थापित किये जाने पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध होने की स्थिति में नियमानुसार विचार कर यथोचित कार्यवाही की जायगी ।

विधान सभा क्षेत्र अतरौली जिला अलीगढ़ के अन्तर्गत ग्राम रायपुर खास की भूमि की सिंचाई के लिए राजकीय नलकूप के निर्माण के सम्बन्ध में सचिव को पत्र

137–श्री कल्यान सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र अतरौली जिला अलीगढ़ के अन्तर्गत ग्राम रायपुर खास की लगभग एक हजार बीघा असिंचित भूमि की सिंचाई के लिए राजकीय नलकूप के निर्माण के संबंध में सचिव, सिंचाई विभाग उ0 प्र0 शासन को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का दिनांक 7-12-89 का

कोई पत्र प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो क्या स्थल का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण कर लिया गया है ? यदि हां, तो उक्त स्थल पर राजकीय नलकूप का निर्माण कब तक कर दिया जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां

जी हां

क्षेत्र का सर्वेक्षण कराने पर ज्ञात हुआ कि ग्राम रायपुर खास की कुल भूमि लगभग 170 हेक्टेयर है जिसमें से लगभग 130 हेक्टेयर भूमि नहरी कमाण्ड में है और अनूपशहर ब्रांच से सिंचित होती है । अवशेष लगभग 40 हेक्टेयर भूमि नहरी कमाण्ड के बाहर है तथा असिंचित रह जाती है । पड़ोसी ग्राम शाहपुर कोटेरा तथा बहेना कोटेरा की क्रमशः 16 हेक्टेयर तथा 100 हेक्टेयर असिंचित भूमि को सम्मिलित करके कुल 116 हेक्टेयर उपलब्ध है जिसमें एक राजकीय नलकूप का निर्माण जिला योजना की धनराशि प्राप्त होने तथा जिला सिंचाई सलाहकार सिंचाई समिति का अनुमोदन तथा जिलास्थल चयन समिति के अनुमोदन के उपरान्त ही निर्माण किया जा सकता है ।

उ0 प्र0 से मिट्टी के तेल पर प्रतिबन्ध हटाकर खुली बिक्री की मांग

138–श्री किशन गोपाल–

क्या खाद्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0 प्र0 से मिट्टी के तेल पर प्रतिबन्ध (कन्ट्रोल) हटाकर खुली बिक्री हेतु कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ? यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह–

मिट्टी तेल के वितरण पर लगे प्रतिबन्ध को हटाकर खुली बिक्री की कोई योजना शासन के विचाराधीन नहीं है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

राज्य सरकार को भारत सरकार द्वारा सीमित मात्रा में मिट्टी तेल उपलब्ध कराया जाता है, जिसको "उत्तर प्रदेश मिट्टी का तेल नियन्त्रण आज्ञा, 1962" (यथा संशोधित) के अन्तर्गत शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा में समुचित वितरण कराया जाता है । निकट भविष्य में मिट्टी तेल की उपलब्धता में बहुत अधिक सुधार होने की आशा नहीं है । अतः इसकी खुली बिक्री की योजना विचाराधीन नहीं है ।

सतर्कता अधिष्ठान की जांच के उपरान्त मेसर्स ग्रासेंस फार्मास्यूटिकल को ब्लैक लिस्ट करना एवं श्री ग्रोवर के विरुद्ध अभियोजन की कार्यवाही की मांग

136–डाक्टर दिनेश जौहरी–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि वर्ष 1980-81 में सतर्कता अधिष्ठान ने जांच के उपरान्त मेसर्स ग्रासेंस फार्मास्यूटिकल को ब्लैक लिस्ट करने तथा इसके निदेशक श्री वेद प्रकाश ग्रोवर के विरुद्ध आई0 पी0 सी0 की धारा 120 बी0/465/

460/471/477/420 के अन्तर्गत अभियोजन की कार्यवाही की संस्तुति की थी ? यदि हां, तो क्या मेसर्स ग्रोसंस को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया और मिस्टर ग्रोवर के विरुद्ध अभियोजन दायर किया गया ? यदि नहीं, तो उसकी क्या स्थिति है और उक्त संस्तुति के आधार पर कार्यवाही क्यों नहीं की गयी ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, भारतीय दण्ड बिधान की धारा 465/468/471/477 ए/420/120 बी एवं 5 (2) तथा 5 (3 ए) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत अभियोजन की कार्यवाही की संस्तुति की थी ।

मेसर्स ग्रोसंस को ब्लैक लिस्ट नहीं किया गया है । मिस्टर ग्रोवर के विरुद्ध अभियोजन दायर किया गया है ।

प्रकरण न्यायालय के विचाराधीन है ।

ललितपुर जनपद के जामनी बांध से मौजा पटना से लिफ्ट कैनाल बनाये जाने का प्रस्ताव

140—श्री देवेन्द्र कुमार सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि ललितपुर जनपद के जामनी बांध से भूमि संख्या 65 मौजा पटना से कोई लिफ्ट कैनाल बनाये जाने का प्रस्ताव विचाराधीन है ? यदि हां, तो ग्राम पटना सिंगकारा, बरौंदिया, पारोल, गुरयाना, चाडौरा, तरावली, खिरिया, डोगरा, बरेजा, गुढ़ा, महराजपुरा, डिंगवार बछरई की सिंचाई हेतु उक्त योजना कब तक तैयार की जावेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

जामनी बांध में एकत्रित होने वाला पानी पहले से ही निर्धारित क्षेत्र के लिये आरक्षित है एवं कोई अतिरिक्त जल उपलब्ध नहीं है ।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में पी0 एम0 एच0 एस0 तथा पी0 एम0 एस0 संवर्गों का सम्मिलयन एवं उनकी संख्या

141—डाक्टर सरजीत सिंह डंग—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बतायेंगे कि शासनादेश संख्या 5055 स 3/पांच/सात (40)-72 दि0 26 जून 1973 द्वारा प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में "प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा" संवर्ग (पी0एम0एच0एस0 कैडर) का सृजन किया गया था और उसी शासनादेश से पी0एम0एस0 (पुरुष तथा महिला) एवं पी एच एस संवर्गों को इक्जिस्टींग बट डाइंग संवर्ग घोषित किया गया था और उक्त संवर्गों के अस्थाई तथा तदर्थ अधिकारियों को नवसृजित पी0 एम0 एच0 एस0 संवर्ग को वरण करने का पात्र घोषित किया गया था, जिन्हें शासनादेश के दिनांक से 30 दिन के अन्दर इस नवसृजित संवर्ग पी0एम0एच0एस0 को वरण करना था ? यदि हां,

तो उक्त शासनादेश के लागू किये जाने की तिथि को पी0एम0एस0 (पुरुष) पी0एम0एस0 (महिला) पी0 एच0 एस0 संवर्गों और इस नये सृजित पी0 एम0 एच0 एस0 संवर्ग में प्रत्येक में अधिकारियों के विभिन्न पदों (स्थाई, अस्थाई और तदर्थ) की संख्या क्या थी ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां,

संवर्गों के संविलयन के समय प्रादेशिक स्वास्थ्य सेवा में 61 स्थायी तथा 995 अस्थायी प्रादेशिक चिकित्सा सेवा में 574 अस्थायी और प्रादेशिक चिकित्सा सेवा (महिला) में 19 स्थायी और 407 अस्थायी पद थे जिनके सम्विलियन के पश्चात् नये सृजित संवर्ग में 80 स्थायी और 1976 अस्थायी पद थे ।

बदायूं पुरुष चिकित्सालय में अधिक समय से कार्यरत चिकित्सकों का स्थानान्तरण

142—श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बदायूं पुरुष चिकित्सालय में कितने डाक्टर 6 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत हैं ? इन डाक्टरों के इतने अधिक समय से एक ही चिकित्सालय में कार्यरत रहने का क्या कारण है ?

श्री मुख्तार अनीस—

बदायूं पुरुष चिकित्सालय में दो चिकित्सक छः वर्ष से अधिक समय से कार्यरत थे, जिन्हें भी अब अन्यत्र स्थानान्तरित कर दिया गया है ।

प्रश्न ही नहीं उठता ।

143—श्री नरेन्द्र सिंह भण्डारी—

[2रे शुक्र में अता0 प्र0 सं0 168 के अंतर्गत स्थानान्तरित]

अल्मोड़ा जनपद के रानीखेत तहसील में लिफ्ट सिंचाई योजना एवं क्षतिग्रस्त योजनाओं को पम्प क्रय कर चालू किये जाने की मांग

144—श्री जसवन्त सिंह बिष्ट—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि अल्मोड़ा जनपद के रानीखेत तहसील में कितनी लिफ्ट सिंचाई योजना रामगंगा नदी, विनोद नदी, गंगास नदी पर बनी हैं और कितनी लिफ्ट सिंचाई योजना मशीनों के अभाव से क्षतिग्रस्त हो रही है? कब तक पम्प क्रय कर समस्त योजनाओं को सुचारु रूप से चालू करा दिया जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह—

अल्मोड़ा जनपद की रानीखेत तहसील में रामगंगा नदी पर 15, विनोद नदी पर 2 एवं गंगास नदी पर शून्य अर्थात कुल 17 नं0 लिफ्ट सिंचाई योजनाएं निर्मित हुई हैं ।

मशीनों के अभाव में कोई भी लिफ्ट सिंचाई योजना लम्बित नहीं है ।

सभी योजनाएं चालू स्थिति में हैं ।

पर्वतीय क्षेत्र के जिला पूर्ति अधिकारियों के दैनिक वेतन पर कार्यरत जीप चालकों को नियमित करने की मांग

145—श्रीमती सरस्वती तिवारी—

क्या खाद्य मंत्री को ज्ञात है कि पर्वतीय क्षेत्र के आठों जनपदों में जिला पूर्ति अधिकारियों के जीप चालक विगत आठ वर्षों से दैनिक वेतन पर कार्यरत है ? यदि हां, तो क्या सरकार उपरोक्त जीप चालकों को नियमित करने की कार्यवाही करेगी? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

जी नहीं । पर्वतीय क्षेत्र के अल्मोड़ा, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल एवं चमोली जनपदों में चालक के एक-एक पद सृजित है और नियमित चालक तैनात है । केवल नैनीताल, पिथौरागढ़ एवं उत्तरकाशी जनपदों में चालक के पदों का सृजन अभी तक नहीं किया जा सका है । इनके सृजन की कार्यवाही की जा रही है ।

महिला अस्पताल (डफरिन), लखनऊ में 15 वर्ष से कार्यरत लिपिकों को स्थानान्तरित करने की मांग

146—श्री अचल सिंह तथा श्री विशुन दयाल—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि स्थानीय महिला अस्पताल (डफरिन), लखनऊ में कितने लिपिक 15 वर्षों से अधिक समय से उसी अस्पताल में कार्यरत है ? क्या सरकार ऐसे समस्त लिपिकों का स्थानान्तरण जनपद से बाहर करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस—

महिला अस्पताल (डफरिन) लखनऊ में एक लिपिक 15 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत है । स्थानान्तरण के संबंध में यथा समय विचार किया जायेगा ।

न्यू माडल चर्खा इकाइयों की स्थापना हेतु पत्र पर कार्यवाही

147—श्री राम चन्द्र बख्श सिंह—

क्या लघु उद्योग मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता के पत्र दिनांक 11-1-90 जो शेड निर्माण के सम्बन्ध में था तथा मा0 मंत्री लघु उद्योग को सम्बोधित था और जिसकी प्राप्ति संयुक्त सचिव श्री राजीव कुमार द्वारा उनके अद्र्धशा0 पत्र सं0 वि0-11/18-खा-90 दिनांक 9-3-90 द्वारा स्वीकार की गयी है, पर क्या कार्यवाही की गयी? प्रश्नगत शेड निर्माण में क्या कठिनाई है तथा यह कार्य कब तक करा दिया जायेगा?

श्री रेवती रमण सिंह—

प्रश्नगत पत्र के संदर्भ में की गई जानकारी के अनुसार शेड निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध है।

न्यू माडल चर्खा इकाइयों की स्थापना हेतु सामान्य बजट में धन प्राप्त न होने के कारण शेड का निर्माण नहीं कराया जा सका है।

चालू वित्तीय वर्ष के बजट प्रस्ताव में इस कार्य हेतु धन की मांग का प्रस्ताव खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग को प्रेषित किया जा रहा है। आयोग से बजट उपलब्ध होने के बाद कार्यवाही की जायेगी।

148–श्रीमती सरस्वती तिवारी–

[3रे गुरु के लिए स्थगित]

जनपद अल्मोड़ा में राजकीय चिकित्सालयों में रिक्त पदों की संख्या एवं उनके भरे जाने की मांग

149–श्रीमती सरस्वती तिवारी–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अल्मोड़ा में वर्तमान में कितने राजकीय चिकित्सालय में चिकित्सकों के पद रिक्त हैं तथा ये रिक्तियां कब से हैं? क्या सरकार उन रिक्त पदों पर चिकित्सकों की नियुक्ति शीघ्र करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जनपद अल्मोड़ा में वर्तमान में 79 राजकीय चिकित्सालयों में कुल 106 चिकित्सकों के पद रिक्त हैं। अधिकांश रिक्तियां काफी लम्बी अवधि से चल रही हैं।

जी हां ।

चिकित्सकों की नियुक्तियों का प्रकरण विचाराधीन है।

150–श्री जसवन्त सिंह विष्ट–

[2रे शुक्र0 में अता0 प्र0 सं0 169 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद बाराबंकी के इन्हौना, पलिया, चिलौला, हैदरगढ़ आदि ड्रेनों की खुदाई एवं सफाई का कार्य पूरा होने की अवधि

151–श्री सुन्दर लाल (बाराबंकी)–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बाराबंकी के इन्हौना, पलिया, चिलूला हैदरगढ़, पेचारुवा आदि ड्रेनों की खुदाई एवं सफाई का कार्य कब तक पूरा हो जायेगा? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रेवती रमण सिंह–

इन्हौना, चिलौला (चिलूला नहीं), हैदरगढ़, पेचारूवा ड्रेनों की खुदाई अनुमोदित लम्ब-छिन्नक के अनुसार पूर्ण हो चुकी है। पलिया ड्रेन की रिमाडलिंग का कार्य कि0 मी0 11-0 से कि0 मी0 28-0 तक किया जाना है. जो प्रगति में है तथा जून, 91 तक पूर्ण होने की सम्भावना है ।

इन ड्रेनों की सफाई का कार्य प्रगति में है तथा जून, 1990 तक पूर्ण होने की सम्भावना है ।

प्रश्न नहीं उठता।

कुआनो पम्प नहर मुखलिसपुर ड्रेनेज खण्ड द्वितीय बस्ती का पानी टेल तक न पहुंचने के कारण

152–श्री मिठाई लाल शास्त्री–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि कुआनो पम्प नहर मुखलिसपुर ड्रेनेज खण्ड द्वितीय बस्ती का पानी का निकास मार्ग जनपद गोरखपुर के ग्राम झुड़िया टेल पर है? यदि हां, तो उक्त नहर का पानी टेल तक न पहुंचने का क्या कारण है? टेल तक पानी पहुंचाने हेतु क्या उपाय किये जायेंगे?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां।

पूर्व वर्षों में तथा गत रबी 1397 में टेल तक पानी पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इस वर्ष खरीफ 1398 में विद्युतीय दोष के कारण नहर सुचारु रूप में पूरी क्षमता से नहीं चलाई जा पा रही है।

ऊपर की नहरों एवं कुलाबों की तातील कर टेल पर पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

उप निदेशक प्राविधिक द्वारा किये गये स्थानान्तरणों में भ्रष्टाचार विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

153–श्री मुक्ति नाथ–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि महानिदेशक एवं निदेशक प्रशासन के कथित अनुमोदन पर उप निदेशक प्राविधिक द्वारा किये गये स्थानान्तरणों में भ्रष्टाचार एवं कर्मचारी उत्पीड़न की जांच कार्यवाही के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का कोई पत्र दिनांक 25-1-90, संलग्नकों के साथ महानिदेशक एवं संबंधित वेतन अधिकारी स्वास्थ्य भवन को प्राप्त हुआ? क्या पत्र में वर्णित आरोपों की जांच करायी गयी? यदि हां, तो जांच में दोषी पाये गये अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है।

शासन द्वारा तृतीत एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नयी नियुक्तियों पर प्रतिबन्ध के बावजूद मुख्य चिकित्सा अधिकारी झांसी द्वारा की गयी नियुक्तियां विषयक पत्र एवं कार्यवाही

154–श्री रवीन्द्र शुक्ल–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि शासन द्वारा 1 अप्रैल, 89 से तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नयी नियुक्तियों पर पूर्णरूप से प्रतिबन्ध के बावजूद मुख्य चिकित्साधिकारी झांसी द्वारा नियुक्तियां करने से संबंधित प्रश्नकर्ता का 9 अप्रैल, 90 का पत्र उन्हें प्राप्त हुआ है? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गयी है?

श्री मुख्तार अनीस–

माननीय सदस्य का पत्र दिनांक 9 अप्रैल, 1990 खोजा जा रहा है।

बांदा जनपद के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी (बांदा) की अनियमितताओं के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

155–डा0 सुरेन्द्र पाल वर्मा–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि प्रश्नकर्ता का दिनांक 7-3-90 का पत्र बांदा जनपद के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी (बांदा) की अनियमितताओं के संबंध में प्राप्त हुआ है? यदि हां, तो शासन के किस उच्च अधिकारी ने जांच किया और क्या-क्या अनियमितताएं पायी गयीं तथा दोषी अधिकारी के विरुद्ध क्या कार्यवाही हुयी?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां। उल्लिखित शिकायतों के संबंध में आयुर्वेद/यूनानी निदेशालय के उपनिदेशक (योजना) द्वारा जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर यथावश्यक कार्यवाही की जायेगी ।

156–श्री प्रागी लाल अहिरवार–

[2रे सोम0 में अता0 प्र0 सं0 178 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

ड्रेनेज खण्ड द्वितीय बस्ती मुख्य नहर एवं बड़हलगंज माइनर विधान सभा क्षेत्र, बांसगांव में लगाये गये कुलाबों की संख्या

157–श्री मिठाई लाल शास्त्री–

क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ड्रेनेज खण्ड द्वितीय बस्ती मुख्य नहर एवं बड़हलगंज माइनर विधान सभा क्षेत्र बांसगांव में कितने कुलाबे बनाये गये हैं? इन कुलाबों में से इस समय कितने चालू हैं और कितने बन्द हैं बन्द कुलाबों को कब तक चालू कर दिया जायेगा?

श्री रेवती रमण सिंह–

बांसगांव विधान सभा क्षेत्र में मुखलिसपुर मुख्य नहर कि0 मी0 26.00 से 29.600 तक स्थित है। मुख्य नहर के इस भाग में सात कुलावे लगाये गये हैं तथा बड़हलगंज माइनर कि0 मी0 2.400 से कि0मी0 11.400 तक इस विधान सभा क्षेत्र में स्थित है जिसमें इकतीस कुलावे लगाये गये हैं।

उपरोक्त अड़तीस कुलावों में से सैंतीस कुलावे चालू हैं। मुख्य नहर के कि0 मी0 28.10 पर कुलावा संख्या-सत्तासी बन्द है।

बन्द कुलावा चालू किया जाना सम्भव नहीं है क्योंकि इसके मूल के ऊपर लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क का निर्माण कर दिया गया है। इस बन्द कुलावे के निकट दूसरा कुलावा शीघ्र ही लगा दिया जायेगा।

जिला झांसी तहसील मऊरानीपुर में निर्माणाधीन पतराई बांध से नहर निर्माण किया जाना

158–श्री प्रागी लाल अहिरवार–

क्या सिंचाई मंत्री बतायेंगे कि जिला झांसी तहसील मऊरानीपुर में निर्माणाधीन पतराई बांध से नहर का निर्माण टोडी फतेहपुर, पंडवाहा, दुगारा, बगरौनी के ग्रामों तक किया जायेगा? यदि हां, तो कब तक? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रैवती रमण सिंह–

जिला झांसी के मऊरानीपुर तहसील में पतराई बांध का निर्माण कराया जा रहा है। मूल परियोजना प्राक्कलन में प्राविधान के अनुसार पतराई बांध के दायें पार्श्व से निकलने वाली नहर से क्रमशः पहाड़ी खुर्द, दादपुरा, सतपुरा, रजवारा, सिजरौं, मदरवास बांध धनाविलगांव एवं टोड़ी फतेहपुर ग्रामों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। पानी की मात्रा सीमित होने के कारण ग्राम पंडवाहा, दुगारा एवं बगरौनी तक नहर का निर्माण किया जाना सम्भव नहीं है। परियोजना के निर्माण कार्य वर्ष 1993-94 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

बदायूं सदर अस्पताल के संबंध में जिला वकील संघ, बदायूं का ज्ञापन एवं कार्यवाही

159–श्री कृष्ण स्वरूप वैश्य–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बदायूं सदर अस्पताल के संबंध में जिला वकील संघ, बदायूं ने कोई ज्ञापन सितम्बर 1989 में शासन को दिया है? यदि हां, तो वह ज्ञापन क्या है और शासन ने उस पर अब तक क्या कार्यवाही की है?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां।

ज्ञापन में डा0 वी0 नारायण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के विरुद्ध शिकायतें की गयी हैं तथा उनकी जांच कराये जाने की मांग की गयी है । शिकायतों की जांच कराये जाने के आदेश महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को दे दिये गये हैं। जांच रिपोर्ट प्रतीक्षित है।

प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग (पी0 एम0 एच0 एस0 कैडर) में अधिकारियों के विभिन्न पदों की अलग-अलग संख्या

160–डा0 सरजीत सिंह डंग–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि शासनादेश सं0 5055 से3/पांच/सात (40)-72 दिनांक 26 जून, 1973 द्वारा प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग (पी0एम0एच0एस0 कैडर) का सृजन किया गया था और उसी शासनादेश से पी0एम0एस0 (पुरूष तथा महिला) एवं पी0एच0एस0 संवर्गों को इक्जिस्टिंग बट डाइंग संवर्ग घोषित किया गया था ? यदि हां, तो 31 मार्च, 190 को उक्त पी0एम0एस0 (पुरूष), पी0एम0एस0 (महिला) पी0एच0एस0 और पी0एम0 एच0 एस0 संवर्गों में अधिकारियों के विभिन्न पदों की अलग-अलग संख्या क्या थी तथा प्रत्येक संवर्ग में अलग-अलग कितने पद भरे थे और कितने पद रिक्त थे ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

शेष सूचना एकत्रित की जा रही है ।

सिंचाई विभाग शारदा नहर लखनऊ खण्ड के प्रथम खण्ड के षष्टम उप खण्ड के सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्ता के विरुद्ध श्री बाबादीन प्रधान के पत्र के साथ संलग्न शिकायती पत्र एवं कार्यवाही

161–श्री सुन्दर लाल (बाराबंकी)–

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्र दिनांक 29-1-90 तथा दिनांक 3-2-90 के आस-पास सिंचाई विभाग शारदा नहर लखनऊ खण्ड के प्रथम खण्ड के षष्टम उप खण्ड के सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्ता के विरुद्ध शिकायत के संबंध में श्री बाबादीन प्रधान के प्रार्थना-पत्र के साथ प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

उक्त प्रकरण से संबंधित मा0 मुख्य मंत्री जी को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 29-1-90 तथा 3-2-90 तथा उसके साथ श्री बाबादीन, प्रधान का कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है, अपितु इस संबंध में प्रश्नकर्ता का मा0 सिंचाई मंत्री जी को सम्बोधित एक दिनांक रहित पत्र तथा उसके साथ श्री बाबादीन का एक दिनांक रहित पत्र प्राप्त हुआ है । मुख्य प्राविधिक परीक्षक को इन शिकायतों के बारे में जांच करने के आदेश दे दिए गये हैं ।

जनपद बाराबंकी के हैदरगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत कान्हीपुर, फतेहगंज पूरे देवी दास मिलवन में राजकीय चिकित्सालय खोलने का प्रस्ताव

162–श्री सुन्दर लाल (बाराबंकी)–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि बाराबंकी जनपद के हैदरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत कान्हीपुर, फतेहगंज, पूरे देवी दास मिलवन में राजकीय चिकित्सालय खोलने का प्रस्ताव शासन में विचाराधीन है ? यदि हां, तो कब तक उक्त चिकित्सालयों की स्वीकृति दे दी जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

स्थानीय निधि लेखा परीक्षा की संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के वित्तीय अनियमितताओं संबंधी रिपोर्ट एवं दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही

163–श्री रवीन्द्र कुमार सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि क्या शासन को स्थानीय निधि लेखा परीक्षा की आडिट रिपोर्ट दिनांक 22-6-89 संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के बारे में प्राप्त हुयी थी ? यदि हां, तो इसमें दर्शाये गये करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं की जांच करायी गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ? यदि हां, तो दोषी अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही हुयी ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

संस्थान के निदेशक से सम्प्रेक्षा प्रस्तरों पर अनुपालन आख्या मांगी गयी है ।

अनुपालन आख्या प्रतीक्षित है ।

जनपद ललितपुर के लोअर सजनाम बांध (कचरौंदा बांध) को बनाये जाने का प्रस्ताव

164–श्री देवेन्द्र कुमार सिंह–

क्या सिंचाई मंत्री बताने का कष्ट करेंगे कि ललितपुर जनपद के लोअर सजनाम बांध (कचरौंदा बांध) को बनाये जाने का कोई प्रस्ताव शासन के पास है ? यदि हां, तो उक्त बांध कब तक बनाया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी हां ।

यह परियोजना अष्टम पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित की गयी है एवं इसका निर्माण अष्टम पंचवर्षीय योजना काल में स्वीकृति तथा धन उपलब्धि के अनुसार कराया जाना प्रस्तावित है ।

ग्राम बरी परगना रुद्रपुर तहसील किछा जनपद नैनीताल में पुष्पा पाठक पत्नी कुशलानन्द पाठक की जमीन का मुआवजा की मांग

165–डा0 दिनेश जौहरी–

क्या सिंचाई मंत्री को जानकारी है कि ग्राम बरी परगना रुद्रपुर तहसील किछा जनपद नैनीताल में पुष्पा पाठक पत्नी कुशलानन्द पाठक की खसरा खतौनी में 15 एकड़ जमीन उनकी कृषि योग्य भूमि बेंगुल डाम में अधिग्रहीत होने के बदले में मिलनी थी किन्तु वह जमीन रिजर्व फारेस्ट में होने के कारण इन्हें नहीं मिल पाई ? यदि हां, **तो क्या मंत्री जी श्रीमती पाठक की जमीन का मुआवजा दिलाने की कृपा करेगें ? यदि** नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

आगरा मेडिकल कालेज व अस्पताल में नये रुके हुए इमरजेन्सी विंग के निर्माण की मांग

166–डा0 दिनेश जौहरी–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को जानकारी है कि आगरा मेडिकल कालेज व अस्पताल में नये इमरजेन्सी विंग का निर्माण काफी समय से रुका हुआ है ? यदि हां, तो इसके क्या कारण है ? क्या मंत्री जी जनहित में इसका निर्माण शीघ्र पूर्ण करायेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां ।

मेडिकल कालेज, आगरा में चार मंजिले नये आपातकालीन भवन के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी थी । आधे क्षेत्रफल में दो मंजिला भवन बनकर तैयार हो गया है जिसके हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है । शेष दो मंजिल का निर्माण कार्य धन की उपलब्धता पर ही सम्भव हो पायेगा ।

राजकीय चिकित्सालय नरौना आकापुर, विकास खण्ड अतरौली, जिला अलीगढ़ में कार्यरत फार्मेसिस्ट श्री एन0 आर0 सिंह का स्थानान्तरण

167–श्री कल्यान सिंह–

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि राजकीय चिकित्सालय नरौना आकापुर, विकास-खण्ड अतरौली, जिला अलीगढ़ के गत सात वर्षों की लम्बी अवधि से कार्यरत फार्मेसिस्ट श्री एन0 आर0 सिंह को व्यापक जनहित एवं प्रशासनिक आधार पर अविलम्ब अलीगढ़ जिले से बाहर अन्यत्र स्थानान्तरण करने हेतु प्रश्नकर्ता के दिनांक 8-2-90 के पत्र के साथ श्री कामल सिंह प्रधान, दाऊदगढ़ी, श्री प्रेमपाल सिंह चौहान प्रधान गोवली, श्री मुन्नालाल प्रधान नरौना आकापुर, विकास खण्ड अतरौली, जिला अलीगढ़ का शिकायती प्रार्थना-पत्र सरकार को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां । प्रश्नकर्ता का शिकायती पत्र दिनांक 8-2-90 स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में दिनांक 16-3-90 को प्राप्त हुआ था । उक्त शिकायती पत्र पर विचारोपरान्त स्वास्थ्य सवा निदेशक ने अपने आदेश दिनांक 29-3-90 द्वारा श्री एन आर0 सिंह, फार्मेसिस्ट का स्थानान्तरण जनपद अलीगढ़ से एस0 पी0 एफ0 मुरादाबाद के लिए कर दिया गया है ।

श्री राम देव शर्मा स्वास्थ्य निरीक्षक उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अतरौली जिला अलीगढ़ का स्थानान्तरण

168–श्री कल्यान सिंह–

क्या सरकार कृपया बतायेगी कि संयुक्त निदेशक मलेरिया उत्तर प्रदेश के आदेश संख्या माल ए/एच0 आई0 90/433 दिनांक 20-1-1990 के अधीन श्री रामदेव शर्मा स्वास्थ्य निरीक्षक उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अतरौली, जिला अलीगढ़ का स्थानान्तरण के कारण कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है ? यदि हां, तो कब ? यदि नहीं, तो क्यों और उन्हें अतरौली, जिला अलीगढ़ से कब तक कार्यभार से मुक्त कर दिया जायेगा ?

श्री मुख्तार अनीस–

सूचना एकत्र की जा रही है ।

महालेखाकार उत्तर प्रदेश इलाहाबाद की आडिट रिपोर्ट

169–श्री राम स्वरूप वर्मा–

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि महालेखाकार उत्तर प्रदेश इलाहाबाद की आडिट रिपोर्ट दिनांक 15-10-87 पार्ट-2 सेक्शन बी पैरा-3 पर यह आपत्ति की गयी है कि पब्लिक नलकूप निर्माण खण्ड कानपुर में पी0 बी0 सी0 पाईपों की अनावश्यक ढुलाई में 45000 रुपया (पैंतालिस हजार) की सरकारी धन की हानि हुई है ? यदि हां, तो इस सरकारी हानि के लिए कौन-कौन अधिकारी दोषी हैं और उनके खिलाफ अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां ।

प्रश्नगत मामले में जांच आख्या अभी प्राप्त नहीं हुई है । जांच आख्या प्राप्त होने के उपरान्त ही दोषी पाये गये अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने का प्रश्न उत्पन्न होगा ।

जिला बरेली की तहसील व परगना फरीदपुर में ग्राम शिवपुरी लच्छोली में सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस के रख रखाव की व्यवस्था की मांग

170—श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला बरेली की तहसील व परगना फरीदपुर में ग्राम शिवपुरी लच्छोली में शारदा नहर की बर्झाड़ा राजबहा के किनारे जो सिंचाई विभाग का गेस्ट हाउस बना है उसका रख रखाव न होने का क्या कारण है ? क्या सरकार इस गेस्ट हाउस के रखाव की व्यवस्था करेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह—

शिवपुरी निरीक्षण भवन फरीदपुर ब्रांच शारदा नहर की टेल से निकलने वाली बर्झाड़ा राजबहा के 13 मील पर बना हुआ है । बर्झाड़ा राजबहा के 10 मील के नीचे का क्षेत्र नलकूप संगठन को स्थानान्तरित हो गया है व बर्झाड़ा राजबहा के 10 मील से नीचे की सिंचाई फरीदपुर कलस्टर नलकूप से होती है । अतः इस निरीक्षण भवन को नलकूप संगठन विश्व बैंक को स्थानान्तरण करने की कार्यवाही हो रही है । यदि उनको आवश्यकता हुई तभी इसका रख रखाव किया जायेगा ।

जनपद आजमगढ़ के हरैया एवं गिलरियागंज विकास खण्ड में राजकीय नलकूपों की संख्या, सम्बन्धित कर्मचारियों का वेतन एवं नलकूपों के रख-रखाव पर व्यय धनराशि का विवरण

171—श्री पंचानन राय—

विधान सभा के प्रथम सत्र 1990 के प्रथम गुरुवार हेतु निर्धारित अतारांकित प्रश्न संख्या—1 के उत्तर के संदर्भ में क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि संबंधित विकास खण्ड के राजकीय नलकूपों की सिंचन क्षमता में वृद्धि हेतु 31 मार्च, 1990 तक क्या प्रयास किये गये ?

श्री रेवती रमण सिंह—

संदर्भित विकास खण्ड हरैया में प्रत्येक राजकीय नलकूप की सिंचन क्षमता 100 हेक्टेयर है जिसमें वृद्धि हेतु कोई प्रयास नहीं किया गया ।

जनपद अल्मोड़ा में कुमाऊं क्षेत्र के गो0 तिवारी संयुक्त चिकित्सालय के लिए सृजित पदों को भरे जाने, स्टाफ एवं उपकरणों की कमी को भरे जाने की मांग

172—श्री जसवन्त सिंह विष्ट—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अल्मोड़ा में कुमाऊं क्षेत्र के निवासियों को मेडिकल कालेज की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से 200

शैय्यायुक्त गो0 तिवारी संयुक्त चिकित्सालय की स्थापना शासन द्वारा की गयी और यहां पर कई विशिष्ट चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु पद सृजित किये गये किन्तु वर्तमान में उक्त बेस चिकित्सालय में विशिष्ट सर्जन, अन्य चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ एवं उपकरणों की कमी को शासन द्वारा दूर नहीं किया जा रहा है? क्या शासन सभी पदों को भरने की कार्यवाही करेगा ? यदि हां, तो कब तक ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, उक्त चिकित्सालय में स्थानान्तरण द्वारा वरिष्ठ विशेषज्ञों के पदों को भरे जाने के लिए तैनाती के आदेश जारी कर दिये गये हैं । साधारण ग्रेड के चिकित्साधिकारी के पदों पर भर्ती हेतु तदर्थ चयन कराया गया है जिससे अधिकारी उपलब्ध हो जायेंगे और शीघ्र ही उन पदों को भी भर दिया जायेगा । अन्य स्टाफ एवं उपकरणों की कमी दूर करने के संबंध में भी कार्यवाही की जा रही है ।

173—श्री जसवन्त सिंह विष्ट—

[2रे शुक्र में अता0 प्र0 सं0 170 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

परिवहन अनुभाग के उपनिदेशकों के विरुद्ध विधायकगणों के शिकायती पत्र एवं समिति से जांच कराने की मांग

174—श्री राज किशोर सिंह—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि परिवहन अनुभाग के उप निदेशकों के विरुद्ध अक्टूबर, 1989 से मार्च, 1990 तक किन-किन विधायकगण के शिकायती पत्र किन-किन विषयों पर शासन एवं महानिदेशालय को प्राप्त हुए ? क्या सरकार उन शिकायतों पर अधिकारियों की समिति से जांच कराने पर विचार करेगी ?

श्री मुख्तार अनीस—

अक्टूबर, 1989 से मार्च, 1990 तक सर्वश्री शारदानन्द अंचल, राजकिशोर सिंह, राम चन्द्र बख्श सिंह, अकबर हुसैन बाबर, डा0 नेपाल सिंह, ओम प्रकाश दिवाकर, स्वामी नेमपाल सिंह, शकुन्तला देवी, हरिवंश सहाय, दया शंकर छत्रपाल सिंह, विधायकगण के शिकायती पत्र उप निदेशक (प्राविधिक) स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा करती गयी वित्तीय अनियमितताओं तथा प्रशासनिक भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में शासन एवं महानिदेशालय को प्राप्त हुए हैं इन शिकायतों पर महानिदेशालय के उच्च स्तरीय अधिकारी द्वारा जांच कराई जा रही है ।

अधीक्षण अभियन्ता (सिविल) तथा अधिशासी अभियन्ता (सिविल) के पदों पर कनिष्ठ व्यक्तियों की अनियमित प्रोन्नति को रोके जाने विषयक विधायक अकबर हुसैन बाबर का पत्र एवं कार्यवाही

175—श्री राज किशोर सिंह—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बतायेंगे कि अधीक्षण अभियन्ता (सिविल) तथा अधिशासी अभियन्ता (सिविल) के पदों पर कनिष्ठ व्यक्तियों की अनियमित प्रोन्नतियों को रोकने

तथा अनियमित रूप से प्रोन्नत किये जा रहे प्रतिनियुक्ति पर आये अभियन्ताओं को वापस भेजने के बारे में विधायक श्री अकबर हुसैन बाबर का कोई पत्र दिनांक 28-3-90 उन्हें तथा स्वास्थ्य सचिव को प्राप्त हुआ ? उन पत्रों पर क्या कार्यवाही हुई ? पत्र में उल्लिखित व्यक्तियों को प्रतिनियुक्ति से वापस भेजने के बारे में अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? उन्हें कब तक मूल विभाग में वापस भेजा जायेगा ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, पत्र में उल्लिखित बिन्दुओं के सम्बन्ध में कार्मिक विभाग/पैतृक विभाग एवं लोक सेवा आयोग के परामर्श से यथोचित कार्यवाही की जा रही है ।

स्वास्थ्य विभाग में सिविल अभियन्ताओं के मध्य शासन स्तर पर भिन्न-भिन्न नीतियां अपनाने के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र एवं कार्यवाही

176—श्री राज किशोर सिंह—

क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बतायेंगे कि स्वास्थ्य विभाग में सिविल अभियन्ताओं के मध्य शासन स्तर पर भिन्न-भिन्न नीतियां अपनाने के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र 31-3-90 मुख्य मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री व शासन को प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर क्या कार्यवाही हुई है ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, पत्र में उल्लिखित बिन्दुओं के संबंध में कार्मिक विभाग/पैतृक विभाग एवं लोक सेवा आयोग के परामर्श से यथोचित कार्यवाही की जा रही है।

परिवहन अभियन्ताओं की वार्षिक प्रविष्टियों को द्वेष भाव से उच्चाधिकारियों द्वारा बदलने के विरुद्ध प्रश्नकर्ता का शिकायती पत्र एवं कार्यवाही

177—श्री अकबर हुसैन बाबर—

क्या स्वास्थ्य मंत्री बतायेंगे कि परिवहन अभियन्ताओं की वार्षिक प्रविष्टियों का द्वेषभाव से उच्चाधिकारियों द्वारा बदलने के विरुद्ध प्रश्नकर्ता का शिकायती पत्र 24-12-89 शासन तथा महानिदेशालय को प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो शिकायतों पर किस अधिकारी द्वारा कब से जांच की जा रही है और इसमें कौन अधिकारी/कर्मचारी दोषी पाये गये ? यदि जांच प्रारम्भ नहीं की गयी है तो इसके क्या कारण हैं तथा क्या सरकार इस प्रकरण की जांच हेतु, जांच अधिकारी नियुक्त करके जांच कराकर दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित करायेगी ?

श्री मुख्तार अनीस—

जी हां, इस पर उच्चस्तरीय जांच प्रस्तावित है । जांच के फलस्वरूप दोषी पाये गये व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी ।

उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के मुख्यालय तथा बाहरी कर्मचारी को समान वेतनमान दिए जाने की मांग

178—श्री ओम प्रकाश गुप्ता—

क्या खाद्य मंत्री को जानकारी है कि उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के मुख्यालय तथा बाहरी कर्मचारी का पद समान होते हुए भी वेतन में विसंगतियां हैं? यदि हां, तो क्यों ? क्या मुख्यालय की भांति समान पद धारक को समान वेतनमान दिए जाने के आदेश दिए जायेंगे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के मुख्यालय तथा बाहर (जलपान गृह एवं डिपो) कर्मचारियों के पदनाम एवं कार्य की प्रकृति समान नहीं है । अतः वेतन भी समान नहीं है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

चूंकि पद समान नहीं हैं इसलिए समान वेतनमान दिए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता है ।

उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के कर्मचारियों को राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान सुविधाएं देने की मांग

179—श्री ओम प्रकाश गुप्ता—

क्या खाद्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के कर्मचारियों को राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान सुविधाएं दी जाती हैं ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

जी नहीं ।

उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के कर्मचारी सरकारी कर्मचारी नहीं हैं अतः उन्हें सरकारी कर्मचारियों के समान सुविधाएं नहीं दी जा सकती हैं । निगम सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1960 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था है जिसके कर्मचारियों की सेवा शर्तें सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो द्वारा निर्गत गाइड लाइन्स के आधार पर निदेशक मण्डल द्वारा निर्धारित की जाती हैं ।

उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के डिपो एवं कैफेटेरिया के रिक्त पड़े पदों को भरे जाने की मांग

180—श्री ओम प्रकाश गुप्ता—

क्या खाद्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के कितने डिपो एवं कैफेटेरिया ऐसे हैं जहां प्रबन्धक पद रिक्त पड़े हैं ? प्रबन्धकों की नियुक्ति कब तक कर दी जायेगी ?

श्री दिवाकर विक्रम सिंह—

उ0 प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के किसी भी डिपो में प्रबन्धक का पद रिक्त नहीं है । दो कैफेटेरिया में प्रबन्धक के पद रिक्त हैं ।

कम बिक्री को देखते हुए सहायक प्रबन्धक कार्य चला रहे हैं ।

जनपद बलिया की भांति मऊ जनपद के बांध एवं नहर माइनरों को पक्का कराने की योजना एवं कार्यवाही

181–श्री अमरेश चन्द्र पाण्डेय—

क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पड़ोसी जनपद-बलिया की भांति मऊ जनपद के अंतर्गत विकास खण्ड फतेहपुर मण्डाव, घोसी एवं दोहरीघाट में विभाग द्वारा निर्मित बांध एवं नहर माइनरों को पिच करने की कोई योजना सरकार में विचाराधीन है ? यदि हां, तो उसकी कार्यवाही किस स्तर पर है और यदि नहीं है तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी नहीं ।

प्रश्न नहीं उठता ।

यातायात हेतु सुविधा उपलब्ध कराने एवं सड़कों को पक्का करने की कार्यवाही सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा की जाती है ।

जनपद मऊ में विकास खण्ड घोसी के अंतर्गत राजकीय नलकूपों की संख्या एवं उन्हें ठीक कराने की मांग

182—श्री अमरेश चन्द्र पाण्डेय—

क्या सिंचाई मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद–मऊ में विकास खण्ड-घोसी के अंतर्गत कितने सरकारी नलकूप हैं उनमें से कितने चालू हालत में हैं और कितने बन्द हैं ? उनमें से कितने की मोटर खराब है और कितने की नालियां खराब हैं? उन्हें कब तक ठीक कराया जाएगा ?

श्री रेवती रमण सिंह–

प्रश्नगत विकास खण्ड में 15 राजकीय नलकूप हैं ।

15 नलकूपों में से एक नलकूप अस्थायी रूप से विद्युत दोष से बन्द है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

जनपद मऊ में विकास खण्ड दोहरी घाट के अन्तर्गत सरकारी नलकूपों की संख्या एवं खराब पड़े नलकूपों को ठीक किये जाने की मांग

183–श्री अमरेश चन्द्र पाण्डेय–

क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जनपद-मऊ में विकास खण्ड दोहरी घाट अन्तर्गत कितने सरकारी नलकूप हैं? कितने चालू हैं और कितने बन्द हैं? जो बन्द हैं उनमें से कितने की मोटर खराब है और कितने की नालियां खराब हैं? उन्हें कब तक ठीक करा दिया जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह–

प्रश्नगत विकास खण्ड में 14 राजकीय नलकूप हैं।

सभी नलकूप चालू हालत में हैं ।

शेष का प्रश्न नहीं उठता।

शारदा खण्ड, उन्नाव डिवीजन के अन्तर्गत जनपद हरदोई में आने वाले एरिया की सही देखभाल के लिए अधिकारियों को कैम्प आफिस खोलकर रहने के आदेश एवं उनका पालन

184–श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल–

क्या सिंचाई मंत्री को जानकारी है कि शासन ने शारदा खण्ड, उन्नाव डिवीजन के अन्तर्गत जनपद हरदोई में आने वाले एरिया की सही देखभाल के लिए सप्ताह में दो दिन अधिकारियों को हरदोई में कैम्प आफिस खोलकर रहने के आदेश वर्ष 1984-85 में दिए थे? यदि हां, तो क्या उन आदेशों का पालन हो रहा है? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री रेवती रमण सिंह–

जी नहीं, ऐसे कोई आदेश निर्गत नहीं किए गए हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

डा0 सिद्दीकी सदर अस्पताल प्रतापगढ़ के खिलाफ प्रश्नकर्ता का शिकायती पत्र एवं कार्यवाही

185–श्री संगम लाल शुक्ला–

क्या स्वास्थ्य मंत्री को प्रश्नकर्ता का शिकायती पत्र दिनांक 8-1-90 डा0 सिद्दीकी सदर अस्पताल प्रतापगढ़ के खिलाफ प्राप्त हुआ है? अगर हां, तो उस पर क्या कार्यवाही हुई? यदि नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां।

शिकायत की जांच कराई जा रही है। जांच आख्या प्राप्त होने पर यथासमय नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

एम0 एल0 एन0 मेडिकल कालेज, इलाहाबाद के मेडिसिन विभाग में स्किन एवं बी0 डी0 विभाग को अलग किये जाने का प्रकरण

186–श्री संगम लाल शुक्ला–

क्या स्वास्थ्य मंत्री बतायेंगे कि प्रधाधाचार्य एम0 एल0 एन0 मेडिकल कालेज इलाहाबाद ने सचिव चिकित्सा अनुभाग-1 उत्तर प्रदेश शासन विकास भवन लखनऊ को दिनांक 31-10-89 को एक पत्र लिखकर स्किन एवं वी0 डी0 विभाग को मेडिसिन विभाग से अलग किए जाने की प्रबल संस्तुति की थी और उसकी प्रतिलिपि निदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण उ0 प्र0 को भेजी थी? यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी? अगर नहीं, तो क्यों?

श्री मुख्तार अनीस–

जी हां। मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज, इलाहाबाद के मेडिसिन विभाग से स्किन एवं बी0 डी0 विभाग को अलग किये जाने का प्रकरण शासन में विचाराधीन है।

187–श्री बसन्त लाल गुप्ता–

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

बांदा जिले में कर्वी तहसील के अन्तर्गत बरुवा बांध नहर की शाखा इटखरी, बलरामपुर बारामाफी के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की मांग

188—श्री राम प्रसाद सिंह—

क्या सिंचाई मंत्री कृपया बतायेंगे कि बांदा जिले में कर्वी तहसील के अन्तर्गत बरुवा बांध नहर की शाखा इटखरी, बलरामपुर बारामाफी के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हेतु करीब सात लाख आठ हजार रुपए की अनुमानित लागत के प्रस्ताव अधिशासी अभियन्ता बरुवा बांध को 15-5-86 व 23-1-87 को प्राप्त हुए थ ? यदि हां, तो उन पर अभी तक कोई कार्यवाही न किए जाने का क्या कारण है तथा इन्हें कब तक पूरा करा दिया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

बरुआ बांध की शाखा बलरामपुर शाखा बारामाफी एवं इटखरी के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हेतु सात लाख आठ हजार रु0 के प्रस्ताव दिनांक 15-6-86 व 23-1-87 को प्राप्त नहीं हुए थे । अतएव इन पर किसी कार्यवाही का प्रश्न नहीं उठता ।

बलरामपुर माइनर का टेल भाग ऊबड़-खाबड़ है । इसे बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है । शेष दो इटखरी तथा बारामाफी माइनरों को बढ़ाने का प्रस्ताव 3.22 लाख रु0 का तैयार कर लिया गया है तथा अपर जिलाधिकारी (परियोजना), बांदा को जिला योजना में सम्मिलित करने व धन उपलब्ध कराने हेतु भेज दिया गया है । स्वीकृति एवं धन उपलब्ध होने पर निर्माण कार्य कराया जावेगा ।

जनपद फिरोजाबाद में टूण्डला जंक्शन रेलवे स्टेशन के निकट स्थित "प्रकाश ग्लास इण्डस्ट्रीज" नामक कांच की चूड़ी हेतु पंजीकृत इकाई की जांच

189—श्री रघुवर दयाल वर्मा—

क्या उद्योग मंत्री को जानकारी है कि जनपद फिरोजाबाद में टूण्डला जंक्शन रेलवे स्टेशन के निकट स्थित "प्रकाश ग्लास इण्डस्ट्रीज" नामक कांच की चूड़ी इकाई को आवंटित कोयला की रैक और वैगन का गंतव्य स्थान फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन है जिसकी दूरी इकाई से 24 कि0मी0 दूर है ? यदि हां, तो क्यों ? क्या यह भी सत्य है कि यह इकाई कागज पर कार्यरत है और कोयला की काला बाजारी करती है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसकी जांच कराकर उसके विरुद्ध कार्यवाही करेगी ?

श्री रेवती रमण सिंह—

मे0 प्रकाश ग्लास इण्डस्ट्रीज, टूण्डला कांच की चूड़ी हेतु पंजीकृत इकाई नहीं है बल्कि ग्लास वेयर तथा ग्लास उत्पादन हेतु पंजीकृत है ।

इकाई को आवंटित कोयले के रैक और वैगन का गन्तव्य स्थान फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन नहीं बल्कि शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन है ।

टूण्डला में कांच की एक मात्र इकाई होने के कारण कोयले के रैक और वैगन हेतु टूण्डला गन्तव्य स्थान एक समस्या है अतः इकाई द्वारा ही गन्तव्य स्थान शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन चुना गया है ।

जी नहीं । इकाई कार्यरत है । परन्तु इकाई को मा0 उच्च न्यायालय के आदेशानुसार अप्रयोज्य कोयला/कोयले का चूरा बेचने की अनुमति प्राप्त है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

190—श्री राम कुमार शुक्ल—

[2रे शुक्र में अता0 प्र0 सं0 115 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

उद्योग निदेशालय के आदेश के अंतर्गत वरिष्ठ प्रशिक्षक के वेतनमान का लाभ

191—श्री रवीन्द्र कुमार सिंह—

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उद्योग निदेशालय के आदेश सं0 4116-19-प्रसार स्था0 68, दि0 17-10-87 द्वारा वरिष्ठ प्रशिक्षक के पद का वेतनमान स्वीकार किया गया है ? यदि हां, तो क्या उक्त आदेश के अन्तर्गत वरिष्ठ प्रशिक्षक के वेतनमान का लाभ पाने वाले व्यक्ति से ज्येष्ठ व्यक्तियों को उक्त लाभ दिया गया है ? यदि नहीं, तो क्यों ? उक्त लाभ उन्हें कब तक मिल जायेगा ?

श्री रेवती रमण सिंह—

जी हां । उद्योग निदेशालय के आदेश संख्या 4116-19-प्रसार-स्था0-68, दिनांक 17-10-87 द्वारा श्री गोकुल सिंह प्रशिक्षक को उच्च वेतनमान 470—735 अनुमन्य किया गया है ।

श्री गोकुल सिंह से ज्येष्ठ सभी प्रशिक्षकों को उक्त वेतनमान (470—735) निर्धारित मापदण्ड के अनुसार दिया गया है ।

प्रश्न नहीं उठता ।

उ0 प्र0 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से आए पर्वतीय क्षेत्र में अधिकारियों/कर्मचारियों की नियुक्ति एवं वेतन निर्धारण

192—श्री भारत सिंह रावत—

क्या उद्योग मंत्री बतायेंगे कि वर्ष 1978 से अब तक उ0 प्र0 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से कितने अधिकारी एवं कर्मचारी उद्योग विभाग के पर्वतीय क्षेत्र में आए ? क्या ऐसे अधिकारियों/कर्मचारियों का उद्योग निदेशक, उ0 प्र0 ने वेतन निर्धारण करा दिया है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रेवती रमण सिंह—

वर्ष 1978 से अब तक खादी ग्रामोद्योग बोर्ड से कुल 15 अधिकारी उद्योग विभाग में जिला उद्योग केन्द्र योजना के अन्तर्गत पर्वतीय क्षेत्र में नियुक्त किये गये ।

उपरोक्त में 14 अधिकारियों के वेतन निर्धारण हो चुके हैं ।

एक अधिकारी का वेतन उसके निलम्बित होने के कारण निर्धारित नहीं हुआ है ।

वर्तमान विधान सभा सदस्य श्री सुरेन्द्र सिंह एवं श्री गेन्दन लाल गंगवार के निधन पर शोकोद्गार

श्री राजेन्द्र त्रिपाठी–

मान्यवर, व्यवस्था का प्रश्न है । आज नेता विरोधी दल की कुर्सी पर अरुण कुमार "मुन्ना" जी विराजमान हैं ।

श्री उपाध्यक्ष–

निधन के निदेश के अलावा कुछ नहीं होगा ।

*मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)–

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज सदन को निधन के निदेश देते हुए मुझे बेहद दुख है और मान्यवर इसलिये भी बेहद दुख है कि हमारे इस सदन के वर्तमान दो सदस्य जो विगत चुनाव में इस सदन के सदस्य चुनकर आये थे, जिनमें श्री सुरेन्द्र सिंह जी जनपद बिजनौर विधान सभा क्षेत्र धामपुर से चुकर आये थे और अफसोस है कि उनकी अकाल मृत्यु हुई। जीप दुर्घटना में मृत्यु हुई और बहुत कम उम्र के विधायक थे जिनका सहकारिता आन्दोलन से गहरा सम्बन्ध रहा है । शिक्षा जगत में उन्होंने बड़ी सेवा की और कई विद्यालय चलाने का उन्होंने परिश्रम किया । उनसे इस प्रदेश की जनता की बड़ी उम्मीदें थीं । 37 साल में ही हमारे नवजवान साथी इस सदन से उठ गये । मुझे और भी बेहद अफसोस है, इन्होंने बहुत ही शीघ्र मुझसे निजी सम्बन्ध बना लिये थे । उनसे कई बार मुलाकात हुई और कई बार कई समस्याओं पर उन्होंने मेरा ध्यान आकर्षित किया था । कुछ ऐसी समस्यायें थी, जिनको वह कह कर गये और मैं दिल्ली में था, तो उनके निधन का समाचार सुना, तो मैं उनके निधन से आवाक रह गया । ऐसे सदस्य का हमारे सदन से उठ जाना इस सदन के लिये दुख की बात है । उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी का ही नुकसान नहीं हुआ है, इस प्रदेश के नवजवानों को रास्ता दिखाने वाले, सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले एक परिश्रमी नेता का निधन हो गया है । मेरा प्रस्ताव है कि हमारी सम्वेदनायें उनके दल, उनके परिवार, उनके मित्रों और सम्बन्धियों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

इसी तरह से दूसरे माननीय सदस्य श्री गेन्दन लाल गंगवार, तो भारतीय जनता पार्टी के ही सदस्य थे, उनकी मृत्यु हो गयी । उनका निधन अकाल मृत्यु से हुआ । बिजली के तार छू जाने से उनका निधन हो गया । यह भी बहुत ही सार्वजनिक जीवन में काम करने वाले लोगों में से थे । वे अन्याय और अत्याचार के खिलाफ कई बार जेल भी गये । वे जनपद बरेली के नवाबगंज क्षेत्र से चुनकर आये थे । वहां की जनता ने, जब मैं बरेली गया था, मांग की थी, उनके नेता बैठे हुये हैं वे मुझे बता देंगे, वैसे तो मैंने विधिवत घोषणा कर दी थी बरेली में, जो उनके नाम से एक सड़क की मांग की गई थी, किन्तु यहां पर भी मैं उनके नाम से वहां पर उस सड़क की घोषणा करता हूं । वे हमारे एक ऐसे नौजवान सदस्य थे जो पहली बार इस विधान सभा में चुनकर आये थे । उन्हें इस सदन की सेवा करने का मौका मिलता तो प्रदेश और देश की राजनीति में भी उनका नाम होता । इस देश के नक्शे पर उनका नाम होता । लेकिन बिजली का तार छू जाने से उनकी अकाल मृत्यु हो

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

गई । इसके लिये हम सब लोग दुखी हैं । मैं जनता दल की तरफ से और इस पूरे सदन की तरफ से आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप उनके परिवार तक हमारी यह संवेदनायें पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री अरुण कुमार सिंह "मुन्ना"–

मान्यवर, माननीय नेता सदन ने जो भावनायें व्यक्त की हैं स्वर्गीय श्री सुरेन्द्र सिंह जी के लिये और स्वर्गीय श्री गेंदन लाल गंगवार साहब के लिये, मैं अपने को और अपने दल को उनके साथ सम्बद्ध करता हूं । यह निश्चय ही जो असामयिक मृत्यु हुई हैं हमारे नौजवान भाई सुरेन्द्र सिंह जी की दुर्घटना में, वह जिस विश्वास के साथ अपने क्षेत्र से चुनकर आये थे वह सेवा करने का उन्हें अवसर नहीं प्राप्त हुआ । वे अल्प आयु से ही किसान सहकारी संस्थाओं से और शिक्षा जगत से जुड़े हुये थे । यह अपने आप में प्रभावी होता है कि हमारे ऐसे नौजवान साथी को इस देश और प्रदेश की दुर्भाग्यवश सेवा करने का अवसर नहीं मिला । उनके निधन से जितनी भारतीय जनता पार्टी को क्षति हुई है उतनी ही और वहीं एक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता की क्षति प्रदेश के पैमाने पर हुई है । उनके परिवार को हम अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से शोक संतप्त संवेदनायें आपके माध्यम से भेजना चाहते हैं । मुझे विश्वास है कि आप उसे भेजने का प्रयास करेंगे ।

दूसरे स्व0 श्री गेन्दन लाल गंगवार साहब भी अल्प आयु में असामयिक मृत्यु का कारण बने । उन्होंने अपने छोटे से जीवन में जो राजनीतिक सेवायें की हैं उन्हें हमेशा बरेली की जनता और उनके क्षेत्र के लोग याद रखेंगे । मैं चाहूंगा कि यह शोक संवेदनायें उनके परिवार के लोगों, उनके दल के सहयोगियों तथा साथियों तक आप पहुंचाने का कष्ट करेंगे ।

*श्री कल्यान सिंह–

मान्यवर, माननीय स्वर्गीय सुरेन्द्र सिंह तथा माननीय स्वर्गीय गेन्दन लाल गंगवार के निधन के सन्दर्भ में जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन तथा माननीय नेता कांग्रेस दल ने व्यक्त किये हैं मैं अपने को और अपने दल को उनके साथ सम्बद्ध करता हूं । इनके असामयिक निधन से हम सब लोग दुखी हैं । राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाला जब कोई कार्यकर्ता उठकर चला जाता है तो चाहे वह किसी भी दल का क्यों न हो, बड़ी क्षति होती है । कार्यकर्ता एक दिन में नहीं बनता और नेता एक-दो वर्ष में नहीं बनता । ऐसे लोग जब अपने बीच से उठकर चले गये हैं और उनके क्षेत्र में जो क्षति हो रही है उसकी पूर्ति करना बहुत ही कठिन लग रहा है । मुझे ऐसा लग रहा है कि कदाचित विधाता भारतीय जनता पार्टी और हम लोगों की एक कड़ी परीक्षा ले रही है । हम 57 विधायक निर्वाचित होकर आये थे । उनमें श्री परमात्मा शरण मित्तल का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया । उसके बाद श्री सुरेन्द्र सिंह का ट्रक दुर्घटना में निधन हो गया । उसके पश्चात् माननीय गेन्दन लाल जी का किसी दूसरे कारण से, एंटीना सम्भालते निधन हो गया ।

---

*वक्ता ने भाषण का पुर्नवीक्षण नहीं किया ।

मैं सुरेन्द्र सिंह जी को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं और उनके घर पर भी गया हूं। जमीन से जुड़ा हुआ कार्यकर्ता कैसा होता है उसका वे स्वयं में उदाहरण थे । शिक्षा जगत में उनकी सेवायें, और सामाजिक क्षेत्र में उनकी निस्वार्थ भाव से सेवायें अनुकरणीय हैं और उसका जो प्रभाव उन्होंने छोड़ा है उसका उदाहरण है कि उनकी इस दुर्घटना के पश्चात् एक शोक की लहर पूरे क्षेत्र में फैल गयी और हजारों लोग चाहे वह किसी भी दल के हों उनके प्रति जो लोगों का स्नेह था उसके कारण यह दुखद समाचार सुनकर वहां इकट्ठे हो गये । तो एक ऐसा व्यक्ति हमारे प्रदेश से उठ गया जो हमेशा गरीबों की लड़ाई लड़ता था जो हमेशा अपने क्षेत्र के विकास के लिये लड़ाई लड़ता था, जो हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ता था और निस्वार्थ भाव से लगन से लड़ाई लड़ता था ।

उनके निधन से सार्वजनिक क्षेत्र की महती क्षति हुई है जिसकी पूर्ति होना बहुत ही कठिन है । मान्यवर, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि सुरेन्द्र सिंह जी के शोक संतप्त परिवार तक मेरे और मेरे दल की संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

इसी प्रकार हमारे दूसरे साथी गेन्दन लाल जी गंगवार जो बरेली जनपद से विधायक निर्वाचित होकर आये थे वहां पर भी मैं गया था लेकिन इससे पहले मैं उनके घर नहीं गया था तो वहां जाकर जो मैंने देखा उससे उनके प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ गयी । जो व्यक्ति दो दो बार ब्लाक प्रमुख चुना गया हो और फिर विधायक रहा हो लेकिन उसके घर पर आज भी फूंस का छप्पर पड़ा हुआ था कहीं किसी प्रकार का पक्का मकान नहीं था तो इतना सादगी और स्वच्छता से उन्होंने जीवन व्यतीत किया हो तो ऐसे कार्यकर्ता जो दूर देहात में निवास करता हो, जो पूरे क्षेत्र की सेवा में समर्पित हो उसकी पूर्ति होना संभव नहीं है । वह दो दो बार ब्लाक प्रमुख रहे और इस बार विधान सभा के सदस्य के रूप में यहां आये । मैं माननीय मुख्य मंत्री जी की इस घोषणा का आभार प्रकट करता हूं कि उनकी स्मृति में सड़क बनाने की बात उन्होंने कही है । मैं इस अवसर पर इतना अवश्य निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे इन दो माननीय विधायकों की मृत्यु संदेह के घेरे से परे नहीं हैं । इन दोनों ही मामलों की उच्चस्तरीय जांच शासन कराये और जांच के बाद जो निष्कर्ष सामने आये उससे हमको और इस माननीय सदन को अवगत करायें क्योंकि जो शंकायें और जो परिस्थितियां वहां पर वर्णित की गयी हैं उनमें दोनों की मृत्यु संदेह से परे नहीं है यह सब उच्चस्तरीय जांच से ही स्पष्ट हो पायेगा । मेरी आपसे प्रार्थना है कि गेन्दन लाल जी के शोक संतप्त परिवार तक मेरे और मेरे दल की संवेदना पहुंचाने की कृपा करें ।

*श्री रामचन्द्र बख्श सिंह—

मान्यवर, माननीय सुरेन्द्र सिंह और माननीय गेन्दन लाल गंगवार के असामयिक निधन से मुझे और मेरे दल को हार्दिक दुख है । इतनी कम उम्र में हमारे बीच से उठ जाने से विशेषरूप से हमें दुख है । इनके प्रति जो विचार माननीय नेता सदन, माननीय उप-नेता कांग्रेस और माननीय नेता भारतीय जनता पार्टी ने व्यक्त किये हैं उससे मैं अपने और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं ।

मान्यवर, इन दोनों लोगों के निर्धन से प्रदेश के पूरे राजनैतिक और सामाजिक जीवन को गहरी क्षति हुई है । मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि मेरे दल की संवेदना शोक संतप्त परिवारों तक पहुंचाने की कृपा करें ।

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्री शेख मोहम्मद सुलेमान—

मान्यवर, मुझे बड़े ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि मेरे ही जनपद बिजनौर से मेरी बगल की सीट, धामपुर विधान सभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनकर आये श्री सुरेन्द्र सिंह का निधन हो गया है और आज वह हमारे बीच में नहीं हैं । वह बहुत ही मेहनती, ईमानदार और एक अच्छे सामाजिक कार्यकर्ता थे । मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि खुदा उनके परिवार को इस सदमें को बरदाश्त करने की कूबत दे । मैं और मेरा दल बहुजन समाज पार्टी के सारे सदस्य उनके परिवार के दुख में बराबर के शरीक हैं । मेरा आपसे अनुरोध है उनके परिवार के लोगों को मेरी और मेरे दल की ओर से शोक संवेदनायें भेज दी जायं ।

मान्यवर, बड़े ही दुख के साथ मुझे कहना पड़ रहा है कि इस विधान सभा में चुनकर आये श्री गेन्दन लाल गंगवार जो जिला बरेली में नवाबगंज क्षेत्र से चुनकर आये थे आज वह हमारे बीच में नहीं हैं । मैं उनके लिए अल्लाह से दुआ करता हूं कि अल्लाह उनके परिवार को इस सदमें को बरदाश्त करने की कूबत दे तथा सब्र फरमाये । मैं और मेरा दल उनके परिवार के दुख में बराबर के शरीक हैं । मेरा आपसे अनुरोध है कि उनके परिवार को मेरे और मेरे दल की ओर से शोक संवेदना संदेश भेज दें ।

श्री राज किशोर सिंह—

मान्यवर, श्री सुरेन्द्र सिंह और श्री गेन्दन लाल गंगवार जो क्रमशः बिजनौर और बरेली से पिछले विधान सभा के चुनाव में चुनकर इस सदन में आये थे, बड़े दुर्भाग्य और दुख की बात है कि इन लोगों का असामयिक निधन हो गया । उनके निधन से भारतीय जनता पार्टी को भारी क्षति पहुंची है । मान्यवर, नेता सदन और उप नेता विरोधी दल तथा भारतीय जनता पार्टी के नेता श्री कल्यान सिंह और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एवं बहुजन समाज पार्टी के नेता ने जो इन महानुभावों के प्रति शोकोद्गार व्यक्त किये हैं उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं ।

मान्यवर, सचमुच वे छोटी आयु में हम लोगों से अलग हो गये और ये दोनों ही उभरते हुए राजनीतिक कार्यकर्ता थे जिन्होंने अपने अल्प जीवन काल में जनता की सेवा की एवं राजनीतिक कार्यों में विशेष रुचि रखी थी । बड़ी प्रसन्नता की बात है कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने गेन्दन लाल गंगवार के नाम पर बरेली में एक मार्ग का नाम घोषित करने की यहां घोषणा की है । मान्यवर, इन लोगों के निधन से जो राजनीतिक शून्यता और जो सामाजिक कार्यों के लिए क्षति पहुंची है वह पूरी नहीं की जा सकती है ।

इन शब्दों के साथ मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आपसे निवेदन करता हूं कि मेरी और मेरे दल की ओर से इनके शोक संतप्त परिवारों तक शोक संवेदनायें भेजने की कृपा करें ।

*श्री राम स्वरूप वर्मा (सीट पर बैठकर बोले) —

मान्यवर, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र की दो महान विभूतियां हमारे बीच से उठ गई हैं । श्री सुरेन्द्र सिंह जी एक नवजवान सामाजिक क्षेत्र के जाने-माने कार्यकर्ता थे, जो गरीबों के लिए सदैव लड़ते रहते थे । उनके निधन से जो रिक्तता हुई है,

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

उसे निकट भविष्य में भर पाना बहुत ही मुश्किल है । उनकी रिक्तता हम लोगों को बराबर खलती रहेगी । इसी तरह से श्री गेन्दन लाल भी हमारे बीच नहीं रहे । उनका भी असामयिक निधन हुआ है । वह टी0 वी0 का एन्टना सम्भाल रहे थे उसी में उनको बिजली का शाक लग गया और उनकी मृत्यु हो गई । नेता भारतीय जनता पार्टी इनकी मौतों को सन्देह से परे नहीं बताया है । यह सही है, इसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन उनके निधन से जो रिक्तता हुई, उसकी क्षतिपूर्ति हो पाना बहुत ही मुश्किल जान पड़ता है । सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में उनकी सेवाओं को सदैव याद किया जाता रहेगा और उनकी अनुपस्थिति भी लोगों को परेशान करती रहेगी । मान्यवर, इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपने और अपने दल की ओर से आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप इन दोनों के शोक संतप्त परिवारों तक हमारी संवेदना भेजने का कष्ट करें ।

श्री उपाध्यक्ष–

माननीय नेता सदन, माननीय उप नेता विरोधी दल व अन्य सभी सम्मानित नेताओं ने वर्तमान सदस्यों–श्री सुरेन्द्र सिंह जी और श्री गेन्दन लाल गंगवार जी के विषय में जो विचारोद्गार इस सम्मानित सदन में व्यक्त किये हैं, उनसे मैं भी अपने को सम्बद्ध करता हूं । मैं श्री सुरेन्द्र सिंह जी को व्यक्तिगत रूप से जानता था, जानता हूं, यह बहुत ही संघर्षशील नौजवान व्यक्ति थे और बहुत ही कम आयु में अल्पायु में, इस सदन से हमसे जुदा हो गये । मुझे व्यक्तिगत रुप से जानकारी है वह बहुत कर्मठ और ईमानदार कार्यकर्ता थे । उनके स्वतंत्र विचारों के लिए, उनकी कर्मठता के लिए और उनके संघर्षमय विचारों के लिए उनको लोग ''राजा'' नाम से पुकारते थे । ऐसे ही श्री गेन्दन लाल गंगवार भी बहुत कम आयु में हमसे विदा हो गये । इन दोनों के परिवारों के लिए, आप सभी सम्मानित नेताओं ने जो विचार व्यक्त किए हैं, उनके शोक-संतप्त परिवारों तक आपके तथा अपने उद्गार पहुंचा दिए जायेंगे ।

श्री मुलायम सिंह यादव–

उपाध्यक्ष महोदय, माननीय भारतीय जनता पार्टी नेता श्री कल्यान सिंह जी ने कहा कि हमारे दोनों माननीय सदस्यों के निधन संदेह की परिधि में हैं और उन्होंने चाहा है कि सरकार उनकी जांच कराए । मैं उनकी भावना का आदर करते हुए, दोनों माननीय सदस्य श्री सुरेन्द्र सिंह जी तथा श्री गेंदनलाल गंगवार जी के निधन की सी0 आई0 डी0 से जांच करवाऊंगा ।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सभापति श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)–

उपाध्यक्ष महोदय, मुझे निधन की सूचना देने में बड़ा ही दुख है कि हमारे बीच से श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित चले गये । यह ऐसे लोग हैं, ऐसे नेता हैं जिनकी पूर्ति फिलहाल मुश्किल है । यह बहुमुखी विचारधारा के थे । इनको राजनीतिज्ञ में विद्वान और विद्वानों में राजनीतिज्ञ कह सकते हैं । बचपन से शिक्षा प्राप्ति के बाद वह देश सेवा की तरफ मुड़ गये । और सबसे पहले उन्होंने अध्यापन कार्यकिया, लेकिन उसको छोड़ कर, वह मजदूरों का दुख दर्द दूर से नहीं देख सके, और मजदूरों के बीच

आ गये और मजदूरों के नेता बनकर, उनकी समस्याओं को लेकर, बहुत बड़ा संघर्ष किया और धीरे-धीरे इस प्रदेश के ही नहीं, देश के मजदूर नेताओं में उनका नाम चला गया और उसी का परिणाम हुआ कि एक बार मजदूरों की सेवा संबंधी सेमिनार में मजदूरों के अध्यक्ष होकर जेनेवा 1974 में गये तो मजदूरों के बहुत बड़े हमदर्द और बहुत बड़े नेता बन गये । वह स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे । आजादी की लड़ाई में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही । इससे बहुत अफसोस होता है कि हमारी आजादी के सभी सेनानी धीरे-धीरे ऐसे अवसर पर उठते जा रहे हैं जब देश में गम्भीर समस्यायें हैं इसमें उनके विचारों की, उनके सुझावों की बहुत आवश्यकता थी । इसी के साथ-साथ उन्होंने ऐसे काम किए हैं जो संसदीय लोकतन्त्र की प्रणाली में याद किए जाएंगे । "विधान परिषद् के 100 वर्ष" में उन्होंने ऐसे-ऐसे सदस्यों के नाम उजागर किए हैं जिनका नाम हम लोग कभी जान नहीं सकते थे । यही नहीं विधान परिषद् में जो महत्वपूर्ण भाषण हैं उनका भी संकलन उन्होंने किया । उनकी स्मृति विलक्षण थी । किसी भी नेता, किसी भी कवि, किसी भी लेखक के बारे में केवल नाम से ही नहीं बल्कि उनके बारे में पूरी जानकारी करने के लिये उन्होंने बड़े से बड़ा परिश्रम किया । ऐसे तमाम उदाहरण हैं जो उन्होंने "विधान परिषद् के सौ वर्ष" में लिखे हैं । मुझे अफसोस है कि 5 मार्च को मेरी उनसे अंतिम मुलाकात हुयी थी, मैं नहीं जानता था कि वह हमारे बीच से उठ जायंगें । संसदीय कार्य मंत्री जी मौजूद थे, उन्होंने मुझसे कहा कि बंकिम चन्द्र चटर्जी इटावा जनपद में जन्में थे । पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्री ज्योति वसु ने उनके बारे में बहुत कुछ किया है, उनके लिये आपको कुछ करना चाहिए । मुझे खुद पता नहीं था उन्होंने पूरी जानकारी दी कि उनका जन्म इटावा में हुआ था । उन्होंने उस दिन रामायण की चौपाई पढ़ीं । मैं 15–20 मिनट के लिये उनके पास गया था लेकिन 1 घंटे उनके साथ रहा और तमाम विषयों पर उन्होंने चर्चा की । आगे वह बहुत कुछ लिखना पढ़ना चाहते थे । उन्होंने कहा महाकवि तुलसीदास, संत कबीर, संत रविदास के संबंध में जो ग्रन्थ लिखे हैं, आगे आने वाले में जो लेखक होंगें, साहित्यकार होंगें वह उनको याद करेंगे ।

वह केवल मजदूर नेता या सामाजिक नेता ही नहीं थे, मंत्रिमण्डल में भी वह रहे हैं । राज्य सभा के सदस्य और विधान परिषद् के सदस्य रहे हैं । मुझे उनके साथ सदन में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और उनसे लगातार हमारा निकट का संबंध रहा । ऐसे नेता के उठ जाने से हमारे समाज और हमारे देश तथा हमारे राजनीतिक क्षेत्र की बहुत बड़ी हानि हुई है । यह हानि केवल कांग्रेस पार्टी की नहीं है, वह हमारे देश की हानि है । ऐसे विद्वान राजनीतिज्ञ बहुत कम होते हैं । उनके निधन से हमें, हमारे दल को, इस सदन को गहरा दुख है । हमारी प्रार्थना है कि आप उनके परिवार तक, उनके दल तक, उनके संबंधियो तक हमारी संवेदना पहुंचाने की कृपा करें । उनके संबंध में मांग उठी थी विधान परिषद् में, हमने उसी दिन एक कमेटी की घोषणा कर दी थी । शायद उनके सम्बन्ध में एक कमेटी बन चुकी है और कुछ कार्य भी आरम्भ कर दिया गया है । हमने यह घोषणा कर दी थी कि सरकार की तरफ से जो भी मदद समिति चाहेगी, हम मदद करेंगे । उनकी याद में चाहे ग्रन्थ लिखें, चाहे उनके भाष्य का संकलन किया जाय, समिति वह कार्य करे । इन शब्दों के साथ मैं उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपके माध्यम से उनके परिवार तक संवेदना पहुंचाने की प्रार्थना करता हूं ।

श्री अरुण कुमार सिंह मुन्ना-

मान्यवर, जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन ने स्वर्गीय श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित जी के बारे में व्यक्त किये हैं मैं उससे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । निश्चय ही मान्यवर, स्वर्गीय जगदीश चन्द्र दीक्षित बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्तित्व के धनी हमारे नेता थे । उनका योगदान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में था । वे एक बहुत बड़े रचनाकार भी रहे हैं और साहित्यकार भी रहे हैं । श्रमजीवी संगठनों के पुरजोर समर्थक रहे हैं और प्रदेश तथा देश के मजदूरों की आवाज रहे हैं । उन्होंने न केवल इस देश की परिधि में बल्कि दुनियां के अन्दर अन्य मजदूरों की आवाज को बुलन्द किया था । शासन में मंत्री रहते हुए भी वह मजदूरों, गरीबों, पिछड़े लोगों के बहुत बड़े पक्षधर रहे हैं । जैसा कि माननीय नेता सदन ने कहा कि वह दल की मान्यताओं से ऊपर उठकर मजदूरों की लड़ाई लड़ते थे, आज वह हमारे बीच में नहीं हैं और दूसरी भी बातें जो कही हैं, वह रचनाकार की संज्ञा इसलिए देते हैं कि क्योंकि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के नाते, पठन-पाठन में रुचि रखने के कारण उन्होंने हमेशा इस बात की खोज किया है कि आजादी के आन्दोलनों से जुड़े हुए छोटे और बड़े लोग उनके जीवन की शैली से, उनके कार्यों से, उनके विचारों से हमेशा मूर्त रूप प्रदान करने की शैली प्रदान किया है । उन्होंने एक श्रृंखला तैयार की है, जिस समय माननीय नेता सदन उनके पास गये थे, उस समय वह कुछ न कुछ लिख ही रहे थे और यह सम्भव भी नहीं था मरने के पहले, कुछ क्षणों तक, अस्पताल जाने के पहले भी वह निरन्तर अपनी लेखनी के साथ सम्बद्ध रहे हैं । ऐसे लोगों का आज इस समाज से उठ जाना प्रदेश और देश के लिए अपूर्णनीय क्षति है । हमको उनकी शैली से सबक लेना चाहिए । सारे हमारे मजदूर नेताओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए । उनके बारे में जितना भी कहा जाय, वह कम है । अपने राजनैतिक जीवन में जो उन्होंने छाप छोड़ी है, राजनैतिक जीवन का जो उन्होंने मूल्यांकन किया है, उसके लिए, हमारे सारे राजनैतिक नेता ऋणी हैं । हम अपने और अपने दल की ओर से आपसे प्रार्थना करते हैं कि हमारी शोक संवेदना उनके परिवार, उनके मजदूर साथियों, उनके संगठनों के नेताओं तक पहुंचाने की कृपा करें, क्योंकि वह विभिन्न संगठनों के साथ जुड़े रहे हैं और साथ ही साथ मैं उस आत्मा के प्रति भी अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

श्री कल्याण सिंह-

मान्यवर, माननीय स्वर्गीय जगदीश चन्द्र दीक्षित जी के निधन के संबंध में जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन, माननीय नेता कांग्रेस दल ने व्यक्त किए हैं, उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । स्वर्गीय दीक्षित जी के निधन के पश्चात् जो रिक्तता उत्पन्न हुई है, वास्तव में उसका भर पाना असम्भव है। हमारे जीवन में यह देखने को मिला है कि कोई व्यक्ति किसी विषय का पारंगत है, कोई दूसरे विषय का पारंगत है, लेकिन ऐसे बहुत कम लोग देखने को मिलते हैं, जिनकी प्रतिभा सर्वतोन्मुखी होती है, उन्हीं में से दीक्षित जी एक थे । सामाजिक सेवाओं में उन्होंने जो कुछ कर दिखाया है, वह अनुकरणीय रहेगा, सराहनीय रहेगा । साहित्य के क्षेत्र में, उन्होंने बहुत ही खोजपूर्ण लेख लिखे हैं और

जीवन की अन्तिम सांस तक लिखते रहे । सामाजिक सेवाओं की दृष्टि से जो हमारे पिछड़े व शोषित वर्ग के लोग हैं, उन्होंने भी अपना एक हमदर्द खो दिया है । ऐसी दशा में, बहुत गहरी स्थिति पैदा होती है । उन्होंने जो कुछ किया है, वह सर्व-सामान्य जन को ध्यान में रख कर किया है । वह उस पीढ़ी के थे, जिन्होंने राजनीतिक जीवन में नैतिक मूल्यों का साथ दिया । सार्वजनिक जीवन के नैतिक मूल्यों का अब ह्रास हो रहा है, राजनीतिक जीवन में वह रिक्तता और भी गहरी मिलती है । इससे पूरे समाज को, पूरे राष्ट्र को बड़ा भारी नुकसान हो रहा है । मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह हमें शक्ति दें कि हम उनके द्वारा स्थापित मूल्यों का अनुसरण कर सकें और एक बार फिर से आज की राजनीति में जो नैतिक मूल्यों की गिरावट आ रही है उस गिरावट को दूर करके हम राजनीति को ऊंचा उठा सकें, ऐसी शक्ति परमात्मा हमें दें । इन्हीं शब्दों के साथ मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि स्वर्गीय दीक्षित जी की आत्मा को शान्ति और सद्गति प्रदान करे और उनके शोक संतप्त परिवार को इस गहरे दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे । आपसे प्रार्थना है कि मेरी और मेरे दल की शोक संवेदनाएं माननीय दीक्षित जी के परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें ।

श्री शेख मोहम्मद सुलेमान–

मान्यवर, मुझे बड़े ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि स्वर्गीय श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित जी, सभापति, विधान परिषद् आज हमारे बीच में नहीं हैं उन्होंने तमाम जिन्दगी गरीब मजलूम, बेसहारा लोगों की खिदमत की, मजदूरों की मदद की, आज हमारे बीच में नहीं हैं । मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि अल्लाह उनके परिवार को इनका सदमा बरदाश्त करने की कूबत अता फरमाये । मैं अपने दल बहुजन समाज पार्टी के सभी सदस्यों की ओर से उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा आपसे निवेदन करता हूं कि मेरे और मेरे दल की ओर से उनके परिवार को शोक संवेदनाएं भेजने का कष्ट करें

श्री राम चन्द्र बक्श सिंह–

माननीय स्वर्गीय दीक्षित जी के निधन से मुझे और मेरे दल के सभी माननीय सदस्यों को हार्दिक दुख है । मान्यवर, स्वर्गीय दीक्षित जी का जीवन युवाकाल से उनके अन्तिम क्षणों तक पूर्ण रूप से समाज के प्रति समर्पित रहा है और उन्होंने आजादी में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और आजादी के बाद मजदूरों के आन्दोलन से जुड़े रहे हैं। उनकी विचारधारा और उनका समादर समाज के लिए बहुत ही उपयोगी था । उन्होंने अन्तिम क्षणों तक अपने लेखन के जरिये, अपने कार्यों के जरिये वह समाज की सेवा करते रहे हैं । उनके सम्बन्ध में जो विचार माननीय नेता सदन, माननीय नेता कांग्रेस पार्टी, माननीय नेता भारतीय जनता पार्टी, बी0 एस0 पी0 ने प्रकट किये हैं, मैं उनसे अपने और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि मेरी और मेरे दल की शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री राज किशोर सिंह–

मान्यवर, श्री जगदीश चन्द्र दीक्षित जी, सभापति, विधान परिषद् हम लोगों के बीच नहीं रहे, यह बहुत ही दुखद बात है । मान्यवर, माननीय नेता सदन, मान-

नीय उपनेता विरोधी दल और माननीय नेता भारतीय जनता पार्टी, माननीय नेता बी0 एस0 पी0 और माननीय नेता भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जो भावनाएं स्वर्गीय दीक्षित जी के प्रति व्यक्त की हैं, मैं अपने को और अपने दल को उससे सम्बद्ध करता हूं। माननीय दीक्षित जी बहुत ही अद्भुत प्रतिभा के व्यक्ति थे। शिक्षा, श्रम, राजनीति, उद्योग कोई ऐसा क्षेत्र बाकी नहीं रहा जहां उनकी भूमिका और योगदान न रहा हो। वे विभिन्न शिक्षा संस्थाओं में भी बहुत रुचि रखते थे। वे उन्नाव के शैक्षिक-सुभाष इण्टर कालेज के विभागाध्यक्ष थे और डिग्री कालेज के प्रधानाचार्य भी रहे और गोरखपुर, कानपुर, आगरा युनिवर्सिटियों की समितियों के सदस्य भी रहकर उन्होंने बहुत योगदान दिया है। मान्यवर, श्री दीक्षित जी न केवल शिक्षा जगत से ही जुड़े, बल्कि उनकी रुचि श्रमिकों के प्रति भी थी। उन्होंने उनकी जो महान सेवा की, उसे भुलाया नहीं जा सकता है। मान्यवर, श्री दीक्षित जी ने बहुत सी किताबें लिखी हैं। लेखन में उनकी विशेष रुचि थी। मान्यवर, ऐसी प्रतिभा वाले व्यक्ति को खोकर हमें बड़ा नुकसान पहुंचा है, जिसकी शून्यता की पूर्ति करना सम्भव नहीं है। दीक्षित जी राज्य सभा के सदस्य रहे, विधान परिषद् के सदस्य रहे, कैबिनेट स्तर के मंत्री रहे। वे 1980 में विधान परिषद् के सदस्य चुने गये, 1986 में फिर चुन लिये गये। वे विधान परिषद् के सभापति सर्वसम्मति से चुने गये। पहले प्रोटेम थे लेकिन बाद में सर्वसम्मति से सभापति चुने गये। उनके निधन से मुझको और मेरे दल को बहुत दुख है। आपसे अनुरोध है कि मेरी और मेरे दल की ये संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार तक भेजने की कृपा करें। इसके साथ ही मैं श्री दीक्षित जी के प्रति अपनी और अपने दल की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री राम स्वरूप वर्मा–

मा0 उपाध्यक्ष जी, श्री दीक्षित जी के निधन से हम सभी दुखी हैं। जो भावनाएं मा0 नेता सदन, मा0 उपनेता विरोधी दल और अन्य मा0 नेताओं ने व्यक्त की हैं, मैं अपने को उनसे सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, मैं एक ही वाक्य में कहे दे रहा हूं कि वे मजदूर आन्दोलन के महान नेता थे, वे हमेशा मजदूरों के लिए लड़े। वे आज हमारे बीच में नहीं हैं। इससे जो रिक्तता आयी है उसको भरना नामुमकिन सा लग रहा है। इसलिए मैं उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि ये संवेदनाएं मेरे और मेरे दल की ओर से उनके शोक संतप्त परिवार को भिजवा दें।

श्री उपाध्यक्ष–

मा0 नेता सदन, मा0 उपनेता विरोधी दल, मा0 नेता बी0 जे पी0, मा0 नेता बी0 एस0 पी0, मा0 नेता सी0 पी0 आई0 और अन्य सभी सम्मानित नेताओं ने स्वर्गीय मा0 जगदीश चन्द्र दीक्षित के सम्बन्ध में जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, मैं भी अपने को उनसे सम्बद्ध करता हूं। जैसा कि सम्मानित नेता सदन ने कहा कि वे एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे और कांग्रेस दल से थे, उस नाते मैं व्यक्तिगत रूप से उनको जानता था। मुझे जब कभी उनके पास बैठने का सानिध्य प्राप्त हुआ, मैंने

पाया कि वह कितने प्रतिभाशाली व्यक्ति थे । वे जब स्वतंत्रता संग्राम की बातें बताने लगते थे तो ऐसा लगता था, उनका स्वतंत्रता संग्राम का वर्णन इस तरह का था कि ऐसा लगता था हम उस घटना विशेष को अपनी आंखों से देख रहे हों । खास तौर पर उनकी स्मरण शक्ति इतनी थी कि उन्हें केवल तारीख ही नहीं समय भी याद रहता था और बता देते थे कि 12 बजे, 1 बजे घटना घटी । जैसे कि सभी सम्मानित नेताओं ने शोकोद्गार व्यक्त किए, वे वास्तव में बहुत ही महान् व्यक्ति थे और बहुत सी प्रतिभाओं के धनी थे । साहित्य, लेखन, श्रम आन्दोलन में उन्होंने भाग लिया, स्वतंत्रता संग्राम में जेल गये और अन्तर्राष्ट्रीय श्रम मंचों पर जेनेवा आदि भी गये और महान भारत का प्रतिनिधित्व किया । तो इस तरह से उनका व्यक्तित्व हमारे सबके लिए बड़ा ही अनुकरणीय था । उनके साथ जो काम करते थे, उन्होंने बताया कि जो किताब वे लिख रहे थे, मरने से पूर्व कुछ क्षणों पूर्व तक अपनी लेखनी से उस किताब को लिखते रहे । इस तरह से अन्तिम क्षणों तक वे कार्य करते रहे थे । विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करके, उन्होंने इस देश और प्रदेश को बहुत कुछ दिया । ऐसे महान व्यक्तित्व, ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तित्व को मैं व्यक्तिगत रूप से नमन करता हूं । इस सदन के सभी सम्मानित नेताओं ने, सम्मानित नेता सदन, सम्मानित उपनेता कांग्रेस दल और और अन्य सभी सम्मानित नेताओं ने जो विचार और शोकोद्गार व्यक्त किए हैं, मैं उन सब शोकोद्गारों, उन भावनाओं और उन जज्बातों को उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचा दूंगा ।

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी श्री बैजनाथ, श्री गंगा सिंह विष्ट, श्रीमती शशि प्रभा तथा श्री प्रताप नारायण तिवारी के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)–

उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन के भूतपूर्व पांच सदस्य, जो हमारे इस सदन के सम्मानित सदस्य रह चुके हैं, का निधन हो गया है । जिनमें श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी जी जनपद उन्नाव के बांगरमऊ विधान सभा क्षेत्र से पहली बार 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर चुनकर आये उसके बाद वे कांग्रेस पार्टी में चले गये। कांग्रेस पार्टी के 1969 के विभाजन में संगठन कांग्रेस के साथ रहकर कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे । वे पत्रकार भी थे । जिला पत्रकार संघ के महामंत्री रहे, रेडक्रास सोसाइटी के आजीवन सदस्य रहे और उनका विश्वास था मद्य निषेध के लिये । वे जिला मद्य निषेध समिति के संयुक्त सचिव थे । सामाजिक क्षेत्र और राजनीतिक क्षेत्र में उनकी बड़ी सेवायें हैं । इस सदन की उन्होंने बहुत बड़ी सेवा की है । हमें इसके बाद एक पार्टी में रहकर कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । वे हमारे बीच से चले गये इसका हमें बड़ा दुख है । इस सदन की ओर से आपसे प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवार तक हमारी संवेदनायें भेजने की कृपा करें ।

दूसरे भूतपूर्व सदस्य श्री बैजनाथ जी थे जो जनपद देवरिया के रहने वाले थे। 1969 में पहली बार नौरंगिया निर्वाचन क्षेत्र से इस सदन के सदस्य चुनकर आये थे और उसके बाद 1985 में सामान्य निर्वाचन में कांग्रेस पार्टी के टिकट पर इस सदन में चुनकर आये थे। उन्होंने कई आंदोलनों में कई बार हिस्सा लिया और जनता की समस्याओं को लेकर जेल गये । उन्होंने हमेशा किसानों के, गरीबों की आवाज उठायी । उनके निधन से हम सब लोगों को बहुत दुख है । आपसे प्रार्थना है कि हमारी संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

भूतपूर्व सदस्य श्री गंगा सिंह विष्ट जी का निधन 25 फरवरी, 1990 को हो गया। विष्ट जी एक संगीतज्ञ थे । राजनीति के साथ-साथ संगीत में भी उनकी विशेष रुचि थी । उन्होंने इस सदन की बहुत सेवा की । सामाजिक जीवन में राजनीतिक जीवन में उन्होंने बहुत बड़ी ख्याति प्राप्त की । आज वे हमारे बीच में नहीं हैं । उनके परिवार तक हमारी तरफ से, सदन की तरफ से, संवेदनायें भेजने की कृपा करें ।

भूतपूर्व सदस्या श्रीमती शशि प्रभा प्रथम बार 1977 में जनपद प्रतापगढ़ के कुंडा निर्वाचन क्षेत्र से जनता पार्टी के टिकट पर चुनकर आयी थीं । इन्होंने समाजवादी आन्दोलन में भी लगातार संघर्ष किया और इन्हें स्व0 राम मनोहर लोहिया जी के साथ भी काम करने का बहुत बड़ा मौका मिला, उसके बाद जब इन्होंने समाजवादी पार्टी में आने का फैसला किया, तो अपने घर पर स्व0 राम मनोहर लोहिया जी को भी बुलाया था । बड़े घर में पैदा होने के बाद भी, समाजवादी पार्टी में रहकर यह गरीबों, मजदूरों और किसानों की हमदर्द रहीं । आज वह हमारे बीच में नहीं हैं, जिससे हम सब लोग दुखी हैं । मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि सदन की तरफ से और हमारी तरफ से उनके परिवार को शोक संवेदनायें भेजने की कृपा करें ।

भूतपूर्व सदस्य श्री प्रताप नारायण तिवारी जी ने भारतीय जनता पार्टी में आने से पहले जनसंघ में काम किया और उसके बाद वह आर0 एस0 एस0 में भी बड़े पद पर रहे, उसके बाद वह भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनकर इस सदन में आये, उनकी पढ़ने लिखने में बहुत रुचि थी । वह इस सदन के सदस्य के अतिरिक्त 1970 से 1976 तक विधान परिषद् के सदस्य भी रहे । कुछ वर्ष पहले इन्होंने राजनीति से सन्यास ले लिया था और अपना पूरा समय पढ़ने-लिखने तथा सार्वजनिक जीवन के कामों में लगा दिया था, वह अपना काम अत्यन्त योग्यता और ईमानदारी से करते थे । उनसे एक बार मेरा संवाद भी हुआ था स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जो हमारे नेता थे, उनके साथ एक बार बैठकर उन्होंने बहुत बड़ा विचार-विमर्श किया था । ऐसे विद्वान, योग्य सामाजिक जीवन और राजनैतिक जीवन में बहुत कम लोग होते हैं, जो स्वत: राजनीति से सन्यास ले लेते हों और असली समाज की सेवा में चले जाते हों, वह इसी तरह के एक महान नेता थे । हम सब लोग उनके निधन से बहुत दुखी हैं, मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनके परिवार तक हमारी ओर से और हमारे दल की ओर से शोक संवेदनायें भेजने की कृपा करें ।

श्री अरुण कुमार सिंह मुन्ना–

मान्यवर, स्वर्गीय भूतपूर्व सम्मानित सदस्यों के बारे में जो माननीय नेता सदन ने शोक संवेदनायें व्यक्त की हैं, मैं उनसे अपने आपकी और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी बांगरमऊ, जनपद उन्नाव से और भूतपूर्व सदस्य स्वर्गीय श्री बैजनाथ जी, देवरिया जनपद से निर्वाचित हुये थे । भूतपूर्व सदस्य स्वर्गीय श्री गंगा सिंह विष्ट जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, जनपद अल्मोड़ा से 1962 में निर्वाचित हुये थे । स्वर्गीय श्रीमती शशि प्रभा, भूतपूर्व सदस्य इस विधान सभा में कुन्डा, जिला प्रतापगढ़ से 1977 में पहली बार निर्वाचित हुयी थीं । इसके साथ ही स्व0 श्री प्रताप नारायण तिवारी, सर्वप्रथम 1967 में जनसंघ के टिकट पर बलरामपुर, जिला गोण्डा से निर्वाचित हुये थे । निश्चय ही हमारे ये पुराने सम्मानित सदस्य रहे हैं और राजनैतिक और सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अपने क्षेत्रों में जो भी कार्य किया है ।

उस क्षेत्र की जनता और प्रदेश का राजनैतिक जीवन इन सभी लोगों से भली-भांति परिचित हैं । आज ये लोग हमारे बीच में नहीं हैं । इनके निधन से जो सामाजिक व आर्थिक क्षति हुई है वह अपूर्णीय है । क्योंकि हमारे जो भूतपूर्व सदस्य हैं उनकी प्रतिभा से, उनकी विशेषताओं से और उनके कार्यक्षेत्र में जो उपलब्धियां रही हैं, उससे उनका कार्यक्षेत्र ही नहीं अपितु प्रदेश भी समय-समय पर लाभान्वित होता रहा है । इसमें हमारे जनसंघ विचारधारा के लोग भी रहे हैं, कांग्रेस के लोग भी हैं, क्रांति दल के लोग भी हैं समाजवादी विचारधारा के लोग भी हैं । उन्होंने पुरजोर ढंग से सार्वजनिक व राजनैतिक जीवन में क्षेत्र व समाज की सेवा करने का जो संकल्प लिया था, उसको पूरा करने का उन्होंने भरसक प्रयास किया । दुर्भाग्य से आज ये सभी लोग हमारे बीच में नहीं हैं । हमारे ये संवेदना के भाव उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें । साथ ही मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से इन सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

श्री कल्याण सिंह—

मान्यवर, इस सम्मानित सदन के भूतपूर्व सदस्यगण स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी, श्री बैजनाथ, श्री गंगा सिंह विष्ट, श्रीमती शशि प्रभा और श्री प्रताप नारायण तिवारी जी के निधन के संबंध में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जो शोकोद्गार माननीय नेता सदन और माननीय उप नेता, विरोधी दल ने व्यक्त किए हैं, उनसे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, इन भूतपूर्व सदस्यों के हमारे बीच से उठ जाने के बाद न केवल उनके क्षेत्र को क्षति हुई है अपितु मैं ऐसा समझता हूं कि इनमें से कई ऐसे कर्मठ व्यक्तित्व रहे हैं, जिनके निधन से केवल उनके जनपद को ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश को भारी क्षति हुई है । ये जमीन से जुड़कर जन सेवा हेतु काम करने वाले कर्मठ कार्यकर्ता रहे हैं । इनमें से श्री प्रताप नारायण तिवारी जी से मेरा व्यक्तिगत रूप से संबंध रहा है । हमें उनके साथ काम करने का अवसर प्राप्त हुआ है । वह 1967 में जनसंघ के टिकट पर निर्वाचित होकर इस सम्मानित सदन के सदस्य हुए, उसके पश्चात् वर्ष 1970 से 1976 तक वह विधान परिषद् के सदस्य रहे । अपने प्रारम्भिक जीवन में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के माध्यम से समाज की सेवा की और उसके बाद भारतीय जनसंघ के माध्यम से वह राजनैतिक जीवन में आये । वह बड़े ही सूझबूझ के व्यक्ति थे । उनका मस्तिष्क एक योजनाकार का मस्तिष्क था, उनका चिन्तन स्वयं में बड़ा मौलिक था । जो काम बहुत कठिन होता है लोक संग्रह का, हमने पाया कि श्री तिवारी जी इसे करने में बहुत सफल रहे । ऐसे व्यक्ति के उठ जाने से पूरे समाज को एक भारी क्षति हुई है । इन पांचों दिवंगत आत्माओं के प्रति मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि सभी दिवंगत आत्माओं को शान्ति मिले और उनके शोक संतप्त परिवार को इस गहरे दुःख को सहने की शक्ति दे । हमारे ये संवेदना के भाव उनके शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

श्री शेख मोहम्मद सुलेमान—

मान्यवर, मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि इस सदन के भूतपूर्व सदस्य स्व0 श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी, जनपद, उन्नाव, स्व0 श्री बैजनाथ, जनपद देवरिया, स्व0 श्री गंगा सिंह बिष्ट, जनपद अल्मोड़ा, स्व0 श्रीमती शशि प्रभा, जनपद प्रतापगढ़, स्व0 श्री प्रताप नारायण तिवारी, जनपद गोंडा-ये सभी लोग आज हमारे बीच में नहीं हैं । मैं अल्लाह से दुआ करता हूं खुदा इनके परिवार के लोगों को इनकी मौत का सदमा बर्दास्त करने की हिम्मत दे । इन सभी सदन के माननीय सदस्यों ने सारी जिन्दगी इस समाज की सेवा की । अपनी सारी जिन्दगी गरीब, मजलूम और बेसहारा लोगों के लिये लगायी । मैं अपने और अपने दल बहुजन समाज पार्टी की ओर से खिराजे अकीदत (श्रद्धांजलि) अर्पित करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि मेरे दल के सभी सदस्यों की ओर से इन सभी माननीय सदस्यों के परिवार के लोगों तक हमारा शोक संवेदना संदेश भेज दिया जाय ।

श्री रामचन्द्र बक्श सिंह—

मान्यवर, स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी, स्वर्गीय श्री बैजनाथ, स्वर्गीय श्री गंगा सिंह बिष्ट, स्वर्गीया श्रीमती शशि प्रभा, स्वर्गीय श्री प्रताप नारायन तिवारी जी, इन सभी माननीय सदस्यों के निधन से मुझे और मेरे दल के माननीय सदस्यों को अत्यधिक दुःख है । इनके सम्बन्ध में जो विचार माननीय नेता, सदन और सम्मानित नेताओं ने व्यक्त किये हैं, मैं उनसे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और अपने और अपने दल की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि इनके शोक सन्तप्त परिवारों तक हमारा संवेदना का सन्देश भिजवाने का कष्ट करें ।

श्री राजकिशोर सिंह—

मान्यवर, श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी, (उन्नाव), श्री बैजनाथ (देवरिया), श्री गंगा सिंह बिष्ट (अल्मोड़ा), श्रीमती शशि प्रभा (प्रतापगढ़), श्री प्रताप नारायन तिवारी (गोण्डा), ये सब सदन के सदस्य रहे हैं । उनका निधन हो गया, यह बहुत ही दुख:द समाचार है । मेरा दल और मैं स्वयं बहुत दुःखी हूं इनके निधन से । इन लोगों के विषय में माननीय नेता, सदन, माननीय नेता, विरोधी दल तथा अन्य दल के नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं, मैं अपने को और अपने दल को उनसे सम्बद्ध करता हूं । ये पांचों विभूतियां अपने-अपने क्षेत्रों में बहुत लोकप्रिय रही हैं । ये सभी राजनीतिक कार्यकर्ता रहे हैं और जीवनकाल तक इन्होंने जनता की सेवा की । इनके निधन से न केवल उन दलों की बल्कि पूरे प्रदेश की अपूर्णनीय क्षति हुई है और इनके निधन से जो रिक्तता आयी है उसका पूरा होना सम्भव नहीं है । इसके साथ ही मैं अपने और अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे आग्रह करता हूं कि मेरे और मेरे दल की ओर से उनके शोक सन्तप्त परिवार तक हमारी शोक संवेदनायें भेजने की कृपा करें ।

श्री राम स्वरूप वर्मा—

माननीय उपाध्यक्ष जी, यश:कायी श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी, यश:कायी श्री बैजनाथ, यशकायी श्री गंगा सिंह बिष्ट, यश:कायी श्रीमती शशिप्रभा, यश:कायी श्री प्रताप नारायन तिवारी जी के निधन से हम दु:खी हैं । इनके सम्बद्ध में जो भावनायें माननीय नेता, सदन, उप नेता, विरोधी दल और अन्य नेताओं ने व्यक्त की हैं, स्वयं मैं उनसे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं और अपने श्रद्धां-सुमन समर्पित करते हुए आपसे निवेदन करता हूं कि हमारी शोक संवेदना हमारी तरफ से उनके शोक सन्तप्त परिवार तक पहुंचा दें ।

श्री उपाध्यक्ष—

माननीय नेता, सदन, माननीय नेता, विरोधी दल, माननीय नेता, भारतीय जनता पार्टी, माननीय नेता, सी0 पी0 आई0 और अन्य सम्माननीय नेताओं ने भूतपूर्व सदस्यों श्री जगदीश प्रसाद त्रिवेदी, श्री बैजनाथ, श्री गंगासिंह बिष्ट, श्रीमती शशिप्रभा, श्री प्रताप नारायन तिवारी के निधन पर उनके सम्बन्ध में जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, मैं अपने को भी उन उद्गारों से सम्बद्ध करता हूं और अपनी तरफ से भी हार्दिक दु:ख व्यक्त करता हूं और हृदय से श्रद्धांजलि भी समर्पित करता हूं । आप सभी दल के नेताओं ने जो शोकोद्गार व्यक्त किये हैं, इन सबके परिवार तक आप सभी के शोकोद्गार व आप सबकी भावनायें अवश्य पहुंचा दी जायेंगी ।

आप सभी से मेरा निवेदन है कि इन सब भूतपूर्व सदस्यों के लिये दो मिनट मौन खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित करें ।

(सभी सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुये ।)

श्री उपाध्यक्ष—

आप लोग आसन ग्रहण करें ।

(मा0 सदस्यों के द्वारा आसन ग्रहण करने के पश्चात्)

श्री उपाध्यक्ष—

अब हम उठते हैं कल 11.00 बजे तक के लिये ।

(इसके बाद सदन 12 बजकर 10 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया ।)

भाल चन्द्र शुक्ल,
सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश ।

लखनऊ :
14 जून, 1990

गत्थी 'क'

(देखिए अता0 प्र0 सं0 36 का उत्तर पीछे पृष्ठ 24 पर)

(लाख रुपये में)

क्रम-संख्या	योजना का नाम	अनुमानित लागत	जल निगम द्वारा मार्च-90 तक किया गया व्यय	अप्रैल मई-90 में किया गया व्यय	कुल व्यय	शेष व्यय जो किया जाना है	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बी0एच0यू0एस, टी0पी ..	277.043	297.69	---	297.39	---	योजना पूर्णकर चालू है।
2	लैन्ड स्केपिंग एन्ड साइट डेवलपमेन्ट ..	120.38	19.65	2.71	22.36	---	योजना पूर्णकर चालू है।
3	डी0एल0डब्लू0एस0टी0पी	88.00	88.00	---	88.00	---	योजना पूर्णकर चालू है।
4	मानसरोवर ड्रेन एवं पम्पिंग स्टेशन ..	99.76	100.64	---	100.64	---	योजना पूर्ण कर चालू है।
5	राजघाट एवं तेलिया नाले के कार्य ..	74.23	69.64	---	69.64	---	योजना पूर्ण कर चालू है।
6	कोनिया पम्पिंग स्टेशन .. राइजिंग मेन एवं दीनापुर एस0टी0पी0	2169.90	1403.50	248,55	1652.50	517.86	लगभग 70% कार्य समाप्त है।
7	दीनापुर सीवेज फार्म ..	96.86	68.47	10.53	57.94	38.92	लगभग 70% कार्य पूरा हो चुका है शेष प्रगति पर है।
8	रामनगर सीवरेज स्कीम ..	47.74	27.50	2.50	30.00	17.74	कार्य प्रगति पर है।
9	डा0आर0पी0घाट पम्पिंग स्टेशन ..	62.81	40.00	1.20	41.20	21.61	लगभग 60% कार्य पूरा हो चुका है।
10	शिवाला ड्रेन के कार्य ..	1.88	1.88	---	1.88	---	कार्य पूरा किया जा चुका है।
11	त्रिलोचन ड्रेन के कार्य ..	10.25	0.60	0.10	0.70	9.55	कार्य प्रारम्भ किया गया है।
12	रामनगर सीवेज पम्पिंग स्टेशन एवं सीवेज फार्म के रेनोवेशन कार्य .	9.75	9.75	---	9.75	---	कार्य पूर्ण हो चुका है योजना चालू है।
	योग ..	2950.99		योग ..	2372.00		

उत्तर प्रदेश विधान सभा

नत्थी 'ब'

(देखिए अता0प्र0सं0 126 का उत्तर पीछे पृष्ठ 56 पर)

दिनांक 8·6·87 को जनपद शाहजहांपुर में आये तूफान से रोजा इण्डस्ट्रियल एस्टेट की उन इकाईयों की सूची जिन्हें इस तूफान के कारण क्षति पहुंची---

	रु0
1---मे0 निर्मल इण्डस्ट्रीज	1,28,883.00
2---मे0 खन्ना फैशन	13,040.00
3---मे0 तलवार इण्डस्ट्रीज	29,257.00
4---मे0 तेज पाटरीज	36,850.00
5---मे0 लक्ष्मी पाटरीज	1,58,783.00
6---मे0 एस0एस0 आईस फैक्ट्री	16,120.00
7---मे0 सिंह तेल उद्योग	20,704.00
8---मे0 दीपक इण्डस्ट्रीज	13,215.75
9---मे0 मे0 कुमार साल्वेन्ट	58,100.00
10---मे0 अरविन्द इण्डस्ट्रीज	60,000.00
11---मे0 भगवान दई हैण्डलूम	65,000.00
12---मे0 मन मोहन स्पोक्स	2,390.00
13---मे0 मोंगा प्लास्टिक	6,723.00
14---मे0 गोयल चूड़ी उद्योग	16,640.00
15---मे0 प्रेम इण्डस्ट्रीज	31,884.00
16---मे0 एस0एस0 इण्डस्ट्रीज	39,845.00
17---मे0 चन्द्रा पाटरीज	18,628.00
18---मे0 प्रभा पेपर एण्ड फाइबर बोर्ड	34,694.00
19---मे0 सन साइन रबर इण्डस्ट्रीज	19,761.00
20---मे0 रीमा फ्लोर मिल	1,36,981.00
21---मे0 सागर स्टील इण्डस्ट्रीज	16,734.00
22---मे0 संजय केमिकल्स	4,516.00
23---मे0 मंजूश्री केमिकल्स	..
24---मे0 नेशनल केमिकल्स एण्ड फर्टीलाइजर्स	..
25---मे0 जय श्री पाल्ट्री फीड	..

नस्ती 'ग'

(देखिए अता0 प्र0 सं0 135 का उत्तर पीछे पृष्ठ 59 पर)

क्रम-संख्या	नलकूप संख्या व समूह	कमांड एरिया (हेक्टर में)	सिचित क्षमता (हेक्टर में)	सिचाई से हुई आय
1	133 एम जी	100	100	15645.60
2	134 एम0 जी0	,,	,,	08694.15
3	135 ,,	,,	,,	14226.50
4	136 ,,	,,	,,	11228.80
5	137 ,,	,,	,,	09340.70
6	138 ,,	,,	,,	17943.00
7	139 ,,	,,	,,	22982.20
8	142 ,,	,,	,,	16673.30
9	143 ,,	,,	,,	14491.00
10	144 ,,	,,	,,	11777.35
11	145 ,,	,,	,,	09626.20
12	146 ,,	,,	,,	12335.25
13	147 ,,	,,	,,	1076.00
14	148 ,,	,,	,,	8162.00
15	179 ,,	,,	,,	7554.40
16	180 ,,	,,	,,	6877.50
17	181 ,,	,,	,,	7682.75
18	182 ,,	,,	,,	6570.20
19	186 ,,	,,	,,	7002.80
20	196 ,,	,,	,,	1828.30
21	198 ,,	,,	,,	6004.55
22	193 ,,	,,	,,	7335.00
23	194 ,,	,,	,	7295.60
24	195 ,,	,,	,,	6411.50
25	197 ,,	,,	,,	शून्य (निर्माणाधीन)
26	199 ,,	,,	,,	4477.40
27	128 ,,	,,	,,	निर्माणाधीन (जोन)
28	184 ,,	,,	,,	
29	202 ,,	,,	कोर्ट केस के कारण निर्माण कार्य रुका है।	
				243242.05

क्रमांक	जनपद	नाम ब्लाक	कूप सं0 व	ग्राम का नाम	सी0सी0ए0 सिचन क्षमता हे0में0	दिसम्बर 88--89 तक प्राप्त राजस्व	विवरण
1	मऊ	रानीपुर	11 ए0जी0	अमारी	100	3314--65	
2	,,	,,	28 ,,	खुरहट	954	6996--30	
3	,,	,,	36 ,,	सरसेना	94.3	251--15	
4	,,	,,	38 ,,	हकुम जालिम	98	2036--90	
5	,,	,,	42 ,,	कामा	97	2306--15	
6	,,	,,	44 ,,	बड़ागांव	97	6860--75	
7	,,	,,	58 ,,	भवरेपुर	93	7957--30	
8	,,	,,	65 ,,	जसड़ा	92	6261--25	
9	,,	,,	71 ,,	म0 अजीजचक	90	3563--15	
10	,,	,,	85 ,,	किभूपुर	85	2060--10	
11	,,	,,	92 ,,	बमनपुरा	100	589--05	
12	,,	,,	105 ,,	अमरहठ	97	2638--45	
13	,,	,,	108 ,,	चितविसांव	94	659--75	
14	,,	,,	113 ,,	कोतवरा कोलौरा	93.3	--- ---	
15	,,	,,	115 ,,	हाजीपुर	96.60	10060--90	
16	,,	,,	116 ,,	रज्जनपुर	95.5	7769--95	
	योग	16				63331--80	

पी0एस0यू0पी0—एल0 238 विधान सभा (406)—1990—813 ।

अतारांकित